राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026

वर्ष 07,अंक 201, पृष्ट 12,मूल्यः 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

थाने के सामने से रातों-रात उखाड़ा गया महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार...03

नकाब लगाकर हमला, कैसे होर्मुज में भारतीय जहाज ईरान ने किया कब्जा...12

बांसुरी स्वराज के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट हटाएं... कोर्ट का आप और सौरभ भारद्वाज को आदेश

दिल्ली की साकेत कोर्ट ने आम आदमी पार्टी और सौरभ भारद्वाज को भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ सभी अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट तुरंत हटाने का अंतरिम आदेश दिया है. कोर्ट ने 19 अप्रैल 2026 के वीडियो और 21 अप्रैल 2026 की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मानहानिकारक सामग्री के प्रकाशन पर रोक लगाई है.

दिल्ली की साकेत कोर्ट ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं सौरभ भारद्वाज और अंकुश नारंग को आदेश दिया कि वे भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट हटा दें, जिसमें संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 के पास ना होने के विरोध में विरोध प्रदर्शन करने के दौरान दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें हिरासत में लेने को लेकर वीडियो पोस्ट की गई थी।

साकेत कोर्ट के डिस्ट्रिक्ट प्रिंसिपल और सेशन गुरविंदर पाल सिंह ने एक अंतरिम आदेश पारित किया और भारद्वाज, आप और नारंग को 19 अप्रैल, 2026 के वीडियो में अपमानजनक सामग्री को प्रकाशित करने, होस्ट करने, अपलोड करने, प्रसारित करने, दोबारा पोस्ट करने या प्रसारित करने से रोक दिया।

15 मई को होगी अगली सुनवाई

कोर्ट ने आप नेताओं द्वारा 19 अप्रैल 2026 के वीडियो में अपमानजनक सामग्री और 21 अप्रैल 2026 के प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपमानजनक सामग्री को इंस्टाग्राम, एक्स, फेसबुक, यूट्यूब या किसी अन्य सोशल मीडिया पर प्रकाशित करने, होस्ट करने, अपलोड करने/प्रसारित करने/दोबारा पोस्ट करने या प्रसारित करने से रोक दी।

कोर्ट ने आदेश दिया कि प्लेटफ़ॉर्म या डिजिटल मीडियम पर किसी भी तरह के गलत कंटेंट को तुरंत हटाने और ऐसे सभी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म से उस बदनाम करने वाले कंटेंट के पब्लिकेशन को अगली सुनवाई की तारीख तक टालने के लिए कहा। दरअसल, यह विवाद 19 अप्रैल को पोस्ट किए गए एक वीडियो से शुरू हुआ, जिसमें बांसुरी स्वराज, राहुल गांधी के घर पर विरोध प्रदर्शन करती दिख रही थीं। मार्च में शामिल होने वालों में केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे, स्वराज और BJP के कई दूसरे नेता शामिल थे।

बांसुरी स्वराज ने कही ये बात

कहा गया कि दिल्ली पुलिस ने स्वराज, खडसे और दूसरों को हिरासत में लिया. स्वराज ने कहा कि जब उन्हें पुलिस बस तक ले जाया जा रहा था, तो स्वाभाविक रूप से एकजुटता और समर्थन दिखाते हुए, उन्होंने खडसे का हाथ पकड़ लिया.

स्वराज ने कहा कि भारद्वाज ने 'भारतीय ड्रामा कंपनी'/ भाजपा ड्रामा कंपनी' नाम के गंदे बैनर के तहत एक वीडियो सर्कुलेट किया।

आरोपों के मुताबिक, सौरभ भारद्वाज ने फुटेज पर एक लाल गोला बनाया जिस पर लिखा था, 'पुलिस अधिकारी ने जानबूझकर हाथ पकड़ा '. उन्होंने आगे कहा, 'पुलिस ऑफिसर्स के नेपो-किड MP, बांसुरी स्वराज को डिटेंशन में लेने के बजाय, यह नेपो-किड पुलिस ऑफिसर को डिटेंशन में ले रहा है.' बांसुरी स्वराज का कहना है कि क्र और उसके नेताओं ने एडिटेड वीडियो के जरिए उनकी बदनामी की और उन्हें ऐसा नुकसान पहुंचाया जिसे ठीक नहीं किया जा सकता।

जानें कोर्ट ने क्या कहा

हालांकि इस दौरान AAP और उसके नेताओं ने कोई भी अंतरिम ऑर्डर देने का विरोध किया, यह तर्क देते हुए कि उनके पास जवाब देने के लिए काफी समय नहीं है। उन्होंने कथित कंटेंट की असलियत और मौजूदा उपलब्धता पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि स्वराज की दलील अस्पष्ट और समय से पहले की थी।

फिर भी, कोर्ट ने फैसला सुनाया कि स्वराज ने पहली नज़र में एक केस बनाया था. उसने माना कि सुविधा का संतुलन उनके पक्ष में है और अगर कंटेंट एक्सेसिबल रहा तो उनकी रेप्युटेशन को ऐसा नुकसान हो सकता है जिसे ठीक नहीं किया जा सकता. कोर्ट ने आगे कहा कि इस मामले में, याचिकाकर्ता की रेप्युटेशन दांव पर है. अगर मांगी गई रोक नहीं दी जाती है तो उनकी रेप्युटेशन को ऐसा नुकसान होगा जिसे ठीक नहीं किया जा सकता, क्योंकि इससे उनकी रेप्युटेशन को और नुकसान होगा.' इसके बाद अंतरिम रोक का आदेश जारी किया।

मुंबई में अब हिंदी बोलने वाले नहीं चला पाएंगे ऑटो-टैक्सी!

» 1 मई से लागू हो रहा नियम

» दिल्ली महाराष्ट्र में 1 मई से ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य कर दी गई है.

» यह नियम पहले से था, पर अब सख्ती से लागू होगा. एमएनएस इस कदम का स्वागत कर रही है और चालकों को जागरूक कर रही है

मई से महाराष्ट्र में ऑटो चालकों के लिए मराठी अनिवार्य कर दी गई है. हालांकि यह नियम नया नहीं है, बल्कि पहले से ही लागू था. लेकिन बड़े पैमाने पर रिक्शा बैज और परमिट जारी होने के बाद कई ऐसे चालक इस व्यवसाय में आ गए, जिन्हें मराठी का ज्ञान नहीं है. अब सरकार ने तय किया है कि 1 मई से इस नियम को सख्ती से लागू किया जाएगा।

एक मई से ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य होने से पहले ही एमएनएस ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने पश्चिम और पूर्व उपनगरों में ऑटो चालकों को इकट्ठा कर उनके ऑटो पर स्टीकर चिपकाए हैं. इन स्टीकरों पर लिखा है, 'मुझे मराठी समझ में आती है, मैं मराठी बोलता हूं, मेरी ऑटो में बैठिए'

कहां-कहां लगाए ऑटो पर स्टीकर

मुंबई के गोरेगांव, मलाड, बोरीवली और अंधेरी जैसे इलाकों में एमएनएस कार्यकर्ताओं ने कई ऑटो पर ये स्टीकर लगाए और मराठी अनिवार्य किए जाने के फैसले का स्वागत किया. इसके अलावा मुंबई के उपनगर मुलुंड में भी एमएनएस की ट्रांसपोर्ट इकाई द्वारा कई ऑटो पर मराठी के स्टीकर लगाए गए और चालकों को बताया गया कि 1 मई से यह नियम लागू होगा, इसलिए उन्हें इसके लिए तैयार रहना चाहिए

कई ऑटो चालकों ने इस फैसले का स्वागत किया है. लंबे समय से मुंबई में ऑटो चला रहे चालकों का कहना है कि सरकार का यह फैसला सही है. वहीं कई लोग इसे गलत बता रहे हैं और हिंदी भाषी राज्यों से रोजगार के लिए मुंबई आए लोगों के लिए अन्याय कह रहे हैं

ऑटो-टैक्सी यूनियन का क्या कहना है?

वहीं लंबे समय से ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए काम कर रहे संगठनों का कहना है कि सरकार का यह फैसला निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से लिया गया है. यूनियन नेता शशांक राव का कहना है कि राज्य में पहले से ही मराठी अनिवार्य का नियम लागू है, इसके बावजूद परमिट दिए गए. ऐसे में अब अचानक सख्ती क्यों की जा रही है? उन्होंने परिवहन मंत्री पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि यह कदम ऑटो-टैक्सी चालकों के रोजगार को संकट में डाल सकता है और इससे निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

फैसले का विरोध करेगी यूनियन

यूनियन नेता शशांक राव चेतावनी दी कि यूनियन इसका विरोध करेगी. उन्होंने बताया कि 28 तारीख को परिवहन मंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि सरकार इस नियम को सख्ती से लागू करती है, तो 4 मई से आंदोलन शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त ख़बरें

मितौली में भ्रष्टाचार का बोलबाला!

सरकारी नर्सरी की दीवार में ईंट की गुणवत्ता कम, सफेदपोशों का 'कमीशन' ज्यादा!

लखीमपुर खीरी। जिले की मितौली तहसील के ग्राम पंचायत बबौना में सरकारी धन को ठिकाने लगाने का एक बड़ा खेल उजागर हुआ है। यहाँ स्थित राजकीय पौधशाला की बाउंड्री वॉल (सीमा सुरक्षा दीवार) के निर्माण में मानकों को ताक पर रखकर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में बेहद घटिया सामग्री का उपयोग हो रहा है। सीमेंट की जगह रेत (बालू) की मात्रा अधिक होने से दीवार अभी से दम तोड़ती नजर आ रही है। राजकीय पौधशाला की सुरक्षा के लिए बन रही इस बाउंड्री वॉल में तकनीकी मानकों का रत्ती भर भी पालन नहीं किया जा रहा। तहसील प्रशासन और संबंधित विभाग की नाक के नीचे चल रहे इस 'पीले ईंटों वाले खेल' पर जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं, जिससे उनकी संलिप्तता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि सरकारी नर्सरी, जो पौधों के संरक्षण के लिए है, खुद भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। बबौना स्थित इस पौधशाला में बन रही दीवार की गुणवत्ता इतनी खराब है कि यह किसी भी समय धराशायी हो सकती है। सवाल यह उठता है कि क्या उच्चाधिकारी इस पर संज्ञान लेंगे या 'कमीशन' के इस खेल में सब हाथ धोते रहेंगे? 'सरकारी खजाने पर डाका डालने वालों की अब खैर नहीं! बबौना की जनता अब इस घटिया निर्माण की शिकायत सीधे शासन से करने की तैयारी में है।

रिचार्ज के 2 घंटे में जुड़ना ही होगा बिजली कनेक्शन, 1 लाख प्रतिदिन जुर्माना लगाने की वॉर्निंग

लखनऊ। रिचार्ज के दो घंटे बाद भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बिजली आपूर्ति न होने के मामलों को गंभीरता से लेते हुए विद्युत नियामक आयोग ने पावर कारपोरेशन के प्रति कड़ा रुख दिखाते हुए पेनाल्टी लगाने की तैयारी की है। दो घंटे में कनेक्शन न जुड़ने को रेगुलेशन (स्टैंडर्ड आफ परफार्मेंस) का उल्लंघन मानते हुए आयोग ने कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) को नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों न एक लाख रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जाए? नोटिस पर 15 दिन में प्रबंध निदेशक से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर में तमाम खामियों को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतों के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले ही नाराजगी जताते हुए तकनीकी समिति गठित कर जांच के निर्देश दे रखे हैं। जांच के चलते पावर कारपोरेशन प्रबंधन ने पुराने मीटर को स्मार्ट मीटर में बदलने पर तो रोक लगा दी है लेकिन अब तक लगभग 85 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

क्या बंद कर दिए जाएंगे अरुण जेटली और इकाना समेत देश के 6 क्रिकेट स्टेडियम?

» NGT का आदेश न मानने पर लटकी तलवार

नई दिल्ली। स्टेडियमों में भूजल दोहन रोकने को लेकर पूर्व में दिए गए आदेशों का अनुपालन नहीं करने पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) सख्त नाराजगी व्यक्त की है। एनजीटी चेयरमेन न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कड़ी चेतावनी देते हुए नई दिल्ली के अरुण जेटली व लखनऊ स्थित इकाना Cricket Staduim प्रशासन को नोटिस जारी कर पूछा है कि आदेशों के गैर-अनुपालन में क्यों न स्टेडियम के अंदर की सभी गतिविधियों पर रोक लगा दी जाए। एनजीटी ने छह स्टेडियमों द्वारा आदेशों का पालन न करने तथा कोई जवाब प्रस्तुत न करने पर न्यायालय ने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए सुनवाई दो जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।

एनसीटी ने पूछा- क्यों न गतिविधियां रोक दी जाएं? एनजीटी ने स्टेडियम प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी कर कहा कि वे यह स्पष्ट करें कि आदेशों का पालन न करने के कारण उनकी सभी गतिविधियां क्यों न रोक दी जाएं। एनजीटी ने स्पष्ट किया कि जल संरक्षण पर्यावरण संरक्षण का अनिवार्य हिस्सा है और खेल मैदानों में भूजल के स्थान पर उपचारित जल एवं वर्षा जल का उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

इन स्टेडियमों पर लटकी बंदी की तलवार

एनजीटी ने साथ ही नई दिल्ली अरुण जेटली स्टेडियम, रामपुर स्थित वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, जयपुर स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम, मुंबई स्थित डा. डीवाई पाटिल स्टेडियम, लखनऊ स्थित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और कटक बाराबती स्टेडियम को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुनवाई के दौरान एनजीटी के समक्ष आवेदनकर्ता ने कहा कि छह स्टेडियमों ने न तो अब तक अपना जवाब दाखिल किया है और न ही बार-बार दिए गए आदेश के बावजूद स्टेडियम की तरफ से कोई पेश हुआ है। यह भी बताया कि इन स्टेडियमों को नोटिस विधिवत भेजा गया था। आवेदनकर्ता ने एनजीटी के समक्ष कहा कि इन छह स्टेडियमों में सभी गतिविधियां पूरी तरह से रोक दी जानी चाहिए और उन्हें वहां किसी भी तरह की खेल गतिविधि करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

स्टेडियम से मांगी गई है रिपोर्ट

वहीं, दूसरी तरफ केंद्रीय भूजल प्राधिकरण की तरफ से कहा कि इन स्टेडियमों को 27 मार्च 2026 और सात अप्रैल 2026 को विधिवत ई-मेल भेजे गए थे और लंबित मामले में रिपोर्ट जमा करने को कहा गया था। एनजीटी ने वर्ष 2021 में अपने पूर्व आदेश के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कहा था कि क्रिकेट मैदानों में भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकना एवं एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के उपचारित जल तथा वर्षा जल संचयन प्रणाली के उपयोग को सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है।

सोरांव तहसील परिसर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, मची अफरा-तफरी

प्रयागराज, सोरांव। सोरांव तहसील परिसर में गुरुवार को अचानक शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई, जिससे पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की घटना से तहसील में मौजूद कर्मचारी, अधिवक्ता और आमजन में हड़कंप की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तहसील परिसर के एक कार्यालय में अचानक बिजली के तारों में स्पार्किंग हुई, जिसके बाद आग तेजी से फैलने लगी। देखते ही देखते वहां रखे बिजली के उपकरण धू-धू कर जलने लगे और पूरे कमरे में धुआं भर गया।

बड़ा हादसा टला समय रहते आग पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि इस घटना में कई बिजली के उपकरण जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए, जिससे नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। तहसील प्रशासन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए शॉर्ट सर्किट के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए बिजली व्यवस्था की जांच और सुधार के निर्देश भी दिए गए हैं।

जिले के चेरागी रेंज से खुलेआम बांस तस्करी, वन विभाग मौन

प्रशासन का ध्यान आकर्षित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए वर्तमान सरकार ने वन विभाग के कर्मचारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वन संरक्षण और सरकारी राजस्व संग्रह का कार्य किया जाना चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। आरोप है कि संबंधित अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। विशेष रूप से सिंगला नदी मार्ग का उपयोग कर चेरागी रेंज क्षेत्र से खुलेआम बांस की तस्करी की जा रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, चेरागी, निविया और दुल्लभछड़ा के रास्ते यह बांस अन्य स्थानों पर भेजा जा रहा है। इसके बावजूद रेंजर सहित वन विभाग के अन्य अधिकारी इस मामले में मूक दर्शक बने हुए हैं। चेरागी रेंज के अंतर्गत आने वाले संरक्षित वन क्षेत्रों से लगातार बांस काटकर नदी मार्ग से तस्करी की जा रही है। दिनदहाड़े इस तरह वन संपदा की लूट से यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं कि रात के अंधेरे में स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वन माफियाओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई न होने के कारण यह अवैध गतिविधि लगातार बढ़ रही है।

अधिकारियों की इस निष्क्रियता के चलते जहां एक ओर सरकारी राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी ओर संरक्षित वन क्षेत्र की बहुमूल्य संपदा भी नष्ट हो रही है। यदि यही स्थिति जारी रही तो जल्द ही चेरागी क्षेत्र का बड़ा हिस्सा वनविहीन हो सकता है। इस संबंध में जागरूक नागरिकों ने श्रीभूमि जिले के प्रशासन और वन विभाग के उच्च अधिकारियों से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

यूपी बनेंगे पांच नए स्पोर्ट्स स्टेडियम, जिले भी हो गए फाइनल

लखनऊ। प्रदेश को जल्द ही पांच नए स्पोर्ट्स स्टेडियम मिलने वाले हैं। गाजीपुर, चंदौली, हापुड़, संभल और शामली में इनका निर्माण जारी है। वर्तमान में 71 जिलों में 84 स्टेडियम संचालित हैं। गाजीपुर का स्टेडियम लगभग पूरा हो चुका है, जबकि हापुड़ में 70 प्रतिशत, संभल में 26 प्रतिशत काम हुआ है और शामली में निर्माण शुरू हो चुका है। चंदौली में टेंडर प्रक्रिया जारी है। गाजीपुर को छोड़कर बाकी स्टेडियमों को 2025-26 में स्वीकृति मिली है। खेल विभाग स्टेडियम के साथ मल्टीपर्पज हाल, स्विमिंग पूल, बैडमिंटन, टेनिस, वालीबाल कोर्ट, जिम, हाकी-फुटबाल मैदान और एथलेटिक्स ट्रैक जैसी सुविधाएं भी विकसित कर रहा है। खेल निदेशक डा. आरपी सिंह के अनुसार, इन स्टेडियमों से खिलाड़ियों को अपने जिले में ही आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर अवसर मिलेंगे।

'सिद्धार्थनगर में 5 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए लेखपाल गिरफ्तार

● जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर पांच हजार रुपए रिश्वत मांगने वाले लेखपाल रंगे हाथ गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के इटवा तहसील में गुरुवार को एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जन्म प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर 5 हजार रुपए रिश्वत मांगने वाले लेखपाल को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। बस्ती से आई एंटी करप्शन टीम ने यह कार्रवाई पूरी गोपनीयता के साथ की। टीम को इटवा तहसील क्षेत्र के फरेंदा गांव निवासी वसीउल्लाह ने शिकायत दी थी कि लेखपाल अरविंद जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है।

शिकायत की पुष्टि के बाद टीम ने जाल बिछाया। गुरुवार को शिकायतकर्ता को लेखपाल के पास भेजा गया। बताया जा रहा है कि लेखपाल का कमरा अंदर से बंद था। जैसे ही शिकायतकर्ता फाइल के अंतिम कार्य का बहाना बनाकर अंदर पहुंचा, पहले से सतर्क टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टीम आरोपी लेखपाल को कमरे से बाहर निकालकर सीधे जोगिया उदयपुर कोतवाली ले गई। इस कार्रवाई के बाद तहसील परिसर में हड़कंप मच गया।

देर शाम तक प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। हालांकि, कोतवाली में कार्रवाई के दौरान तहसील के कई कर्मचारी पहुंच गए और आरोपी को निर्दोष बताते हुए हंगामा किया।

एंटी करप्शन टीम ने कर्मचारियों को बताया कि उनके पास रिश्वत लेने के पूरे साक्ष्य हैं, जिनमें लेखपाल 5 हजार रुपए लेते हुए साफ दिखाई दे रहा है। टीम ने स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी पूरी तरह पुख्ता सबूतों के आधार पर की गई है। थानाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी लेखपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डिजिटल अरेस्ट में गंवा चुके थे तीन करोड़ रुपये, 60 लाख और गंवाने से पहले ही पहुंच गई दिल्ली पुलिस

» दिल्ली पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट ठगी के दो मामले रोके।

» द्वारका में बैंककर्मी की सतर्कता से बड़ा नुकसान टला।

» हस्तसाल में बुजुर्ग दंपति को लाखों गंवाने से बचाया गया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट के जरिए बुजुर्गों को शिकार बनाने वाले गिरोह का आतंक कायम है, लेकिन हाल ही में द्वारका और हस्तसाल इलाके में दिल्ली पुलिस की सतर्कता और एक जागरूक बैंक कर्मचारी की सूझबूझ से दो बड़े मामलों में बदमाशों की कोशिश को काफी हद तक नाकाम कर दिया गया, जहां सेवानिवृत्त अधिकारियों को उनके ही घर में बंधक बनाकर ठगी की कोशिश की गई।

महिला ने की 40 लाख की एफडी तुड़वाने की जिद

पहला मामला द्वारका सेक्टर-12 स्थित आईडीबीआई बैंक से जुड़ा है। बैंक के कर्मचारी मनीष ने देखा कि 78 वर्षीय शकुंतला खत्री के खाते से अचानक 15 अलग-अलग खाते में 80 लाख रुपये ट्रांसफर हुए हैं। जब महिला ने 40 लाख की एफडी तुड़वाने की जिद की, तो मनीष को संदेह हुआ और उन्होंने 11 अप्रैल को साइबर पुलिस को सूचना दी।

पड़ोसियों की मदद से घर में दाखिल हुई पुलिस

पुलिस जब शकुंतला के घर पहुंची, तो उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। वे एक अप्रैल से ''डिजिटल अरेस्ट'' थीं और उन्हें सख्त निर्देश थे कि किसी से बात न करें। पड़ोसियों की मदद से जब पुलिस घर में दाखिल हुई, तब जाकर यह खौफनाक खेल खत्म हुआ। ठगों ने उन्हें फ्लैट पर लोन लेने का टास्क भी दे रखा था।

क्या है दूसरा मामला?

दूसरा मामला पहले मामले की जांच के दौरान सामने आया, जब पुलिस की स्पेशल यूनिट जब शकुंतला खत्री के बैंक खातों की जांच कर रही थी, तब 15 अप्रैल को एक संदिग्ध लेनदेन मिला। जांच टीम तुरंत हस्तसाल पहुंची, जहां रिटायर्ड दंपति विजया और आइआर श्रीनिवासन भी डिजिटल अरेस्ट थे। पुलिस के पहुंचने तक वे 2.20 करोड़ रुपये गंवा चुके थे और अगले 20 लाख रुपये जमा करने की तैयारी में थे।

संक्षिप्त खबरें

09 मई 2026 को जनपद न्यायाधीश शमसुल हक के निर्देशन में जनपदन्यायालय परिसर कलेक्टेऊट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेंगा

बस्ती। बस्ती जिला जज समसुल हक द्वाराराष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आगामी 09 मई 2026 को जनपद न्यायाधीश शमसुल हक के निर्देशन में जनपद न्यायालय परिसर, कलेक्टेऊट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए सचिव (पूर्ण कालिक) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेन्द्र कुमार-प्रथम ने बताया है कि राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किया जायेंगा। उन्होने बताया कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, परकाम्य लिखत अधिनियम की धारा-138 से संबंधित मामलें, बैंक वसूली से संबंधित मामलें, मोटर दुर्घटनाओं से संबंधित प्रतिकर याचिकाएं, श्रम वादों, पारिवारिक वादों, भूमि अधिग्रहण से संबंधित वादों, विद्युत एवं जलकर विवाद (चोरी से संबंधित विवादों सहित), सर्विस में वेतन संबंधी विवाद एवं सेवानिवृत्तिक लाभों से संबंधित विवाद, राजस्व संबंधी वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्यायादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद, आर्बिटेशन (हायर पर्चेज एग्रीमेन्ट से उत्पन्न विवाद) एवं उक्त के अतिरिक्त ऐसे अन्य प्रकार के जिन वादों का निस्तारण सुलह-समझौते के आधार पर हो सकता है, को अधिक से अधिक संख्या में नीयत कर निस्तारित किया जायेंगा।

पोल से टकरायी कार, चुटहिल रेफर

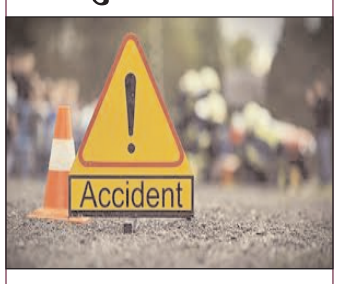

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाइवे लखनऊ वाराणसी के लालगंज रानीगंज कैथौला के बीच पूरे हरिकिशुन के पास गुरूवार की सुबह एक कार अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकरा गयी। दुर्घटना में पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गये। रायबरेली जिले के लहुरेपुर सलोन निवासी रमेश बहादुर सिंह 45 पत्नी नीलम 40 के साथ कार से घर जा रहे थे। सुबह करीब साढ़े छः बजे कार विद्युत पोल से टकरा गयी। घायलों की चीखपुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। सूचना पर एम्बुलेंस द्वारा इन्हें लालगंज ट्रामा सेंटर ले आया गया। प्रारंभिक उपचार के बाद घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

अंजलिका अकादमी हाई स्कूल में टीडी टीकाकरण कैंप का निरीक्षण, 30 बच्चों का हुआ वैक्सीनेशन

बलरामपुर। जनपद में संचालित टीडी (टिटनेस-डिप्थीरिया) टीकाकरण अभियान के तहत आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने अंजलिका अकादमी हाई स्कूल में आयोजित टीकाकरण कैंप का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा टीकाकरण की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक, स्वास्थ्य विभाग की टीम एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कैंप में कुल 30 बच्चों को टीडी वैक्सीन लगाई गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बच्चों और अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि यह टीका टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देशित किया कि अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए अधिक से अधिक बच्चों को लाभान्वित किया जाए।

डेन्टल हाइजिनिस्ट का निजी क्लीनिक पर प्राइवेट प्रैक्टिस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

●बिना सूचना दिए डियूटी से गायब हरीश कुमार गुप्ता को अभी कल ही जारी हुआ है नोटिसप्राइवेट प्रैक्टिस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही हरीश कुमार गुप्ता के खिलाफ जांच शुरू

सीएमओ व नोडल अधिकारी ने कहा कि हरीश कुमार गुप्ता के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर पर कार्यरत डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार का अपने निजी क्लीनिक हरदिया चौराहे पर स्थित उन्नति डेन्टल क्लीनिक पर प्राइवेट प्रैक्टिस करते समय का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 राजीव निगम व नोडल अधिकारी डा0 अशोक कुमार चौधरी ने संज्ञान लेते हुए तत्काल जांच कर बिना सूचना के डियूटी से गायब डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता के खिलाफ जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अभी हाल में ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुरपुर प्रभारी डा0 पवन वर्मा ने सोशल मीडिया पर वायरल खबरों का संज्ञान लेते हुए बिना किसी सूचना के डियूटी से गायब डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता को नोटिस जारी किया था और 02 कार्य दिवस के अन्दर डियूटी से गायब डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता से नोटिस का जबाव मांगा था। आपको बता दें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहादुर पुर पर तैनात डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता ने बिना सीएचसी अधीक्षक डा0 पवन वर्मा को सूचना दिये ही सीएचसी से गायब चल रहे है । मीडिया टीम ने बुधवार को सीएचसी बहादुरपुर का धरातलीय पड़ताल किय था तब भी डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता डियूटी से गायब थे और ओपीडी कमरे में ताला लगा था । पुनः मीडिया टीम ने डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता से मिलने के लिए सोमवार को सीएचसी बहादुरपुर पहुंचे थे तब भी डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता डियूटी से गायब थे उनके ओपीडी के कमरे में ताला लटक रहा था । तब मीडिया टीम ने सीएचसी परिसर में डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता के डियूटी के बारे जानकारी प्राप्त किया कि कब और किस दिन हरीश कुमार गुप्ता डियूटी करने के लिए आते हैं ? तब स्टाफ द्वारा बताया गया कि डेन्टल हाइजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता वर्तमान समय में 04 दिनों के अवकाश पर हैं उन्होंनें स्वयं ही उपस्थिति पंजिका पर पहले ही ह्व4 दिन का सीएल लिख कर चले गए है और कब आयेंगे इसका पता हमें नही है जब उपस्थिति पंजिका पर लगातार 04 दिनों का डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता के नाम के आगे सीएल लिखा देखा तो मीडिया टीम हैरान हो गई कि कोई भी सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारी लगातार 03 दिनों तक ही एक बार में सीएल ले सकता है और आवश्यकता पड़ने पर सीएल आगे बढ़ाया जाता है लेकिन शासनादेश को ताख पर रख कर डेन्टल हाइजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता ने लगातार 04 दिनों का सीएल लिया था और बिना किसी को सूचना दिये डियूटी से गायब हो गये थे । सूत्रों से मीडिया टीम को जानकारी मिली कि डियूटी से गायब डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता हरदिया चौराहे पर निजी क्लीनिक खोल कर प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं । मीडिया टीम ने तत्काल अपने टीम को लेकर हरीश कुमार गुप्ता के क्लीनिक पर मरीज बनकर पहुंच गये और डेन्टल हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता से दांत साफ करने के लिए कहा तभी हरीश कुमार गुप्ता मीडिया टीम के सदस्य का इलाज करने लगे और उसी समय मीडिया टीम ने दांत का इलाज कराते समय हरीश कुमार गुप्ता का फोटो व वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है । अब देखना यह है कि बिना किसी सूचना के डियूटी से गायब व अपने निजी क्लीनिक पर प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले हाईजिनिस्ट हरीश कुमार गुप्ता के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है ?

कर्म की सुचिता से उदित होता है भाग्य का मंगल-विमल कृष्ण जी

लालगंज, प्रतापगढ़। पिचूरा मिश्रौल में गुरूवार को श्रीमद भागवत कथा के शुभारंभ पर भगवान की महिमा का गुणगान सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध दिखे। कथाव्यास श्रीधाम अयोध्या के विमल कृष्ण शास्त्री जी महराज ने कहा कि भगवान की कथा को सुनने व ग्रहण करने से जीवन का पुण्य उदित हुआ करता है। उन्होने कहा कि श्रीमदभागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म के आधार पर भाग्य के सृजन का मार्ग संसूचित किया है। उन्होने कहा कि नियति को विधाता ही तय किया करता है। शास्त्री जी ने बताया कि सुकर्म और नैतिक गुणों से मनुष्य को भगवान की अनुकंपा प्राप्त हुआ करती है। उन्होने कहा कि कलिकाल में श्रीराधेकृष्ण नाम का जप और कथा का अमृतपान जीवन की दशा और दिशा को सुमंगल बना दिया करता है। संस्कृत विद्वान आचार्य मनीष कृष्ण शास्त्री जी ने श्रद्धालुओं की ओर से व्यासपीठ का सम्मान किया। संयोजक आदित्य नारायण मिश्र एवं सत्य प्रकाश मिश्र ने भगवान द्वारिकाधीश का विधिविधान से पूजन अर्चन किया। इस मौके पर पं0 केदारनाथ मिश्र, हृदय नारायण मिश्र, फूलचंद्र पाण्डेय, रामप्रताप मिश्र, रामअभिलाष मिश्र, ज्ञानप्रकाश मिश्र आदि रहे।

25 हजार का इनामी हाइवे पर डीजल चोरी का सरगना हुआ गिरफ्तार

●हाईवे पर डीजल चोरी करने वाले गैंग का सरगना गिरफ्तार, 25 हजार का इनामिया अभियुक्त दबोचा गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केथाना छावनी पुलिस, स्वाट टीम और सर्विलांस टीम बस्ती की संयुक्त कार्रवाई में हाईवे पर डीजल चोरी करने वाले गैंग के सरगना को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़ा गया अभियुक्त गैंगस्टर एक्ट के मामले में 25,000 रुपये का इनामिया वांछित था। पुलिस के अनुसार थाना छावनी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 287/2025 धारा 3(1) यूपी गैंगस्टर एक्ट से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त प्रिंस वर्मा को 22 अप्रैल 2026 की रात करीब 10:25 बजे रामरेखा मंदिर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी मुखबिर की सूचना पर की गई, जब पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान प्रिंस वर्मा पुत्र जिलाजीत वर्मा, उम्र लगभग 24 वर्ष, निवासी गनेशपुर बिसौरा थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक डिजायर कार (संख्या UP32RE3430), एक आईफोन 13 मोबाइल और 510 रुपये नकद बरामद किए हैं। वाहन के कागजात प्रस्तुत न कर पाने पर पुलिस ने उसे मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 207 के तहत सीज कर दिया।

पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह डीजल चोरी के मामले में नामजद है और गिरफ्तारी के डर से भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष छावनी चंदन कुमार, स्वाट/सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक शेषनाथ यादव, उपनिरीक्षक सभाजीत मिश्रा सहित छावनी थाना, स्वाट और सर्विलांस टीम के कई पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। कब तक तलाश हो जाएगी यह पता नहीं है लेकिन थाना अध्यक्ष चंदन का कार्य अपराधियों पर शिकंजा कृष्णा उनकी पहली प्राथमिकता है।

घंटाघर सदर चौकी के बाहर 31 मटकों से बुझ रही हजारों की प्यास

हरि महादेव की कृपा से 31 साल से अनवरत सेवा

ललितपुर। स्थानीय घंटाघर स्थित सदर चौकी के बाहर पिछले कई वर्षों से निशुल्क जल सेवा अनवरत जारी है। हरि महादेव की कृपा और भक्तों के सहयोग से यहां रखे 31 मटकों से प्रतिदिन हजारों राहगीर अपनी प्यास बुझाते हैं। सेवा समिति के हरीमोहन चौरसिया ने बताया कि साल 1995 में महाशिवरात्रि पर हरि महादेव के नाम से यह प्याऊ शुरू की थी। तब से अनवरत रूप संचालित है। सुबह 5 बजे 31 मटकों में ताजा-ठंडा अनेक लोग सेवाएं दे रहे है। गर्मी में दिन में चार बार पानी बदलते हैं। चौकी के पास होने से यहां बस यात्री, ऑटो चालक, कोर्ट-कचहरी आने वाले लोग बड़ी संख्या में पानी पीते हैं। रोजाना औसतन 2500 से 3000 लोग यहां पानी पीते हैं। सोमवार और त्यौहारों पर यह संख्या 4 हजार पार कर जाती है। 31 साल हो गए, गर्मी में इन मटकों का पानी अमृत लगता है। महादेव की कृपा से कभी पानी की कमी नहीं हुई।

वाल्टरगंज-सोनहा थाना क्षेत्र में जेसीबी से मिट्टी खनन, तेज रफ्तार डंपरों से लोग परेशान कभी भी घट सकती है बड़ी घटना

●पुलिस को 500 और परिवहन विभाग को 1000देकर 'परमिशन' का दावा, बेखौफ दौड़ रहे मिट्टी लदे भारी वाहन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले की जिम्मेदार अधिकारी नहीं मान रहे मुख्यमंत्री का आदेश सरकार के सख्ती के दावों के बीच बस्ती जिले के थाना वाल्टरगंज और सोनहा क्षेत्र में जेसीबी मशीनों से मिट्टी खनन किए जाने की जानकारी सामने आई है। क्षेत्र में लगातार जेसीबी से खुदाई कर मिट्टी डंपरों में भरी जा रही है और वाहन तेज रफ्तार से सड़कों पर दौड़ रहे हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार दिन-रात भारी वाहनों की आवाजाही से सड़कें धूल से पट गई हैं और छोटे वाहन चालकों व पैदल राहगीरों के लिए चलना मुश्किल हो गया है। कई स्थानों पर मिट्टी गिरने से सड़क पर फिसलन की स्थिति भी बन रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ गई है।सूत्रों के मुताबिक डंपर चालकों और जेसीबी ऑपरेटरों का कहना है कि ?500 में 'परमिशन' मिलने की बात कही जा रही है, जिसके बाद मिट्टी की ढुलाई की जा रही है। इस दावे के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह खनन कार्य चलता रहा तो सड़क सुरक्षा और जनजीवन पर असर पड़ सकता है। अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

स्कूल चलो अभियान एक कदम शिक्षा की ओर के तहत निकाली गई रैली

●बिना मान्यता के अवैध विद्यालयों पर कार्रवाई हो जाए तो सरकारी विद्यालय पर बच्चों की संख्या बढ़ सकती है लेकिन सवाल यह है की जिला विद्यालय निरीक्षक और बेसिक शिक्षा अधिकारी को मिल रहे मोटी रकम

प्राथमिक विद्यालय बस्थनवां में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए निकाली गई जागरुकता रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के परसरामपुर प्राथमिक विद्यालय बस्थनवां में स्कूल चलो अभियान के तहत बच्चों के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान बच्चों ने गांव में घूमकर शिक्षा का संदेश दिया कि हर बच्चा स्कूल जाए और अपना भविष्य उज्वल बनाए क्योंकि शिक्षा के बिना किसी भी छात्र छात्रा का जीवन स्तर ऊंचा नही हो सकता है । न्याय पंचायत स्तरीय जागरूकता अभियान के तहत स्कूल चलो अभियान रैली राजस्व ग्राम दुलारपुर और बस्थनवां में प्रधान प्रतिनिधि श्याम सुंदर यादव के सहयोग से निकाली गई रैली में प्राथमिक विद्यालय बस्थनवां के सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे ।

रैली के माध्यम से अभिभावकों से अपील किया गया कि अपने बच्चों का नामांकन किसी भी परिषदीय विद्यालय में अवश्य कराएं और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजें। *शिक्षा ही सबसे बड़ा धन है* । आज के छात्र छात्रा ही कल के देश के भविष्य है जब तक छात्र-छात्राओं को समय रहते अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती है तब तक छात्र छात्राओं का भविष्य नहीं बन सकता है । शिक्षा के बिना मानव पशु के सामान है । प्रत्येक दिन शिक्षा का स्तर बढ़ता ही जा रहा है बढ़ते शिक्षा के स्तर पर छात्र - छात्राओं को अपना स्तर बढ़ाना बहुत ही जरूरी है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है जो कि बहुत ही चिंता का विषय है । प्रदेश सरकार के अथक प्रयास के बाद भी परिषदीय विद्यालयों में छात्र - छात्रों की संख्या में कमी होती जा रही है । गरीबों का मुख्य कारण शिक्षा का अभाव है । श्याम सुंदर यादव प्रधान प्रतिनिधि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का विकास जब होगा जब ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर बढ़ेगा और हम सभी को मिलकर अपने - अपने बच्चों को किसी न किसी स्कूल में अवश्य भेजें ताकि शिक्षा का स्तर ज्यादा से ज्यादा बढ़े और देश का विकास हो।

ब्राम्हणों का अकारण उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं: मेधा ने भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि अयोध्या जनपद के बीकापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के बेनीपुर खिदिरपुर गांव में शेषमणि तिवारी, करुणा शंकर तिवारी, विजय शंकर तिवारी, मुन्ना तिवारी, रोहित तिवारी उर्फ अनूप तिवारी, परमानंद तिवारी उर्फ प्रशांत तिवारी, दयानंद तिवारी, हरिशंकर, विनीत तिवारी को हिंसा, आगजनी के कथित मामले में एससीएसटी की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किये जाने के बाद ब्राम्हणों का अकारण उत्पीड़न बंद किया जाय।

ज्ञापन देने के बाद मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीन दयाल तिवारी ने मांग किया कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर निर्दोषों का उत्पीड़न बंद किया जाय और किसी घटना को जाति, धर्म के नाम पर निर्धारण न किया जाय।

उन्होने बताया कि अयोध्या जनपद के कोतवाली क्षेत्र के बेनीपुर खिदिरपुर में 14 अप्रैल की आधीरात अंबेडकर जयंती के दिन हुई आगजनी में दलित बस्ती के तीन परिवारों के आवासीय छप्पर और घर का सामान जल गया था, जिसके बाद दो वर्गों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई थी। पुलिस ने गांव के 11 लोगों के विरुद्ध आगजनी और दलित एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। अग्नि पीड़ित मनीराम ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया है कि आंबेडकर जयंती समारोह के बाद रात करीब एक बजे उनके छप्पर में आग लग गई। प्रशासन ने बिना तथ्यों की जांच किये खिदिरपुर गांव में शेषमणि तिवारी सहित 10 लोगों के विरूद्ध एससीएसटी सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया। श्री तिवारी ने मांग किया कि समूचे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराकर निर्दोषों को न्याय दिलाया जाय। केवल ब्राम्हण के नाम पर उत्पीडन बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। शीघ्र न्याय न मिला तो मेधा आन्दोलन को बाध्य होगी। ज्ञापन देने वालों में उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', रामरीका पाण्डेय, प्रतीक मिश्र, गिरीश चन्द्र गिरी, विपुल सिंह, दीपक सिंह आदि शामिल रहे।

तेरये में हर घर जल योजना स्वास्थ्य प्रभाव का मूल्यांकन

● केजीएमयू की टीम ने 617 घरों में जलापूर्ति की गुणवत्ता जांची

ग्रामीणों ने शुद्ध पानी मिलने पर जताई खुशी, बीमारियां घटीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लंभुआ, सुल्तानपुर- जल जीवन मिशन के तहत लंभुआ तहसील क्षेत्र के तेरये में चल रही हर घर जल योजना स्वास्थ्य और सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन करने केजीएमयू लखनऊ की टीम गांव पहुंची। एसोसिएट प्रोफेसर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग डॉ. सौरभ केजीएमयू के नेतृत्व में सात सदस्यीय टीम ने तेरये, गोपालपुर पट्टी,सुल्तानपुर तेरएं आदि कई राजस्व गांवों का दौरा किया। यहां कुल 617 एफएचटीसी कनेक्शन से प्रत्येक घर में हो रही जलापूर्ति का मूल्यांकन किया। टीम ने प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र तेरये का भी निरीक्षण किया। पानी की गुणवत्ता, जल जनित बीमारियों के प्रति जागरूकता, पानी समिति की सक्रियता और पहले-आज के पानी से स्वास्थ्य पर पड़े प्रभाव पर ग्रामीणों से चर्चा की। ग्रामीणों ने बताया कि शुद्ध पानी मिलने से बीमारियां कम हुई हैं और वे खुश हैं। मौके पर अधिशासी अभियंता वकार हुसैन, जिला समन्वयक शिव मूर्ति सिंह, सीबीएंडटी एक्सपर्ट सूरज सिंह, जीआईएस एक्सपर्ट राम कृष्ण, मिलेनियम संस्था से परियोजना प्रबंधक अंकित उपाध्याय, साइड इंजीनियर सुधांशु गर्ग, इलेक्ट्रिक इंजीनियर सुरेश यादव, ग्राम प्रधान सियाराम, पंप ऑपरेटर अशोक यादव, आईएसए समन्वयक डीके त्रिपाठी और जल सखी शशि सिंह मौजूद थे।

जनपद में शराब दुकानों की ई-लॉटरी सफल, 7 नई दुकानों का हुआ पारदर्शी आवंटन

प्रतापगढ़। वर्ष 2026-27 व्यवस्थापन हेतु नवीनीकरण एवं ई-लॉटरी के पश्चात् जनपद की नवसृजित दुकानें देशी मदिरा 06, कम्पोजिट शॉप 01 का व्यवस्थापन आबकारी नीति 2026-27 के प्राविधानों के अन्तर्गत तृतीय चरण की ई-लाटरी प्रक्रिया के माध्यग से कलेक्ट्रेट परिसर एन.आई.सी. सभागार में लाइसेंस प्राधिकारी/जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय चयन समिति पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा नामित सदस्य सहायक आबकारी आयुक्त प्रवर्तन अयोध्या एवं जिला आबकारी अधिकारी अखिलेश्वर नाथ सिंह के समक्ष समय सफलतापूर्वक सम्पन्न करायी गयी। सभी दुकानों के आवंटियों को ई-लाटरी पोर्टल द्वारा निर्गत आवंटनादेश जिला आबकारी अधिकारी, प्रतापगढ़ कार्यालय से प्राप्त करें।

महिला आरक्षण: हक या टलता हुआ फैसला?

देवरिया। देश में महिला सशक्तिकरण को लेकर बहस तेज हो गई है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को सरकार ऐतिहासिक बता रही है, जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण का प्रावधान है। लेकिन इसे जनगणना और परिसीमन से जोड़ने के कारण इसके लागू होने पर अनिश्चितता बनी हुई है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब अधिकार तय हो चुका है, तो उसे लागू करने में देरी क्यों? इससे यह आशंका बढ़ती है कि कहीं यह पहल केवल राजनीतिक घोषणा बनकर न रह जाए। इतिहास गवाह है कि महिलाओं ने बिना आरक्षण के भी नेतृत्व में अपनी मजबूत भूमिका निभाई है। इंदिरा गांधी, प्रतिभा पाटिल, सुचेता कृपलानी और मीरा कुमार जैसे उदाहरण बताते हैं कि अवसर मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ती हैं। पूर्वांचल, खासकर देवरिया की महिलाओं के लिए यह कानून बेहद महत्वपूर्ण है, जहां वे आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रही हैं। समय पर लागू होने पर यह उनकी आवाज को ताकत देगा, लेकिन देरी उनकी उम्मीदों को कमजोर कर सकती है। निष्कर्षतः, महिला आरक्षण विधेयक एक सकारात्मक कदम है, पर इसकी असली सफलता इसके समयबद्ध क्रियान्वयन में ही छिपी है।

बढ़ती गर्मी से बचाव को लेकर डॉक्टर आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने दिए टिप्स, कहा- खूब पानी पिएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीदत्तगंज (बलरामपुर)- जनपद में बेतहाशा बढ़ रही गर्मी और लू से बचाव को लेकर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक श्रीदत्तगंज डॉ. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि गर्मी में शरीर में पानी की कमी सबसे बड़ा खतरा है, इसलिए जितना हो सके अधिक से अधिक पानी पिएं।

बचाव के उपाय- डॉ. आनन्द ने बताया कि पसीना सोखने वाले हल्के रंग के सूती वस्त्र पहनें। धूप में निकलते समय चश्मा, छाता, टोपी और चप्पल का प्रयोग जरूर करें। खुले में काम करने वाले लोग सिर, चेहरा और हाथ-पैर को गीले कपड़े से ढककर रखें और छाते का इस्तेमाल करें। यात्रा के दौरान पीने का पानी साथ रखें। ओआरएस, लस्सी, चावल का मांड, नींबू पानी, छाछ जैसे घरेलू पेय पदार्थों का सेवन करें ताकि शरीर में पानी की कमी न हो। घर को ठंडा रखने के लिए परदे और दरवाजों का उपयोग करें। कार्यस्थल पर ठंडे पानी की व्यवस्था रखें।

हीट स्ट्रोक के लक्षण पहचानें- डॉक्टर आनंद ने बताया कि कमजोरी, चक्कर आना, सिरदर्द, उबकाई, पसीना आना, मूर्छा, गर्म-लाल व शुष्क त्वचा होना, पसीना न आना, नब्ज तेज चलना, असामान्य व्यवहार या भ्रम की स्थिति, मितली और मूत्र कम आना हीट स्ट्रोक, हीट रैश या हीट कैंप के लक्षण हैं। ऐसी स्थिति दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें।

क्या न करें- डॉ. त्रिपाठी ने चेताया कि जानवरों और बच्चों को कभी भी बंद गाड़ी में अकेला न छोड़ें। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचें।

लू लगने पर क्या करें- डॉक्टर आनंद प्रकाश त्रिपाठी कहा कि लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपड़े से शरीर पोछें या नहलाएं और तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।

कृषि विज्ञानकेंद्र,बंजरिया बस्ती द्वारा किसानों के बीच उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देनेहेतु विशेष जागरूकता अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। कृषि विज्ञानकेंद्र,बंजरिया बस्ती द्वारा किसानों के बीच उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने हेतु एक विशेष जागरूकता अभियान आज दिनांक 23 अप्रैल 2026 को ग्राम चितरगढ़िया में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस. के. तोमर ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों का असंतुलित एवं अंधाधुंध प्रयोग मृदा स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, जिससे न केवल फसल उत्पादन में कमी आती है बल्कि गुणवत्ता भी घटती है, इसलिए मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबंधन अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने किसानों को समझाया कि प्रत्येक 2-3 वर्ष में मृदा परीक्षण कराकर उसी के अनुरूप उर्वरकों की संतुलित मात्रा का प्रयोग करना चाहिए। वैज्ञानिकों ने उर्वरक प्रबंधन की उन्नत विधियाँ बताते हुए कहा कि पीएसबी (फॉस्फेट सोल्यूबिलाइजिंग बैक्टीरिया) के मिट्टी में प्रयोग या बीज उपचार करने से मृदा में अवशोषित फॉस्फोरस घुलनशील बनता है, जिससे फसल को अधिक लाभ मिलता है, जबकि एजोटोबैक्टर के प्रयोग से नाइट्रोजन स्थिरीकरण बढ़ता है और रासायनिक नाइट्रोजन उर्वरकों की आवश्यकता कम होती है। साथ ही, हरी खाद के रूप में ढैंचा की 50 किग्रा/हेक्टेयर बीज दर से बुवाई कर 45 दिन बाद फूल आने की अवस्था में खेत में पलटने से मृदा में जैविक कार्बन, नाइट्रोजन एवं सूक्ष्मजीवों की सक्रियता बढ़ती है, जिससे भूमि की उर्वराशक्ति में उल्लेखनीय सुधार होता है। वैज्ञानिकों ने गोबर की सड़ी हुई खाद/कम्पोस्ट का 5-10 टन/हेक्टेयर की दर से प्रयोग करने की भी सलाह दी, जिससे मृदा की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणों में सुधार होता है तथा जल धारण क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर डॉ. वी. बी. सिंह, आर. वी. सिंह, हरिओम मिश्रा एवं रविशंकर पांडेय ने भी किसानों को समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (INM), कम लागत वाली टिकाऊ कृषि तकनीकों तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी और किसानों की समस्याओं का समाधान किया। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने ऐसे जागरूकता अभियानों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की, ताकि उन्हें नवीनतम कृषि तकनीकों की जानकारी समय-समय पर मिलती रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिजली का केबल ले जाने से मना किया,तो महिला की पिटाई

लालगंज (रायबरेली)। दरवाजे से बिजली का केबल ले जाने का विरोध करना एक महिला को भारी पड़ गया। आरोप है कि मना करने पर तीन महिलाओं ने उसकी पिटाई कर दी। कोतवाली क्षेत्र के टाटियापुर मजरे बसंतपुर कठोइया गांव निवासी पीड़िता सुंदरा ने पुलिस को तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि गांव की ही रामावती, अंजना और संजना उसके दरवाजे से जबरन बिजली का केबल ले जा रही थीं। विरोध करने पर तीनों आरोपी गाली गलौज करने लगीं। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद तीनों ने लात घूंसों और डंडों से उसकी पिटाई कर दी। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

कौशल विकास मिशन के तहत हेल्थकेयर कोर्स का शुभारंभ

मिश्रिख/सीतापुर मिश्रिख़ क्षेत्र के भगवत मेमोरियल डिग्री कॉलेज, धर्मापुर में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत आर्टिकल टेक्नोलॉजी इंटरप्राइजेज द्वारा हेल्थकेयर हॉस्पिटल फ्रंट डेस्क कोऑर्डिनेटर कोर्स का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक श्री रामकृष्ण भार्गव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कौशल विकास मिशन के माध्यम से युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण मिल रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर अपने भविष्य को सशक्त बना सकते हैं। इस दौरान एमआईएस डीपीएमयू संदीप कुमार, आर्टिकल टेक्नोलॉजी के तहत ललित कुमार त्रिपाठी एवं आयुष भार्गव, सेंटर मैनेजर जयकरन राजवंशी, शिक्षक पवन कुमार, सौरभ कुमार श्रीवास्तव और रवि कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राएं एवं उनके अभिभावक भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की।

अक्षमाला बनेगी शिक्षा विभाग की सुन्दर पहचानः उप शिक्षा निदेशक

खैराबाद अक्षमाला शिक्षा विभाग की सुन्दर पहचान बनेगी क्योंकि इस पत्रिका का कथ्य और कलेवर बहुत आकर्षक है। यह बात जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), खैराबाद-सीतापुर में संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'अक्षमाला' का भव्य लोकार्पण करते हुए उप-शिक्षा निदेशक/ प्रभारी प्राचार्य राजेन्द्र सिंह ने सभा को सम्बोधित करते हुए कही। पत्रिका के आधार स्तम्भ व पूर्व उप शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि अक्षमाला पत्रिका में विविधता में एकता समाहित है। इसमें जन मानस को दिशा दिखाने के आलेख व कविताओं का अनूठा संगम है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि अक्षमाला बेसिक शिक्षा विभाग में भी मील का पत्थर साबित होगी। राजकीय इंटर कॉलेज सीतापुर के प्रधानाचार्य अशोक कुमार ने कहा कि यह पत्रिका केवल बेसिक शिक्षा विभाग के लिए ही उपयोगी नहीं वरन् माध्यमिक शिक्षा विभाग के लिए भी उपयोगी है। इसमें जीवन जीने की कला का मन्त्र दिया है। कार्यक्रम का संचालन अमित कुमार ने किया। इस दौरान महर्षि वेदव्यास संस्कृत महाविद्यालय नैमिषारण्य के प्राचार्य प्रभाकर द्विवेदी, डॉ देवेन्द्र कश्यप निडर, डॉ चन्द्रशेखर प्रजापति, ब्रजपाल, रमाशंकर, डॉ मीनाक्षी शर्मा, डॉ स्नेह लता वर्मा, सहित शिक्षाविदों, प्रशिक्षुओं आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

लखनऊ में विकास नगर के बाद अब केशव नगर में भीषण आग, एलजी के गोदाम में रखा सामान खाक

लखनऊ। राजधानी के विकास नगर क्षेत्र में लगी भीषण आग के लगभग एक हफ्ते बाद ही मडियांव थाना क्षेत्र के केशव नगर में बड़े अग्निकांड में एक कंपनी को बड़ा नुकसान हुआ है। केशव नगर में पुलिस चौकी के पास एलजी के गोदाम में भीषण आग से सारा सामान खाक हो गया। फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां आग पर काबू पाने में भले ही लगीं, लेकिन सारा सामान जल गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। केशव नगर में पुलिस चौकी के पास एलजी के गोदाम में भीषण आग लगने से पूरे लखनऊ में सप्लाई होने वाली फ्रीज, एसी और वाशिंग मशीन इत्यादि खाक हो गई। केशवनगर में एलजी के गोदाम में गुरुवार शाम आग लगने के बाद लपट व धुआं निकलता देख इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दमकल को सूचना दी। दमकल कर्मी पांच गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने में जुटे, लेकिन गोदाम में रखा सारा सामान जल गया।

थाने के सामने से रातों-रात उखाड़ा गया महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार

● प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल, मलिहाबाद में दिनभर उबाल पर रहा माहौल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊः मलिहाबाद क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने न केवल स्थानीय लोगों बल्कि पूरे प्रशासनिक तंत्र को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। थाने से महज 10 मीटर की दूरी पर स्थापित महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार को अज्ञात लोगों द्वारा रातों-रात उखाड़कर गायब कर दिया गया। यह घटना उस स्थान पर हुई जहां सुरक्षा के लिहाज से सबसे अधिक सतर्कता अपेक्षित होती है, लेकिन इसके बावजूद पुलिस प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी, जिससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

जानकारी के अनुसार यह स्मृति द्वार क्षेत्र की मौजूदा विधायक जयदेवी कौशल द्वारा लगवाया गया था, जो पासी समाज के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। जैसे ही सुबह लोगों को इस द्वार के गायब होने की जानकारी मिली, क्षेत्र में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। घटना से आहत पासी समाज के लोगों में गुस्सा साफ तौर पर दिखाई दिया और उन्होंने तत्काल विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शन धीरे-धीरे व्यापक रूप लेता गया और पूरे दिन मलिहाबाद का माहौल गरमाया रहा। विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और इस घटना की कड़ी निंदा की। सुहेलदेव आर्मी के चीफ योगेश पासी, लाखन आर्मी के चीफ सूरज पासी, स्कपार्टी के आर.के. आदर्श सहित कई प्रमुख लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके अलावा बीजेपी के पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, आशु किशोर और ब्लॉक प्रमुख मीनू वर्मा ने भी मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत करने का प्रयास किया और प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की।

प्रशासन की ओर से इस मामले में सफाई दी गई कि जिस कंपनी ने स्मृति द्वार का निर्माण कराया था, उसका भुगतान अभी तक पूरा नहीं किया गया था। इसी कारण कंपनी ने रात में आकर द्वार को उखाड़ लिया। हालांकि यह दलील लोगों के गले नहीं उतर रही है। लोगों का कहना है कि यदि भुगतान का मामला था तो इसे कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए था, न कि चोरी-छिपे इस तरह की कार्रवाई की जाती। साथ ही यह भी सवाल उठ रहा है कि इतनी संवेदनशील जगह पर बिना किसी अनुमति के इतनी बड़ी संरचना को कैसे हटाया जा सकता है।

घटना ने सामाजिक एकजुटता की भी एक मिसाल पेश की, जब ब्राह्मण समाज के शुभम पंडित ने खुलकर पासी समाज के समर्थन में आवाज उठाई। इससे यह स्पष्ट हुआ कि यह मामला केवल एक समाज तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि व्यापक स्तर पर लोगों की भावनाएं इससे जुड़ गई हैं। वहीं कुछ अन्य समाज के लोगों द्वारा पहले से इस स्मृति द्वार का विरोध किए जाने की बात भी सामने आई है, जिससे मामले ने और अधिक तूल पकड़ लिया है।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पासी समाज के संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक महाराजा मलिहा पासी स्मृति द्वार को पुनः स्थापित नहीं किया जाता और इस घटना के जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को आश्वासन दिया है कि शाम तक स्मृति द्वार को दोबारा स्थापित कर दिया जाएगा और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। फिलहाल इलाके में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। यह घटना न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि संवेदनशील मुद्दों को समय रहते संभालना कितना आवश्यक है। अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं कि वह इस पूरे मामले को किस तरह सुलझाता है और लोगों का भरोसा दोबारा जीत पाता है या नहीं।

विश्व पृथ्वी दिवस-2026 के अवसर पर सरस्वती ब्लॉक के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक सार्थक कार्यक्रम का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में यह कार्यक्रम वैश्विक थीम 'Our Power, Our Planet' के अनुरूप आयोजित किया गया, जिसमें पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं सतत विकास पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में निदेशक डॉ. आशीष भटनागर, महानिदेशक (तकनीकी), डॉ. भरत राज सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डीन- छात्र कल्याण, डॉ. पी. के. सिंह तथा प्राचार्य, डिप्लोमा डॉ. अमरजीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही।विभागाध्यक्षों एवं वरिष्ठ संकाय सदस्यों में डॉ. आशा कुलश्रेष्ठ, डॉ. कमलेश, सुनित कुमार, उमेश कुमार, डॉ. अशोकसेन गुप्ता, अनूप सिंह, संजीव पाण्डेय सहित अन्य की उपस्थिति रही। साथ ही प्रथम वर्ष के छात्रों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान वक्ता डॉ. आशीष भटनागर ने पर्यावरण संरक्षण की तात्कालिक आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं महानिदेशक (तकनीकी) एवं पर्यावरणविद डॉ. भरत राज सिंह ने जलवायु क्षति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए छात्रों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक रहने तथा अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण अनुकूल उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का समापन परिसर में वृक्षारोपण अभियान के साथ हुआ, जो एक हरित एवं सतत भविष्य के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। यह पहल अत्यंत सराहनीय रही तथा संस्थान की पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डीएम व एसपी ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित परिवारों से की मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेलीः- रायबरेली जनपद के सरेनी थाना क्षेत्र में गंगा नदी में डूबने से तीन व्यक्तियों की दुखद मृत्यु हो गई जिसमें ग्राम रानीखेड़ा के निवासी हरिओम 22 वर्ष, हरिशंकर 16 वर्ष व सत्येन्द 26 वर्ष एवं हिमांशु सीएचसी सरेनी में भर्ती है जिनका उपचार किया जा रहा है। उक्त प्रकरण का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जिला अस्पताल रायबरेली पहुंचकर मृतकों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। जिलाधिकारी ने शोकाकुल परिजनों को हर संभव सहायता का आश्वासन देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मृतकों के परिजनों को शासन द्वारा अनुमन्य राहत राशि/मुआवजा शीघ्र दिलाया जाये। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

पुलिस अधीक्षक ने भी घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बताया कि मामले की आवश्यक कार्यवाही की जा रही है तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु सतर्कता बढ़ाई जाएगी। जनपद प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि नदी-तटों पर जाते समय विशेष सावधानी बरतें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ0 पुष्पेन्द्र कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

सरौरा में 'विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस' पर जागरूकता अभियान स्वस्थ

● मुस्कान के लिए ग्रामीणों को दिया गया महत्वपूर्ण संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के चिनहट क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत सरौरा में विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम Career Post Graduate Institute of Dental Sciences and Hospital के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा ग्राम सचिवालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल जानकारी देना ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना भी था, ताकि वे मौखिक स्वास्थ्य को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना सकें।

स्वस्थ मुँह—स्वस्थ जीवन का आधार

कार्यक्रम की शुरुआत में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि मुँह की स्वच्छता केवल दाँतों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे शरीर के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। **डॉक्टरों ने समझाया कि–** मुँह में संक्रमण से हृदय और पाचन संबंधी समस्याएँ भी हो सकती हैं, नियमित सफाई से कई गंभीर बीमारियों को रोका जा सकता है, सही खान-पान और स्वच्छता से जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है तंबाकू और गुटखाः छिपा हुआ खतरा जागरूकता सत्र में तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों पर विशेष चर्चा की गई।

विशेषज्ञों ने बताया कि– तंबाकू, बीड़ी और गुटखा से दाँतों का क्षरण होता है मसूड़ों की बीमारी और मुँह की दुर्गंध बढ़ती है लंबे समय तक सेवन से मुँह का कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है ग्रामीणों को वास्तविक उदाहरणों और चित्रों के माध्यम से इन दुष्प्रभावों को समझाया गया, जिससे लोगों पर गहरा प्रभाव पड़ा। व्यावहारिक प्रशिक्षण और सहभागिता कार्यक्रम को केवल भाषण तक सीमित न रखते हुए इसे पूरी तरह सहभागितापूर्ण बनाया गया।

मुख्य गतिविधियाँः ब्रशिंग तकनीक का प्रदर्शनः डॉक्टरों ने सही तरीके से ब्रश करने की विधि का लाइव डेमो दिया, जिसमें गोलाकार मूवमेंट और सही समय (कम से कम 2 मिनट) पर जोर दिया गया। दंत जांच परामर्शः ग्रामीणों को नियमित रूप से दंत चिकित्सक से जांच कराने की सलाह दी गई। पोस्टर और स्लोगन अभियानः 'A Happy Mouth is a Happy Life' जैसे संदेशों के जरिए लोगों को सरल भाषा में जागरूक किया गया।

प्रश्नोत्तर सत्रः ग्रामीणों ने अपने दाँतों और मुँह से जुड़ी समस्याओं के बारे में सवाल पूछे, जिनका डॉक्टरों ने विस्तार से जवाब दिया। महिलाओं और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी कार्यक्रम में महिलाओं और बुजुर्गों की विशेष भागीदारी देखने को मिली। महिलाओं को बच्चों के दंत स्वास्थ्य की देखभाल के बारे में बताया गया बुजुर्गों को कृत्रिम दाँत (डेंचर) की सफाई और देखभाल के बारे में जानकारी दी गई

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संकल्प कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने तंबाकू छोड़ने और नियमित रूप से मुँह की सफाई करने का संकल्प लिया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद आवश्यक हैं, क्योंकि यहाँ जागरूकता की कमी के कारण लोग छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर बीमारी का रूप ले लेती हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत पहल

इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम यह दर्शाते हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं को केवल अस्पतालों तक सीमित न रखकर गाँव-गाँव तक पहुँचाना कितना जरूरी है। Career Post Graduate Institute of Dental Sciences and Hospital द्वारा किया गया यह प्रयास न केवल मौखिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण समाज को स्वस्थ और जागरूक बनाने की दिशा में भी एक प्रेरणादायक पहल है। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि सही जानकारी और समय पर जागरूकता से बड़ी से बड़ी बीमारियों को रोका जा सकता है, और एक स्वस्थ समाज की नींव रखी जा सकती है।

निगोहां इंडेन गैस एजेंसी के खिलाफ लामबंद हुए पत्रकार, घटतौली और अभद्रता के आरोपों पर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

.....राजधानी के वरिष्ठ पत्रकार से बदसलूकी और सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रेस क्लब ने की सख्त कार्रवाई की मांग; एसडीएम ने दिया जांच का आश्वासन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज स्थित निगोहां इंडेन गैस एजेंसी पर घटतौली, कालाबाजारी और सरकारी रास्ते पर अवैध कब्जे जैसे गंभीर आरोपों को लेकर विवाद गहरा गया है। मामला तब और गरमा गया जब कवरेज करने पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार मोईन खान के साथ एजेंसी संचालक राजीव सैनी द्वारा कथित तौर पर अभद्रता और जान से मारने की धमकी दी गई। इस घटना के विरोध में निगोहां प्रेस क्लब ने संरक्षक मुकेश द्विवेदी और अध्यक्ष विमल सिंह चौहान की अगुवाई में एसडीएम पवन पटेल को ज्ञापन सौंपकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि एजेंसी पर पहले भी भाजपा नेता से मारपीट के आरोप लग चुके हैं और इसके गोदाम के अवैध निर्माण का मामला तहसीलदार न्यायालय में अंतिम चरण में है। एसडीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार अखिलेश द्विवेदी, ललित दीक्षित, मोईन खान, शिवा मिश्रा सहित दो दर्जन से अधिक पत्रकारों की मौजूदगी रही।

ऐहार के श्रीगणेश विद्यालय के शानदार रिजल्ट पर मेधावियों का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम में श्री गणेश विद्यालय इंटर कॉलेज ऐहार ने बेहतर प्रदर्शन किया।इंटरमीडिएट का परिणाम 95% और हाईस्कूल का 90.33% रहा। परिणाम आते ही विद्यालय में खुशी का माहौल दिखा।मेधावी छात्रों के सम्मान में भव्य कार्यक्रम हुआ। प्रबंधक कार्तिकेय शंकर वाजपेई और प्रधानाचार्य अवनींद्र पांडेय ने छात्रों को माला पहनाकर सम्मानित किया। मेडल और उपहार भी दिए गए। इंटरमीडिएट में मीनाक्षी ने 80% अंक लेकर पहला स्थान पाया। श्रेया 79% के साथ दूसरे और अंकिता कुमारी 75% के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। हाईस्कूल में अंशिका ने 90% अंक लेकर पहला स्थान हासिल किया। मयंक 84.33% के साथ दूसरे और सोनम 83.33% के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

अन्य मेधावी छात्रों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में वरिष्ठ शिक्षक दिलीप द्विवेदी, सत्येश कुमार मिश्रा, राकेश मिश्रा, परीक्षा प्रभारी अनूप पांडेय समेत सभी शिक्षक मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंधन ने सफलता का श्रेय छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को दिया। प्रबंधक कार्तिकेय शंकर वाजपेई ने शिक्षकों की सराहना की। विद्यालय ने आगे भी बेहतर परिणाम देने का संकल्प जताया।

रेउसा में 'हर घर जल' की ओर मजबूत कदम- जल जीवन मिशन से गाँवों में आई विकास की नई धार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

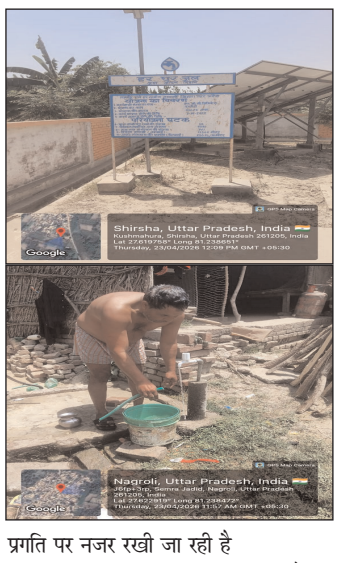

सीतापुर। ग्रामीण भारत में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में जल जीवन मिशन अब एक जन-आंदोलन का रूप लेता दिख रहा है। जनपद सीतापुर के विकास खंड रेउसा के दूरस्थ और पिछड़े गाँवों में इस योजना का प्रभाव न केवल दिख रहा है, बल्कि लोगों के दैनिक जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव भी ला रहा है। जहाँ कभी ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए सुबह-शाम लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था या दूर-दराज के हैंडपंपों और तालाबों पर निर्भर रहना पड़ता था, वहीं अब पाइपलाइन के जरिए सीधे घरों तक शुद्ध पेयजल पहुँचने लगा है। इससे क्षेत्र में स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है।

नगरौली: आधुनिक जलापूर्ति व्यवस्था का मॉडल गाँव

विकास खंड रेउसा की ग्राम पंचायत नगरौली इस योजना के सफल क्रियान्वयन का उदाहरण बनकर उभरी है। यहाँ स्थापित की गई आधुनिक जल संरचना के अंतर्गत–

उच्च क्षमता वाला ओवरहेड टैंक (शिरोपरि जलाशय)

गहरे बोर का नलकूप (ट्यूबवेल)

स्वचालित पंप हाउस प्रणाली

सोलर ऊर्जा आधारित संचालन प्रणाली

मजबूत बाउंड्रीवॉल और सुरक्षा प्रबंध

पूरे गाँव में फैला पाइपलाइन वितरण नेटवर्क का निर्माण किया गया है। इस व्यवस्था से गाँव के लगभग 3,632 लोगों को नियमित, स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल रहा है। जलापूर्ति की समयबद्ध व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वाल्व सिस्टम और वितरण नियंत्रण भी लागू किया गया है, जिससे हर घर तक समान रूप से पानी पहुँच सके।

अन्य ग्राम पंचायतों में भी तेज़ी से विस्तार

नगरौली के अलावा अकसोहा, बेलहा दरियाना और लडिलापुर जैसे गाँवों में भी परियोजना का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। इन क्षेत्रों के करीब 3,425 ग्रामीणों को अब नियमित जलापूर्ति मिल रही है।

अधिकारियों के अनुसारः रेउसा ब्लॉक की 33 ग्राम पंचायतों में आंशिक जलापूर्ति शुरू हो चुकी है कई स्थानों पर पाइपलाइन बिछाने, कनेक्शन देने और परीक्षण कार्य अंतिम चरण में है शेष गाँवों में कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं

तकनीकी गुणवत्ता और निगरानी पर विशेष ध्यान

परियोजना की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए— पाइपलाइन की लीकेज टेस्टिंग नियमित रूप से की जा रही है

जल की गुणवत्ता जांच (Water Testing) लैब के माध्यम से हो रही है

हर गाँव में स्थानीय जल समिति का गठन किया गया है

डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए रियल-टाइम प्रगति पर नजर रखी जा रही है

इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीणों को केवल पानी ही नहीं, बल्कि सुरक्षित और मानक गुणवत्ता वाला पेयजल मिले।

स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से क्षेत्र में जलजनित बीमारियों जैसे– डायरिया, हैजा, टाइफाइड में कमी देखने को मिल रही है। स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में ऐसे मामलों में गिरावट दर्ज की गई है, जो इस योजना की सफलता का संकेत है।

महिलाओं और बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव

इस योजना का सबसे अधिक लाभ महिलाओं और बच्चों को मिला है। पहले– महिलाओं को प्रतिदिन कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता था, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी

अब– घर पर ही पानी मिलने से महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है बच्चे अपनी पढ़ाई और अन्य गतिविधियों पर अधिक ध्यान दे पा रहे हैं परिवारों की दिनचर्या अधिक व्यवस्थित और संतुलित हो गई है ग्रामीणों की प्रतिक्रियाः 'अब जीवन आसान हुआ'

स्थानीय निवासी बताते हैंः 'पहले पानी के लिए बहुत परेशानी होती थी, खासकर गर्मियों में हालात और खराब हो जाते थे। अब घर पर ही साफ पानी मिल रहा है, जिससे हमारी जिंदगी काफी आसान हो गई है।

रोजगार और स्थानीय भागीदारी को भी बढ़ावा

इस योजना के निर्माण और संचालन में स्थानीय लोगों को भी जोड़ा गया है, जिससे– ग्रामीणों को रोजगार के अवसर मिले, परियोजना के प्रति स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना बढ़ी, रखरखाव कार्यों में स्थानीय सहभागिता सुनिश्चित हुई, प्रशासन की रणनीतिः हर घर तक कनेक्शन

जल निगम (ग्रामीण) सीतापुर के अधिकारियों के अनुसारः लक्ष्य है कि हर घर तक पाइपलाइन कनेक्शन जल्द से जल्द पहुँचे

» कार्यों की साप्ताहिक समीक्षा बैठकें की जा रही हैं

» किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश हैं

रेउसा में दिख रही विकास की नई तस्वीर

जल जीवन मिशन के प्रभाव से रेउसा क्षेत्र के गाँव अब तेजी से बदलते नजर आ रहे हैं। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता ने न केवल जीवन स्तर को बेहतर बनाया है, बल्कि ग्रामीणों में विकास के प्रति नई आशा भी जगाई है। यह पहल यह साबित करती है कि यदि योजनाओं का क्रियान्वयन सही दिशा में और पारदर्शिता के साथ किया जाए, तो दूरस्थ गाँवों तक भी विकास की रोशनी आसानी से पहुँच सकती है।

साधारण जन से असाधारण शासन तकः पंचायती राज की नई परिभाषा

जड़ों से उठता बदलावः जब गाँव बनते हैं विकास के निर्माता

सत्ता का नया मानचित्रः पगडंडियों से तय होती विकास की दिशा

जब गाँव की धूल भरी पगडंडी पर बैठा किसान निडर होकर अपनी बात रखता है और उसी स्वर से विकास की दिशा आकार लेने लगती है, तब लोकतंत्र अपनी सबसे जीवंत और वास्तविक पहचान में सामने आता है। 24 अप्रैल उस ऐतिहासिक व्यवस्था का प्रतीक बनकर सामने आता है जिसने सत्ता को बड़े दफ्तरों की सीमाओं से बाहर निकालकर गाँव की खुली चौपालों तक पहुँचा दिया। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस यह संदेश देता है कि भारत की असली शक्ति ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि उन ग्राम सभाओं में बसती है जहाँ लोग अपने भविष्य का निर्णय स्वयं करते हैं। यह दिन उस सोच का सम्मान है जिसने यह सिद्ध किया कि शासन केवल ऊपर से नहीं चलता, बल्कि नीचे की सक्रिय भागीदारी से और अधिक मजबूत होता है।

1992 में पारित 73वें संविधान संशोधन ने, जो 24 अप्रैल 1993 को प्रभावी हुआ, ग्रामीण भारत के इतिहास में ऐसा निर्णायक परिवर्तन लेकर आया, जिसने पंचायतों को संवैधानिक मान्यता देकर उन्हें वास्तविक अधिकारों से सशक्त बनाया। इसके बाद गाँव केवल योजनाओं के उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे स्वयं निर्णय निर्माण की मुख्य इकाइयाँ बन गए। सड़क निर्माण, जल प्रबंधन, विद्यालय सुधार और विकास योजनाओं की दिशा अब ग्राम सभा में तय होने लगी। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक सुधार नहीं था, बल्कि जनभागीदारी को वास्तविक शक्ति देने वाली व्यवस्था थी। इससे ग्रामीण समाज को अपने संसाधनों और आवश्यकताओं को पहचानने तथा स्वयं निर्णय लेने का अवसर मिला, जिससे विकास अधिक व्यावहारिक और स्थानीय परिस्थितियों के

अनुरूप बन गया। पंचायती राज व्यवस्था की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी है, जिसने ग्रामीण समाज की कार्यशैली को गहराई से बदल दिया है। आरक्षण प्रणाली ने महिलाओं को नेतृत्व के अवसर देकर उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया के केंद्र में स्थापित किया है। आज 14 लाख से अधिक महिलाएँ सरपंच और पंचायत सदस्य के रूप में अपने गाँवों का नेतृत्व कर रही हैं। वे शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। यह परिवर्तन केवल पद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सोच में आए व्यापक बदलाव का संकेत है। जहाँ कभी उनकी भूमिका सीमित समझी जाती थी, वहीं अब वही महिलाएँ विकास की दिशा तय कर रही हैं और नए उदाहरण स्थापित कर रही हैं।

डिजिटल क्रांति ने पंचायती राज व्यवस्था को नई पारदर्शिता और गति प्रदान करते हुए उसे अधिक प्रभावशाली बना दिया है। ई-ग्राम स्वराज, ऑनलाइन बजट निगरानी और डिजिटल भुगतान प्रणाली ने पंचायतों के कार्यों को सरल, तेज़ और अधिक जवाबदेह बना दिया है। अब गाँव के लोग अपने मोबाइल फोन पर आसानी से देख सकते हैं कि विकास कार्यों के लिए कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग कहाँ किया गया। इससे जानकारी तक पहुँच आसान हुई है और लोगों की भागीदारी में भी वृद्धि हुई है। तकनीक ने दूरी की बाधाओं को समाप्त कर प्रशासन को अधिक तेज़ और सटीक बनाया है। ग्रामीण क्षेत्र अब केवल पारंपरिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रहे, बल्कि वे आधुनिक डिजिटल प्रणाली का सक्रिय हिस्सा बन चुके हैं।

उपलब्धियों के साथ-साथ पंचायती राज व्यवस्था के सामने कई गंभीर चुनौतियाँ भी खड़ी हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। कई क्षेत्रों में पंचायतें अब भी स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं और बाहरी दबाव उनकी भूमिका को सीमित कर देते हैं। कुछ स्थानों पर ग्राम सभा केवल औपचारिक बैठक बनकर रह जाती है, जहाँ वास्तविक चर्चा और निर्णय प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। भ्रष्टाचार और जागरूकता की कमी भी कई इलाकों में बाधा बनी हुई है। फिर भी इसके विपरीत अनेक गाँव ऐसे हैं जहाँ पंचायतें पारदर्शिता और सक्रिय जनभागीदारी के बल पर विकास की नई और प्रेरक मिसालें प्रस्तुत कर रही हैं। बदलते वैश्विक परिदृश्य में जब दुनिया तेज़ी से सतत विकास और स्थानीय शासन की ओर अग्रसर है, तब पंचायती राज व्यवस्था की अहमियत और अधिक बढ़ जाती है। जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में स्थानीय निर्णय प्रणाली अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। अनेक गाँव सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती के माध्यम से उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। यह स्पष्ट करता है कि स्थानीय स्तर पर लिए गए निर्णय अधिक व्यावहारिक, सटीक और परिणामकारी होते हैं। भारत के ग्रामीण क्षेत्र अब केवल उपभोक्ता नहीं रहे, बल्कि वे नवाचार और परिवर्तन के सशक्त केंद्र बनकर उभर रहे हैं।

जवाबदेही और समीक्षा का एहसास कराता राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस केवल जश्न का अवसर नहीं है। यह दिन हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या गाँवों को वास्तव में वह अधिकार, स्वतंत्रता और संसाधन मिले हैं जिनकी कल्पना की गई थी। क्या ग्राम सभा केवल कागज़ों तक सीमित है या सच में निर्णय लेने का सशक्त और सक्रिय मंच बन चुकी है? इन सवालों के उत्तर ही भविष्य की दिशा तय करेंगे। फिर भी यह स्पष्ट है कि जहाँ पंचायतें सक्रिय, पारदर्शी और जवाबदेह हैं, वहाँ विकास की रफ्तार अधिक तेज़ और प्रभावशाली होती है। यही व्यवस्था लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर ठोस मजबूती प्रदान करती है। नए विश्वास और मजबूत संकल्प का संदेश देता यह दिवस उस भारत की स्पष्ट और प्रेरक तस्वीर सामने रखता है जो अपने गाँवों की ताकत पर खड़ा होकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। यह उन लोगों को सम्मान देता है जो बिना शोर किए अपने गाँवों में बदलाव की नई इबारत लिख रहे हैं। यह स्मरण कराता है कि वास्तविक और स्थायी विकास वही है जो गाँव की गलियों से शुरू होकर पूरे देश को मजबूती प्रदान करता है। पंचायती राज केवल एक शासन व्यवस्था नहीं, बल्कि वह सशक्त माध्यम है जो हर नागरिक को निर्णय प्रक्रिया से जोड़ते हुए भारत को अधिक मजबूत, संतुलित और प्रगतिशील बनाता है।

कृति आरके जैन

संपादकीय

शांति वार्ता विफल, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़े विस्फोट की आशंका

पाकिस्तान त्रिशंकु बन लटक रहा है।

पश्चिम एशिया की तपती रेत पर एक बार फिर बारूद की गंध तेज हो गई है, और इस बार केंद्र में है अमेरिका,ईरान,इजरायल का जटिल त्रिकोण, जिसमें पाकिस्तान एक ऐसे संदेशवाहक की भूमिका में फँसता दिख रहा है जो न पूरी तरह किसी का हो पाया और न ही अपने घर की हालत संभाल पाया। हार्मुज़ जलडमरूमध्य, जिसे दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र माना जाता है, इस संभावित टकराव का सबसे खतरनाक मोर्चा बन चुका है। यहां से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर ज़रा-सी चिंगारी भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में विस्फोट कर सकती है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसकी क्षेत्रीय गतिविधियों को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि इजरायल इसे अपने अस्तित्व के लिए सीधा खतरा मानता है और समय-समय पर ईरानी ठिकानों पर हमले करता रहा है। हाल के महीनों में घटनाओं की श्रृंखला ने तनाव को और अधिक तीखा कर दिया है। लाल सागर में जहाजों पर हमले, सीरिया और इराक में मिलिशिया गतिविधियाँ, और गाज़ा संघर्ष के बाद बढ़ा हुआ क्षेत्रीय असंतुलन,इन सबने हालात को विस्फोटक बना दिया है। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान ने खुद को एक मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उसके लिए भारी पड़ता दिख रहा है। आर्थिक रूप से पहले से जूझ रहे देश ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की मेहमाननवाज़ी के लिए महंगे होटलों और सुरक्षा इंतजामों पर भारी खर्च किया, जिसका बोझ आखिरकार उसकी आम जनता पर टैक्स और महंगाई के रूप में पड़ा, और यही कारण है कि देश के भीतर असंतोष की लहर तेज हो गई है। पाकिस्तान की यह स्थिति घर का न घाट जैसी हो गई है। एक ओर वह अमेरिका को खुश रखने की कोशिश करता है, दूसरी ओर ईरान जैसे पड़ोसी को नाराज़ भी नहीं करना चाहता, और इसी संतुलन की कोशिश में उसकी आंतरिक आर्थिक स्थिति और अधिक कमजोर और जर्जर हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हालिया बयानों में स्पष्ट

संकेत दिया है कि अमेरिका क्षेत्र में अपने हितों और सहयोगियों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को तैयार है, और यदि ईरान ने उकसावे वाली गतिविधियाँ बंद नहीं कीं तो कठोर जवाब दिया जाएगा। यह बयान सीधे तौर पर सैन्य कार्रवाई की संभावना को खारिज नहीं करता बल्कि उसे एक रणनीतिक विकल्प के रूप में खुला रखता है। दूसरी ओर ईरान का रुख भी उतना ही सख्त है तेहरान का कहना है कि वह अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय प्रभाव की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यदि उसके हितों पर हमला हुआ तो जवाब निर्णायक और व्यापक होगा। ईरानी नेतृत्व बार-बार यह दोहरा रहा है कि हार्मुज़ जलडमरूमध्य उसकी रणनीतिक पकड़ में है और जरूरत पड़ने पर वह वैश्विक तेल आपूर्ति को बाधित कर सकता है, जो दुनिया के लिए एक भयावह संकेत है। इस पूरे समीकरण में इजरायल की भूमिका भी बेहद आक्रामक बनी हुई है वह ईरान के परमाणु ठिकानों और उसके सहयोगी नेटवर्क को खत्म करने के लिए लगातार सैन्य विकल्पों पर विचार करता रहा है, और कई बार गुप्त अभियानों के जरिए ईरान को नुकसान पहुंचा चुका है। इन तीनों शक्तियों के बीच बढ़ती अविश्वास की खाई किसी भी छोटे घटनाक्रम को बड़े युद्ध में बदल सकती है, और हार्मुज़ जलडमरूमध्य इसका सबसे संवेदनशील बिंदु है, जहां एक मिसाइल, एक ड्रोन या एक गलतफहमी भी वैश्विक संकट का कारण बन सकती है। पाकिस्तान की स्थिति इस पूरे परिदृश्य में सबसे दयनीय दिखाई देती है। एक ओर वह खुद को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रासंगिक बनाए रखने के लिए इस तरह की मध्यस्थता करता है, लेकिन दूसरी ओर उसकी आर्थिक हकीकत उसे इस भूमिका के लिए तैयार नहीं होने देती विदेशी कर्ज, महंगाई, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता से जूझते देश के लिए यह कूटनीतिक साहस कहीं न कहीं आत्मघाती साबित हो रहा है। आम पाकिस्तानी नागरिक के लिए यह स्थिति और भी पीड़ादायक है, क्योंकि वह न तो इन वैश्विक रणनीतियों का हिस्सा है और न ही उसके पास इनका कोई लाभ है, लेकिन कीमत वही चुका रहा है,महंगे ईंधन, बढ़ते टैक्स और घटती जीवन-स्तर के रूप में। यदि अमेरिका और ईरान के बीच टकराव वास्तव में युद्ध में बदलता है, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; भारत सहित पूरी दुनिया पर इसके आर्थिक और रणनीतिक प्रभाव पड़ेंगे, खासकर ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार मार्गों पर। इसलिए यह समय केवल शक्ति प्रदर्शन का नहीं, बल्कि संयम और संवाद का है, लेकिन मौजूदा हालात में जिस तरह से बयानबाज़ी और सैन्य गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, उससे शांति की संभावना कमजोर और टकराव की आशंका अधिक मजबूत दिखाई देती है।

पाकिस्तान के लिए यह एक कड़ा और बड़ा सबक हो सकता है कि वैश्विक राजनीति में बिना मजबूत आर्थिक और कूटनीतिक आधार के बड़ी भूमिकाएँ निभाने की कोशिश अंततः देश के भीतर ही असंतोष और संकट को जन्म देती है। यही कारण है कि आज वह एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां से आगे का हर कदम जोखिम भरा है, जबकि दुनिया की निगाहें हार्मुज़ जलडमरूमध्य पर टिकी हैं, जो आने वाले समय में शांति का मार्ग बनेगा या युद्ध का द्वार, यह कहना फिलहाल मुश्किल है। इन परिस्थितियों में यदि शांति स्थापित नहीं होती है तो यह वैश्विक शांति के लिए ऐतिहासिक रूप से बड़ा खतरा बन सकता है। वर्तमान में आधुनिक परमाणु युद्ध बहुत उन्नत टेक्नोलॉजी वाला होता है तो पूरी दुनिया में मरने वालों की संख्या बहुत भयावह होने वाली है और आर्थिक रूप से आगे आने वाले 20 वर्षों में ना पूरा होने वाला नुकसान साबित होगा और आने वाला युद्ध आधुनिक वैज्ञानिक टेक्नोलॉजी का बहुत बड़ा अभिशाप साबित हो सकता है।

संजीव ठाकुर, वरिष्ठ पत्रकार

आर्टिकलः एआई मॉडल-फायदे और दुरुपयोग के बीच संतुलन

आज के डिजिटल युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से दुनिया को बदल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सुरक्षा और मनोरंजन जैसे लगभग हर क्षेत्र में इन मॉडल का उपयोग बढ़ता जा रहा है। यह तकनीक जहां एक ओर मानव जीवन को आसान और प्रभावी बना रही है, वहीं दूसरी ओर इसके दुरुपयोग को लेकर भी गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। सबसे पहले अगर इसके फायदों की बात करें, तो एआई ने काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। हेल्थ सेक्टर में एआई की मदद से बीमारियों का जल्दी और सटीक निदान संभव हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में यह छात्रों को पर्सनलाइज्ड लर्निंग अनुभव दे रहा है, जिससे उनकी समझ बेहतर हो रही है। बिजनेस में एआई डेटा एनालिसिस के जरिए कंपनियों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है। इसके अलावा, ऑटोमेशन के कारण कई काम तेज, सस्ते और अधिक सटीक हो गए हैं।

एआई का एक बड़ा फायदा यह भी है कि यह इंसानों के जोखिम भरे कामों को कम कर सकता है। जैसे खतरनाक उद्योगों, अंतरिक्ष मिशन या आपदा प्रबंधन में एआई का उपयोग मानव जीवन को सुरक्षित रखने में मदद करता है। साथ ही, चैटबॉट और वर्चुअल असिस्टेंट जैसे टूल्स ने लोगों के दैनिक जीवन को और भी सुविधाजनक बना दिया है। लेकिन जहां फायदे हैं, वहीं एआई के दुरुपयोग की संभावनाएं भी कम नहीं हैं। सबसे बड़ा खतरा फेक न्यूज और डीपफेक तकनीक से है, जिसके जरिए किसी की भी आवाज या वीडियो को नकली रूप में तैयार किया जा सकता है। इससे समाज में भ्रम, अफवाह और गलत जानकारी तेजी से फैल सकती है।

इसके अलावा, साइबर क्राइम में भी एआई का इस्तेमाल बढ़ रहा है। हैकिंग, फिशिंग और ऑनलाइन फ्रॉड जैसे मामलों में एआई तकनीक का दुरुपयोग करके अपराधी और अधिक चालाक हो गए हैं। इससे आम लोगों की निजी जानकारी और सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

एक और चिंता का विषय रोजगार पर इसका प्रभाव है।

ऑटोमेशन के कारण कई पारंपरिक नौकरियां खत्म हो सकती हैं, जिससे बेरोजगारी बढ़ने का खतरा है। हालांकि, इसके साथ नए अवसर भी पैदा होते हैं, लेकिन इसके लिए लोगों को नई स्किल्स सीखने की जरूरत होगी।

एआई का सही उपयोग तभी संभव है जब इसके लिए मजबूत नियम और नैतिक दिशा-निर्देश बनाए जाएं।

सरकार, कंपनियों और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई का उपयोग मानव कल्याण के लिए हो, न कि नुकसान के लिए। साथ ही, लोगों को भी जागरूक होना होगा ताकि वे तकनीक का सही और सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल कर सकें। अंत में कहा जा सकता है कि एआई एक शक्तिशाली उपकरण है, जो मानवता के लिए वरदान भी बन सकता है और अभिशाप भी। यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसका उपयोग कैसे करते हैं।

कार्तिकेय बाजपेई

कविता

संजीव-नी।

प्रकृत बांसुरी जीवन-गीत गुनगुनाती।
कविताओं के स्वच्छ अंबर पर
तैरती है बचपन की हरीतिमा,
जैसे ओस की बूंदों में
सूरज की पहली
ताजगी छुपी हो।
नन्हों की खिलखिलाहट
हवा में ऐसे घुलती
मानो कोई अदृश्य बांसुरी
धीरे-धीरे जीवन को
गुनगुना रही हो।
उनकी हँसी में
ना कोई छल, ना कोई शिकन,
बस मिट्टी की सोंधी खुशबू
सपनों का निर्मल सावन।
छोटे-छोटे पाँवों से

वे धरती पर रंग बिखेरते
और अनजाने में ही
थके मनुष्यों के भीतर
जीने की चाह जगा देते ।
कागज़ की नावों में
वे समंदर तलाशते ,
और टूटी पेंसिल से भी
पूरा आकाश लिख डालते ।
कितना सहज उनका संसार,
न समय की दौड़,
न स्वार्थ की दीवार,
बस एक मुस्कान में समेटे
पूरे ब्रह्मांड का विस्तार।

पर हम लोग
क्यों भूल जाते वह अंबर
जहाँ हर शब्द और कविता
खिलखिलाहट से जन्म लेती ।
आओ, लौट चलें
उस हरीतिमा की ओर,
जहाँ नन्हों की हँसी
अब भी हमें खींचती।
धीरे से, कोमलता से,
मानो कह रही हो
जीवन इतना भी क्लिष्ट नहीं,
जितना तुमने उसे बुन लिया।

संजीव ठाकुर

कविता

आँखों को असहज करती
पर वही धूप
धीरे-धीरे गुनगुनी लगने लगती।

मैं सोचता हूँ,
क्या सचमुच मैं ही हूँ
उस असहजता का मूल
या फिर मेरे शब्दों में
कुछ ऐसा बचा रह गया
जो अभी तक पूरी तरह
चुप नहीं हुआ।

आपकी चुप्पी,दूरी
मेरे भीतर एक मिट्टी की
कोमल पगडंडी बना देती
जहाँ मैं खुद के साथ
चल पाता, खुद से बतियाता,
बिना किसी शोर के
बिना किसी सहमती
और अवसर के।

यह एक अबूझ शुरुआत
इसमें शून्य होने में भी
एक बीज की तरह
और भीतर कहीं
जिजीविषा का छोट
सा अंकुर पनपता ।

अब आपको मनाने की जगह
आप के भीतर उगने लगा
जैसे कोई पेड़
चुपचाप अपनी जड़ों के
विश्वास के साथ पनपता।

शायद किसी पल
मेरी उपस्थिति
आपको चुभे नही
बल्कि
किसी ठंडी छाया की तरह
थोड़ी देर थम जाने जैसी
भली लगने लगे।

संजीव ठाकुर

लोकतंत्र का आधारः सशक्त ग्राम पंचायतें

भारत जैसे विशाल और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राष्ट्र की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यदि हम भारतीय लोकतंत्र के वृक्ष की कल्पना करें, तो इसकी जड़ें उन छोटी छोटी बस्तियों और गाँवों में हैं, जहाँ सदियों से लोग अपनी समस्याओं का समाधान सामूहिक चर्चा और आपसी सहमति से करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, जो प्रतिवर्ष 24 अप्रैल को मनाया जाता है, वास्तव में उसी प्राचीन परंपरा को आधुनिक संवैधानिक ढांचे में स्वीकार करने का एक उत्सव है। यह केवल एक तिथि नहीं है, बल्कि उस संकल्प की पुनरावृत्ति है जो सत्ता को बड़े नगरों की अट्टालिकाओं से निकालकर खेत खलिहानों तक पहुँचाने के लिए लिया गया था। भारतीय शासन व्यवस्था का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब भी स्थानीय शासन को महत्व दिया गया, समाज में सुख, समृद्धि और न्याय का संचार हुआ। ऋग्वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में सभा और समिति का वर्णन मिलता है, जो इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में जनभागीदारी हमारे संस्कारों में समाहित है। चोल साम्राज्य के शासनकाल में भी स्थानीय स्वशासन के ऐसे उत्कृष्ट उदाहरण मिलते हैं, जिन्हें आज भी प्रशासनिक विज्ञान के विद्वान अध्ययन का विषय मानते हैं। मध्यकाल और विशेष रूप से औपनिवेशिक काल के दौरान यद्यपि इन संस्थाओं को आघात पहुँचा, परंतु इनकी मूल चेतना कभी समाप्त नहीं हुई। स्वतंत्रता के पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने बार बार इस बात पर बल दिया कि वास्तविक स्वतंत्रता तभी आएगी जब भारत का प्रत्येक गाँव एक आत्मनिर्भर गणराज्य होगा। उनके अनुसार, दिल्ली में बैठकर लिया गया निर्णय पूरे देश की नियति नहीं बदल सकता, जब तक कि गाँवों के लोग स्वयं अपने विकास के मार्गदर्शक न बनें।

संविधान सभा में इस विषय पर गहन वैचारिक विमर्श हुआ और अंततः अनुच्छेद 40 के अंतर्गत राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में पंचायतों के गठन का प्रावधान किया गया। प्रारंभ में यह केवल राज्यों की इच्छा पर निर्भर था, परंतु समय की माँग को देखते हुए इसमें व्यापक सुधारों की आवश्यकता अनुभव की गई। 1957 में बलवंत राय मेहता समिति ने त्रि-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था का सुझाव दिया, जिसे सर्वप्रथम 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में लागू किया गया। इसके उपरांत अशोक मेहता समिति, 1977, जी.वी.के. राव समिति, 1985 और एल.एम. सिंघवी समिति, 1986 जैसी विभिन्न समितियों ने इस व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक और प्रभावशाली बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण परामर्श दिए। सिंघवी समिति की सिफारिशों का ही परिणाम था कि पंचायतों को संवैधानिक दर्जा देने की मांग दृढ़ता से उठाई गई। अंततः वर्ष 1992 में भारतीय संसद द्वारा 73वां संविधान संशोधन अधिनियम पारित किया गया, जो 24 अप्रैल 1993 से पूर्णतः प्रभावी हुआ। इस ऐतिहासिक कदम ने भारतीय प्रजातंत्र के स्वरूप को मौलिक रूप से बदल दिया। अब पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं रह गई, बल्कि वे संवैधानिक शक्ति से संपन्न स्वायत्त संस्थाएं बन गईं। संविधान के भाग 9 में अनुच्छेद 243 से 243-ण तक के प्रावधान जोड़े गए और 11वीं अनुसूची के माध्यम से पंचायतों को 29 महत्वपूर्ण विषयों पर कार्य करने का पूर्ण अधिकार दिया गया। इनमें कृषि, भूमि सुधार, लघु सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन, ग्रामीण आवास, पेयजल, सड़कें, पुल, ग्रामीण विद्युतीकरण, शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और स्वास्थ्य जैसे विषय सम्मिलित हैं, जो ग्रामीण जीवन के विकास के मुख्य स्तंभ हैं।

पंचायती राज व्यवस्था की संरचना अत्यंत वैज्ञानिक है। इसके सबसे निचले स्तर पर ग्राम पंचायत होती है, जहाँ ग्राम सभा की भूमिका

अत्यंत निर्णायक होती है। ग्राम सभा लोकतंत्र का सबसे जीवंत रूप है, जहाँ गाँव का प्रत्येक मतदाता प्रत्यक्ष रूप से अपनी राय रख सकता है। मध्यवर्ती स्तर पर क्षेत्र पंचायत या पंचायत समिति होती है, जो विभिन्न ग्राम पंचायतों के मध्य समन्वय स्थापित करती है। शीर्ष स्तर पर जिला परिषद होती है, जो जिले के समग्र विकास की रूपरेखा तैयार करती है और प्रशासनिक सहायता प्रदान करती है। इस त्रि-स्तरीय व्यवस्था ने शासन को जवाबदेह और पारदर्शी बनाने का कार्य किया है। इस प्रणाली की एक और क्रांतिकारी विशेषता सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करना है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान था, जिसे अब भारत के 21 राज्यों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। आज देश के 30 लाख से अधिक निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 14 लाख महिलाएं हैं। यह सामाजिक सशक्तिकरण का ऐसा अनुपम उदाहरण है जिसने ग्रामीण भारत की आधी आबादी को नेतृत्व के अवसर प्रदान किए हैं। अब गाँव की महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विद्यालय निर्माण, स्वच्छता अभियान और जल संरक्षण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल संचालन कर रही हैं।

विकास के दृष्टिकोण से देखें तो पंचायतों ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे के सुधार में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम जैसी विशाल योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायतों के माध्यम से ही संभव हो सका है। स्थानीय स्तर पर संसाधनों का उचित प्रबंधन और लाभार्थियों की सही पहचान करने में पंचायतें जितनी सक्षम हैं, उतनी कोई और संस्था नहीं हो सकती। पेयजल के लिए 'हर घर जल' अभियान हो या खुले में शौच से मुक्ति का संकल्प, पंचायतों ने इन राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में अपनी पूरी शक्ति लगा दी है। वर्तमान में सूचना और संचार के आधुनिक युग में पंचायतों को तकनीकी रूप से भी सुदृढ़ किया जा रहा है। ई-ग्राम स्वराज जैसे मंचों के माध्यम से पंचायतों के लेखा जोखा और विकास कार्यों को सार्वजनिक किया जा रहा है, जिससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है और जनता का विश्वास इन संस्थाओं के प्रति बढ़ा है। पंचायतों को मिलने वाले केंद्रीय और राज्य वित्त आयोग के अनुदानों ने उन्हें आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर बनाया है, यद्यपि अभी भी स्वयं के राजस्व स्रोत विकसित करने की चुनौती बनी हुई है।

परंतु इस यात्रा में अनेक बाधाएं और चुनौतियां भी विद्यमान हैं। आज भी कई स्थानों पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के स्थान पर उनके परिवार के पुरुषों का हस्तक्षेप देखा जाता है, जिसे 'सरपंच पति' संस्कृति कहा जाता है। इसे दूर करने के लिए निरंतर प्रशिक्षण और जागरूकता की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, कई राज्यों में अभी भी पंचायतों को वे सभी 29 विषय और शक्तियाँ हस्तांतरित नहीं की गई हैं, जिनका वर्णन संविधान की 11वीं अनुसूची में है। पंचायतों के पास अपने कर्मचारी और तकनीकी विशेषज्ञों की कमी भी एक बड़ी समस्या है। वित्तीय स्वायत्तता का अभाव उन्हें राज्य और केंद्र सरकार के अनुदानों पर निर्भर बनाए रखता है, जिससे उनके स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है। शिक्षा की कमी और स्थानीय स्तर पर जातिगत समीकरण भी कई बार विकास कार्यों के मार्ग में रोड़ा बनते हैं। इन विसंगतियों को दूर करने के लिए पंचायतों को सशक्त बनाना अनिवार्य है। उन्हें न केवल वित्तीय अधिकार दिए जाने चाहिए, बल्कि उनके प्रशासनिक ढांचे को भी आधुनिक और कुशल बनाना होगा।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार और नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार जैसे सम्मानों से विभूषित किया जाता है। यह पुरस्कार पंचायतों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को जन्म देते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। पंचायतों के माध्यम से ही हम सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जब तक हमारे गाँव गरीबी मुक्त, स्वस्थ, जल समृद्ध और स्वच्छ नहीं होंगे, तब तक विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। गाँव का विकास ही राष्ट्र का विकास है, क्योंकि जब गाँव की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, तो उसका प्रभाव संपूर्ण देश के सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ता है। ग्रामीण पर्यटन, स्थानीय हस्तशिल्प और कृषि आधारित लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर हम गाँवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन को भी रोक सकते हैं।

निष्कर्षतः, पंचायती राज व्यवस्था भारतीय लोकतंत्र की धमनियों में बहने वाला वह रक्त है जो इसे जीवंत बनाए रखता है। यह केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं है, बल्कि यह जनता के हाथों में अपने भाग्य के निर्माण की शक्ति है। 73वें संविधान संशोधन ने जो बीज बोया था, वह आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। यद्यपि अभी हमें एक लंबी दूरी तय करनी है, परंतु जिस दिशा में हम बढ़ रहे हैं, वह निश्चित रूप से ग्राम स्वराज्य की प्राप्ति की ओर ले जाती है।

लोकतंत्र की सफलता इस बात में नहीं है कि संसद में कितनी चर्चा होती है, बल्कि इस बात में है कि एक छोटे से गाँव की ग्राम सभा में बैठा हुआ अंतिम व्यक्ति कितनी निर्भीकता से अपनी बात कह पाता है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस हमें इसी उत्तरदायित्व की याद दिलाता है। हमें सामूहिक रूप से संकल्प लेना होगा कि हम अपनी पंचायतों को और अधिक पारदर्शी, सशक्त और साधन संपन्न बनाएंगे। यदि हमारी पंचायतें समर्थ होंगी, तो हमारा लोकतंत्र अभेद्य होगा और भारत पुनः विश्व के सामने एक आदर्श शासन व्यवस्था का उदाहरण प्रस्तुत कर सकेगा। गाँवों की आत्मनिर्भरता ही हमारे गौरवशाली भविष्य की आधारशिला है और इसी मार्ग पर चलकर हम उस भारत का निर्माण कर पाएंगे जहाँ न्याय, समता और बंधुत्व के मूल्य प्रत्येक नागरिक के जीवन में प्रतिबिंबित होंगे। 24 अप्रैल की यह पावन तिथि हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और ग्रामीण भारत के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देती है। यही इस दिवस की सार्थकता है और यही हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की विजय भी है।

महेन्द्र तिवारी

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

अवैध धर्मांतरण व पॉक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, जेल

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने मु0अ0स0 32/26 के अंतर्गत धारा 64, 352, 351(3) बीएनएस, 3/4 पास्को एक्ट व 3/5(1) उ0प्र0 विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्त 20 वर्षीय साहिल अली पुत्र हैदर अली निवासी ग्राम खैरहवा दूबे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करने के उपरांत अभियुक्त को अग्रिम कार्यवाही हेतु न्यायालय पेश किया गया, जहा से उसे जेल भेज दिया गया है। इस संबंध में वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट व अवैध धर्मांतरण जैसे गंभीर अपराधों में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के माध्यम से जेल भेज दिया गया है।

रामकुमार स्मारक इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

शानदार अंकों से बढ़ाया मान

शुकुल बाजार, अमेठी। क्षेत्र के प्रतिष्ठित रामकुमार स्मारक इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने इस वर्ष उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हासिल कर विद्यालय, अभिभावकों एवं गुरुजनों का नाम गौरवान्वित किया है। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के परिणामों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया।हाईस्कूल वर्ग में छात्रा प्राची मिश्रा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं आयशा बानो ने 90.67 प्रतिशत, दिलशान बानो ने 89.34 प्रतिशत, नेहा तिवारी ने 89 प्रतिशत तथा चंद्र प्रकाश शुक्ला ने 85.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंटरमीडिएट वर्ग में छवि शुक्ला ने 83.6 प्रतिशत, शांभवी गुप्ता ने 83.2 प्रतिशत, वंदना ने 82 प्रतिशत, सेजल तिवारी ने 81.6 प्रतिशत तथा अंशुमान ने 80.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया।विद्यालय के प्रबंधक पंडित राम उंजेरे शुक्ला ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का यह संयुक्त परिणाम है।विद्यालय परिवार में इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल है और सभी सफल विद्यार्थियों के सम्मान की तैयारी की जा रही है।

अस्पताल की पार्किंग में कार के भीतर सचिव की मौत, विभाग में शोक

हार्टअटैक से मौत होने की लगाई जा रही आशंका, पोस्टमार्टम के बाद शव का हुआ अंतिम संस्कार

रतनपुर/महराजगंज। मिठौरा ब्लॉक निवासी और वर्तमान में नौतनवां ब्लाक के बैकुंठपुर में रह रहे ग्राम विकास अधिकारी अमरेन्द्र कुमार पटेल की गोरखपुर के एक निजी अस्पताल की पार्किंग में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नौतनवा ब्लॉक में तैनात अमरेन्द्र कुमार अपनी बीमार पत्नी को बुधवार को गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने गए थे, जहां पत्नी को भर्ती करने के बाद वे पार्किंग में खड़ी अपनी कार में जाकर बैठ गए और वहीं उनकी मृत्यु हो गई। काफी तलाश के बाद उनका शव गाड़ी से बरामद हुआ। आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया, जिनका अंतिम संस्कार रोहिणी नदी के दोमुहान घाट पर किया गया। 27 वर्षों की राजकीय सेवा पूरी कर चुके अमरेन्द्र कुमार के आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और ब्लॉक मुख्यालय पर मातम छा गया है। बृहस्पतिवार को बीडीओ अमित कुमार मिश्र के नेतृत्व में एपीओ शशिकांत, राजकुमार पटेल, लाल जी बरनवाल और अशोक चौधरी सहित तमाम कर्मचारियों ने शोक सभा कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया।

गाजीपुर दुष्कर्म-हत्याकांड, अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने खोला मोर्चा

●पूर्व मंत्री पर हमले के दोषियों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। गाजीपुर में हुई युवती निशा विश्वकर्मा की जघन्य हत्या और दुष्कर्म के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ने इस घटना पर गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी महरौनी को सौंपा है। संगठन ने मामले में त्वरित न्याय, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा पर हुए हमले के दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। ज्ञापन के अनुसार बीती 16 अप्रैल 2026 को गाजीपुर के करंडा थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ अज्ञात लोगों ने पहले दुष्कर्म किया और फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर शव को गंगा नदी किनारे फेंक दिया। परिजनों का आरोप है कि घटना के 8 दिन बाद भी प्रशासन द्वारा कोई ठोस न्यायिक कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे पीड़ित परिवार में गहरा रोष और भय व्याप्त है। संगठन ने यह भी बताया कि जब पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामआसरे विश्वकर्मा पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे, तो दबंगों द्वारा उन पर पथराव किया गया। बावजूद इसके प्रशासन ने आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जो प्रशासन की उदासीनता को दर्शाता है। ज्ञापन के माध्यम से महासभा ने शासन-प्रशासन के समक्ष मांगों को रखा, जिनमें पीड़ित परिवार को अविलंब न्याय मिले और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई हो। पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा पर हमला करने वाले दबंगों को गिरफ्तार कर उन पर मुकदमा दर्ज किया जाए और पूर्व मंत्री को सुरक्षा मुहैया कराई जाए। पीड़ित परिवार और उनसे मिलने आने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। युवती के परिजनों को 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। घटना के संबंध में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आशुतोष सिंह आशु पर मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजा जाए। लापरवाही बरतने वाले सिटी सीओ और थाना अध्यक्ष (करंडा) सहित संबंधित पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष महेंद्र झा विश्वकर्मा, विधानसभा अध्यक्ष नीलेश कुमार, कुलदीप झा, राजेश कुमार विश्वकर्मा, भौरे प्रसाद विश्वकर्मा, चंदेश कुमार झा और अन्य पदाधिकारी व समाज के गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

नाली की साफ-सफाई नहीं होने से फैला मच्छरों का प्रकोप

●एडीओ पंचायत ने सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का दिए आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। नौतनवां ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत पिपराहिया टोला घोड़ाहिया में स्वच्छता अभियान के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। गांव के मुख्य मार्ग के किनारे बनी सरकारी नाली पिछले काफी समय से नियमित साफ-सफाई न होने के कारण कूड़े-करकट और सिल्ट से पूरी तरह पट गई है। नाली जाम होने से गंदा पानी सड़ने लगा है, जिससे उठने वाली दुर्गंध से ग्रामीण परेशान हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाली की सफाई के लिए कई बार गुहार लगाई गई लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है। गंदगी और रुके हुए पानी के कारण इलाके में मच्छरों का भारी प्रकोप बढ़ गया है, जिससे मलेरिया, डेंगू और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा मंडराने लगा है। विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर ग्रामीण काफी चिंतित हैं। संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए ग्रामीणों ने सम्बंधित अधिकारियों से मांग की है कि जल्द से जल्द नाली की मुकम्मल सफाई कराई जाए और एंटी-लार्वा का छिड़काव किया जाए, ताकि किसी भी बड़ी बीमारी को फैलने से रोका जा सके। इस संबंध में एडीओ पंचायत रामकृष्ण प्रसाद ने कहा कि संबंधित सफाईकर्मी को निर्देशित कर जल्द ही नाली की मुकम्मल सफाई कराई जाएगी और गांव में एंटी-लार्वा का छिड़काव भी सुनिश्चित किया जाएगा।1

असलहों के बल पर लूट

बाइक सवारों को रोककर बदमाशों ने लूटा मोबाइल और नकदी

रात के अंधेरे में चार हथियारबंद बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम, दहशत का माहौल

ललितपुर। जनपद में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र में देर रात हथियारबंद बदमाशों द्वारा लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। बाइक से जा रहे दो लोगों को रोककर बदमाशों ने असलहे के बल पर उनसे मोबाइल और नकदी लूट ली और मौके से फरार हो गए। ग्राम जैवरा निवासी अरविंद सिंह राजपूत पुत्र कृपाल सिंह राजपूत ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि 19 अप्रैल 2026 की रात वह अपने साढ़ू सुरेंद्र सिंह राजपूत के साथ मोटरसाइकिल से ससुराल ग्राम देवरी से वापस अपने घर लौट रहा था। रात करीब 11.30 बजे, जब दोनों नहर के पास पहुंचे, तभी अचानक दो पल्सर मोटरसाइकिलों पर सवार चार अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया।

पृथ्वी दिवस पर टीचर्स ऑफ बिहार की शैक्षिक ई-पत्रिका प्रकृति प्रहरी का हुआ भव्य ऑनलाइन विमोचन, पर्यावरण संरक्षण का दिया सशक्त संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना/ बिहार – पृथ्वी दिवस के अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार के तत्वावधान में त्रैमासिक ई-शैक्षिक पत्रिका प्रकृति प्रहरी का भव्य ऑनलाइन विमोचन समारोह आयोजित किया गया। पर्यावरण संरक्षण, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम 22 अप्रैल 2026 की रात्रि 8 बजे फेसबुक लाइव के माध्यम से प्रसारित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं पर्यावरण प्रेमियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में अहसन, क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, भागलपुर प्रमंडल, डॉ. रश्मि प्रभा, शिक्षाविद् सह पूर्व संयुक्त निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, पटना, महताब रहमानी, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना तथा सुजीत कुमार दास, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रारंभिक शिक्षा एवं समग्र शिक्षा अभियान, बिहार शिक्षा परियोजना, मुजफ्फरपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने पत्रिका की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक एवं सार्थक पहल बताया।

पत्रिका के संपादक मुजफ्फरपुर जिले के सरैया प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, गोपालपुर नेउरा के शिक्षक अभिषेक कुमार हैं। वहीं सह-संपादक के रूप में बांका जिले के फुल्लीडुमर प्रखंड स्थित प्रोन्नत मध्य विद्यालय ईटहरी के विद्यालय अध्यापक सिद्धांत तथा मुजफ्फरपुर जिले के सरैया प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय अजीजपुर की शिक्षिका आराधना कुमारी ने पत्रिका को समृद्ध बनाने में अहम भूमिका निभाई।इस महत्वपूर्ण पहल के मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत के रूप में टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार, टेक्निकल टीम लीडर शिवेंद्र प्रकाश सुमन एवं इवेंट लीडर केशव कुमार का विशेष योगदान रहा।

पत्रिका के संकलन एवं डिजाइन का कार्य मुजफ्फरपुर जिले के कांटी प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सलेमपुर ढाब के विद्यालय अध्यापक कुमार अभिषेक एवं अन्य शिक्षकों की टीम द्वारा किया गया, जिनके रचनात्मक प्रयासों से पत्रिका आकर्षक, प्रभावशाली एवं उपयोगी बनी है।

टीचर्स ऑफ बिहार के इवेंट लीडर सह मुजफ्फरपुर जिले के मुरौल प्रखण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय मोहनपुर उर्दू के प्रधान शिक्षक केशव कुमार ने कहा कि प्रकृति प्रहरी केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि एक सतत जन-जागरूकता अभियान है, जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति का प्रहरी बनाना है। पत्रिका में बिहार में गौरैया का महत्व एवं संरक्षण पेड़-पौधों की दुनिया इको क्लब फॉर मिशन लाइफ पुनर्चक्रण पर आधारित बच्चों की प्रेरक कहानियाँ तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई महत्वपूर्ण लेख शामिल किए गए हैं।टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक मृत्युंजय कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि यह पत्रिका आने वाले समय में पर्यावरण शिक्षा और जन-जागरूकता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मई माह के लिए राशन वितरण की तारीखें घोषित

अंत्योदय और पात्र गृहस्थी कार्डधारक 24 अप्रैल से ले सकेंगे निशुल्क राशन

ललितपुर। जिला पूर्ति विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत मई 2026 के लिए राशन वितरण का कार्यक्रम जारी कर दिया है। जिले के सभी अंत्योदय और पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को सूचित किया गया है कि वह निर्धारित तिथियों के भीतर अपने नजदीकी उचित दर दुकान (राशन की दुकान) पर पहुंचकर अपना निशुल्क राशन प्राप्त कर लें। जिला पूर्ति अधिकारी उमेशचंद्र मिश्र ने बताया कि राशन वितरण का कार्य 24 अप्रैल 2026 से शुरू होकर 08 मई 2026 तक संपन्न होगा। लाभार्थियों को इसी अवधि के भीतर राशन प्राप्त करना अनिवार्य है। विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, राशन का वितरण कार्ड के प्रकार के आधार पर इस प्रकार होगा, जिसमें अंत्योदय राशन कार्डधारक को प्रति कार्ड कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न मिलेगा, जिसमें 14 किलो गेंहू और 21 किलो चावल शामिल है। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 5 किलोग्राम खाद्यान्न मिलेगा, जिसमें 2 किलो गेंहू और 3 किलो चावल शामिल है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत बाजार शुक्ल पुलिस की बड़ी कार्रवाई

●अवैध तमंचा व कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' अभियान के तहत थाना बाजारशुक्ल पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने एक युवक को अवैध असलहे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना बाजारशुक्ल पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों, वस्तुओं एवं वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी।चेकिंग के दौरान पुलिस ने वांछित अभियुक्तों की तलाश एवं क्षेत्र की निगरानी करते हुए अजय कुमार पुत्र नन्कऊ, निवासी लदई का पुरवा मजरे महोना पश्चिम थाना बाजारशुक्ल, उम्र लगभग 21 वर्ष, को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा एवं एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ।थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है और आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा है। थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने कहा अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वारंटियों पर पुलिस का शिकंजा: दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

महरौनी। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं गैर-जमानती वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत महरौनी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक ललितपुर मो. मुश्ताक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह तथा क्षेत्राधिकारी महरौनी रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह के नेतृत्व में गठित टीमों ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में सघन तलाश एवं भ्रमण के दौरान माननीय न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महरौनी द्वारा जारी हक्कुु वारंटों के अनुपालन में कार्रवाई करते हुए भानसिंह पुत्र रामसहाय, निवासी ग्राम मिर्चवाराह्य को उसके गांव से गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में प्रीतकुमार पुत्र सिकरोदी मोंगिया, निवासी ग्राम सिंगेपुर को भी उसके निवास स्थान से गिरफ्तार किया गया। दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें संबंधित न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

भीषण गर्मी में राहत, भारत विकास परिषद द्वारा सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए भारत विकास परिषद मुख्य शाखा द्वारा जनसेवा की सराहनीय पहल करते हुए शहर में सार्वजनिक प्याऊ (जल सेवा) का शुभारंभ किया गया। यह प्याऊ परिषद के संयोजक सेवा नीरज समैया की संस्तुति पर परिषद के पूर्व अध्यक्ष विपिन जैन रोड़ा के पूज्यनीय पिताजी स्व.नाथूराम जैन (अध्यापक) की स्मृति में उनके प्रतिष्ठान पर स्थापित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद अध्यक्ष रविन्द्र जैन (बानपुर) द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आरएसएस नगर प्रचारक सुनीलजी, जिला कार्यवाह आशीषजी, सामाजिक सद्भाव प्रमुख विनोद शर्माजी, सेवा समर्पण संस्थान जिला मंत्री पवन कौशिक एवं जिला कोषाध्यक्ष काशीनाथ नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में परिषद परिवार के अनेक सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें मनोज सराफ (बल्ली), नरेन्द्र मोदी, आनंद मोहन दुबे, सुबोध गोस्वामी, मुरारी सोनी, रामकुमार तिवारी, राजीव जैन (रज्जू), डा.जगवीर सिंह, अभिषेक जैन (अब्बू मुच्छाल), राजेश जैन (बल्ली), नीरज समैया, प्रवीण सिंघई, विपिन जैन रोड़ा, रीतेश जैन (रिंकू गदयाना), दीपक जैन सिंघई, हेमंत सराफ, विवेक जैन (मडवैया), साकेत जैन (बड़ेरा), संजय मोदी (बैग), नितिन अग्रवाल, सूर्यदेव उपाध्याय, बृजेंद्र सिंह यादव, ऋषभ एवं निखिल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में परिषद के सचिव राजीव जैन (रज्जू) एवं विपिन जैन रोड़ा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। जनसेवा की इस पहल से राहगीरों को गर्मी में शीतल जल उपलब्ध होगा, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

सिद्धार्थनगर में महिला आरक्षण को लेकर जनसैलाब उमड़ा : हजारों महिलाओं ने हाथ में तख्तियां लेकर विरोध जताया, बोली-33% आरक्षण लागू करो

●सांसद जगदंबिका पाल के नेतृत्व में निकली रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के मुद्दे को लेकर गुरुवार को सांसद जगदंबिका पाल के नेतृत्व में बीएसए ग्राउंड, सिद्धार्थनगर से नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर तक एक भव्य एवं विशाल 'जन आक्रोश रैली' का आयोजन किया गया। इस रैली में हजारों की संख्या में महिलाओं, जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने भाग लिया और महिला सशक्तिकरण के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। रैली के दौरान पूरे मार्ग में महिलाओं का आक्रोश साफ दिखाई दिया। हाथों में तख्तियां और नारों के माध्यम से महिलाओं ने 33% आरक्षण की अपनी मांग को जोरदार तरीके से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए यह स्पष्ट संदेश दिया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं और उन्हें हर हाल में उनका उचित हक मिलना चाहिए। इस अवसर पर सांसद जगदंबिका पाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु 'नारी शक्ति वंदन' जैसे ऐतिहासिक विधेयक को गंभीरता से आगे बढ़ाया। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में तीन दिनों तक विशेष सत्र का संचालन किया गया तथा विपक्ष के सभी दलों से सहयोग की अपील भी की गई। इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी एवं कांग्रेस के कुछ सदस्यों द्वारा इस विधेयक का विरोध किया गया, जिसके कारण यह पारित नहीं हो सका। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य, नौगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद माधव, सांसद प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, राजेंद्र पांडे, सच्चिदानंद पांडे, जयवर्धन तिवारी, उसका नगर पंचायत अध्यक्ष मंजू जायसवाल शोहरतगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल, सरोज शुक्ला सहित हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर इस रैली को ऐतिहासिक बना दिया। महिलाओं ने एक स्वर में महिला आरक्षण के समर्थन में अपनी मांग रखते हुए सरकार से इस विधेयक को शीघ्र लागू कराने की अपेक्षा व्यक्त की।

खेत से सिंचाई इंजन चोरी, पांच लोगों पर शक, पुलिस में मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना पूराकलां क्षेत्र में खेत से सिंचाई के लिए लगा इंजन चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान ने गांव के ही पांच लोगों पर चोरी का शक जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद इलाके में किसानों के बीच चिंता का माहौल है। थाना पूराकलां क्षेत्र के मजरा मुतियानाला खिरक निवासी सुखदीन रजक पुत्र हररिया ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनके खेत पर सिंचाई के लिए लगा पंप इंजन पिछले करीब 8 वर्षों से स्थापित था, जिससे वे अपनी फसलों की सिंचाई करते थे। पीड़ित के अनुसार बीती 27 जनवरी 2026 की रात अज्ञात समय पर उनके खेत से इंजन चोरी हो गया। घटना की जानकारी होने के बाद उन्होंने काफी समय तक अपने स्तर पर इंजन की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। पीड़ित ने गांव के ही कुछ लोगों पर चोरी का संदेह जताया है, जिनमें रामप्रकाश पुत्र बाबू लोधी, केहर पुत्र ललिन लोधी, वंद्राबन पुत्र देला बरार, रूपलाल पुत्र जरथ लोधी, जमप्रकाश पुत्र रामदयाल रजक पर इंजन चोरी करने का आरोप लगाया गया है।

प्रचंड गर्मी से बचाव हेतु संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान द्वारा लोगों को किया जा रहा है जागरुक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुलबाजार अमेठी। इस भीषण गर्मी मे भी कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी खेतों मे काम कर रहे श्रमिकों,सड़कों पर चल रहे श्रमिकों तथा अन्य जगहों पर धूप मे काम कर रहे श्रमिकों से मुलाकात कर उन्हे जलपान की व्यवस्था करते हुए देखे जा रहे हैं और उनसे गर्मी से बचाव हेतु विचार साझा कर रहे हैं और अधिक धूप से बच कर रहने हेतु प्रेरित कर रहे हैं विगत कयी दिनों से वह विभिन्न स्थानो पर पहुंचकर अति जरुरतमंदो से मुलाकात कर यथासंभव स्वास्थ्य के प्रति सचेत कर रहे हैं और इस प्रचंड गर्मी के मद्देनजर हाइड्रेट एवं सादा भोजन एवं तरल खाद्य पदार्थ का सेवन करने के लिए अपील भी कर रहें है जिससे स्वास्थ्य अच्छा बना रहे उसी क्रम मे संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी ने क्षेत्र मे पहुंचकर श्रमिकों से मुलाकात कर जलपान करवाया एवं अंगवस्त्र भेंट किया उनके इस पुनीत महाभियान का समाज का प्रत्येक वर्ग सराहना कर उनका मनोबल बढ़ाने का कार्य कर रहा है वहीं सामाजिक कार्यो के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों मे उत्कृष्ट योगदान देने वाली संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजि के प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी का कहना है कि वह विगत कयी वर्षो से प्रबुद्धजनो के मार्गदर्शन उत्साहवर्धन एवं सहयोग से यथासंभव सामाजिक सेवाओं हेतु प्रयासरत हैं और भविष्य मे भी ऐसे पुनीत कार्य करते रहेंगे उनके कुशल नेतृत्व एवं निस्वार्थ भावना से प्रेरित होकर और संस्था पर विश्वास जताते हुए लोग उनका सहयोग भी कर रहे हैं ताकि उनके द्वारा सहयोग की गयी वस्तुएं जरुरतमंदो तक पहुंच जाएं संस्था पर लोगों के बढ़ते हुए विश्वास को समाजसेवी पी के तिवारी संस्था के लिए गौरवपूर्ण पल बता रहे हैं।

लापता गैस, पेट्रोल-डीजल पर भड़का जनाक्रोश

●बलरामपुर में सपा का जोरदार प्रदर्शन, किसान से लेकर आम जनमानस परेशान

सैकड़ों कार्यकर्ताओं का पैदल मार्च, राष्ट्रपति के नाम एडीएम को सौंपा ज्ञापन – कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर – जिले में गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की किल्लत तथा कथित कालाबाजारी के खिलाफ गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। समाजवादी अंबेडकर वाहिनी के बैनर तले निकले इस विरोध मार्च में किसान, बेरोजगार, कर्मचारी और महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल रहीं।

वीर विनय चौराहे से जिलाधिकारी कार्यालय तक निकाले गए पैदल मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने 'लापता गैस ', 'लापता पेट्रोल' और 'लापता डीजल' लिखे कट-आउट हाथों में लेकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। 'कालाबाजारी बंद करो' और 'आम जनता को राहत दो' जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम (न्यायिक) को सौंपा। ज्ञापन में जिले में ईंधन और रसोई गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। इस मौके पर गैसड़ी विधायक राकेश कुमार यादव ने कहा कि आम जनता को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक है।

पूर्व विधायक तुलसीपुर अब्दुल मशहूद खान का बयान बना प्रदर्शन का केंद्र

पूर्व विधायक तुलसीपुर अब्दुल मशहूद खान ने प्रशासन पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'किसान से लेकर आम जनमानस तक हर वर्ग परेशान है। गेहूं कटाई के समय डीजल की भारी जरूरत होती है, लेकिन प्रशासन की पाबंदियों के कारण किसान संकट में हैं। डिब्बे में तेल लेने पर रोक से किसान पंपिंग सेट के लिए डीजल कैसे जुटाएंगे? '

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन में मनीष सोनकर, परशुराम वर्मा, गणेश प्रसाद यादव, ओंकार नाथ पटेल, संजय यादव, इकबाल जावेद फ्लावर, विनय वर्मा, अरविंद चौधरी, विशाल श्रीवास्तव, वसीम खान और शैलेंद्र यादव सहित कई सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

(खबर का प्रभाव)

ईंधन संकट और कालाबाजारी के आरोपों को लेकर उठी यह आवाज अब जनआंदोलन का रूप लेती दिख रही है, जिसमें किसानों से लेकर आम नागरिक तक राहत की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

नगर पालिका में नामित सभासदों ने ली शपथ, जिम्मेदारियों के निर्वहन का किया वादा

तिलहर (शाहजहांपुर)। नगर पालिका परिषद परिसर में आयोजित एक सादे लेकिन महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शासन द्वारा नामित पांच सभासदों को उप जिलाधिकारी जीत सिंह राय ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम पालिकाध्यक्ष हाजरा बेगम तथा अधिशासी अधिकारी सत्येंद्र प्रकाश ने नव-नामित सभासदों का स्वागत करते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट किए। इसके उपरांत सविता वर्मा, विमलेश राठौर, आशीष कुमार शर्मा, सेठी कश्यप तथा पवन कुमार ने औपचारिक रूप से शपथ ग्रहण की। सभी ने अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने का भरोसा जताया। पूर्व पालिका अध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि नगर के विकास के लिए सभी प्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा, तभी जनता की अपेक्षाएं पूरी हो सकेंगी। उन्होंने नई टीम से आशा जताई कि वे विकास कार्यों को गति देंगे और आमजन की समस्याओं के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। भाजपा के पूर्व नगराध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि नगर की बुनियादी व्यवस्थाओं को मजबूत करना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सफाई, पेयजल, जल निकासी और सड़क जैसी सुविधाओं में सुधार लाना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। कार्यक्रम में सुशील बाबू गुप्ता, अरुण यादव, चैनू, कमलेश गुप्ता पप्पू, प्रदीप गुप्ता दीपू, संजय पाठक समेत भाजपा के तमाम कार्यकर्ता, सभासद तथा नगर पालिका का स्टाफ मौजूद रहा।

फुटपाथ पर कब्जा कर बेच रहे मौरंग, गिट्टी व बालू

सिद्धार्थनगर। शहर की सड़कों से लेकर ग्रामीण सड़कों का फुटपाथ कमाई का अड्डा बन गया है। बिल्डिंग मैटेरियल बेंचने वालों ने भी अपना माल फुटपाथ पर जमा कर रखा है। इससे हजारों राहगीर रोजाना जाम की समस्या से जूझते हैं। पर कोई देखने सुनने वाला नहीं है। इसलिए अतिक्रमणकारियों की अराजकता का दौर जारी है। रहने के लिए घर व काम-धंधे के लिए मार्केट बनाने के प्रयोग में इस्तेमाल होने वाली गिट्टी, मौरंग व बालू यातायात व्यवस्था के लिए खलनायक बन गई है। दुल्हा चौराहे से लेकर ककरहवा तक सड़क पर जगह-जगह गिट्टी, मौरंग, सीमेंट, बालू व सरिया के ढेर लगे नजर आते हैं। रोड किनारे पैदल आने-जाने वालों के लिए बना फुटपाथ ने गोदाम का रूप ले रखा है। नागरिकों की मानें तो ज्यादातर असरदार लोग इस गोरखधंधे में लगे हैं। वे मनमानी करने से रोकने-टोकने पर गाली-गलौज व मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। कई सड़कें जगह-जगह अवैध कब्जों की गवाह बनी हैं। यातायात व्यवस्था चौपट है पर किसी को कोई परवाह नहीं है। राहगीरों के दुख-दर्द को दूर करने के एवं अतिक्रमण हटाने के लिए केवल कागजी घोड़े ही दौड़ाए जा रहे हैं। बंद कमरों में जारी उच्चाधिकारियों के आदेश कागज की फाइलों में कैद होकर दम तोड़ रहे हैं।

फिरोजाबाद में पिता के हत्यारे बेटे को पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा, संपत्ति विवाद था वजह

फिरोजाबाद। शिकोहाबाद के बढ़ाई पूरा गांव में 80 वर्षीय सुघर सिंह के सिर पर वजनदार वस्तु से हमला कर हत्या कर दी गई थी। बड़े बेटे ने संपत्ति विवाद में छोटे भाई जर्मन सिंह पर हत्या का आरोप लगाया था। बुधवार रात 12 बजे पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित नगला सुंदर में जवाहर पुलिया के पास छिपा है। पुलिस ने घेरेबंदी की तो आरोपित ने फायरिंग की। पुलिस की फायरिंग में जर्मन के पैर में गोली लगी और गिर पड़ा। उसके पास तमंचा, कारतूस और हत्या में प्रयुक्त सब्बल बरामद हुआ है।

ग्राम पंचायत प्रधानों की बैठक 24 को

सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र शोहरतगढ़ के ग्राम प्रधानों की आवश्यक बैठक 24 अप्रैल को शुक्रवार को दोपहर में खंड विकास अधिकारी कार्यालय सभागार में होगी। जिसमें ग्राम पंचायत में कराए गए कार्यों के भुगतान व अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। ये जानकारी पंचायतीराज ग्राम पंचायत प्रधान संगठन जिला अध्यक्ष डॉक्टर पवन मिश्रा ने देते हुए ग्राम प्रधानों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

कागजों पर बना डाला अम्बेडकर पार्क, हकीकत में सिर्फ भ्रष्टाचार का सन्नाटा

● प्रधान और सचिव ने 'साठगांठ' से सरकारी खजाने को 5.88 लाख रुपये का किया 'डिजिटल गबन'-आरोप

● बिजुआ ब्लॉक में पंचायती राज व्यवस्था के दावों की उतरी कलई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी के बिजुआ विकास खंड की ग्राम पंचायत बेलहा सिकटिहा इन दिनों विकास की वजह से नहीं, बल्कि 'कागजी जादूगरी' के कारण सुर्खियों में है। यहाँ के ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत अधिकारी गोल्डी वर्मा ने मिलकर एक ऐसी इबारत लिखी है, जिसे सुनकर किसी भी ईमानदार व्यक्ति का तंत्र से भरोसा उठ जाए। बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के नाम पर बनने वाले पार्क के बजट को सरकारी मशीनरी ने इतनी सफाई से साफ किया कि धरातल पर एक ईंट तक नहीं पहुँची, लेकिन वाउचरों के जरिए खजाना पूरी तरह खाली कर दिया गया।

भ्रष्टाचार की 'क्रोनोलॉजी': किस्तों में लूट का ब्लूप्रिंट..!!

सूत्र बताते हैं कि सरकारी बजट को डकारने के लिए एक सुनियोजित साजिश रची गई। जिससे किसी को शक न हो, इसलिए रकम को एक साथ निकालने के बजाय अलग-अलग तारीखों और मदों में निकाला गया। जून 2025 से शुरू हुआ यह खेल फरवरी 2026 तक अनवरत चलता रहा।

» **सेंधमारी की शुरुआत:** 25 जून 2025 को बाउंड्रीवाल के नाम पर पहली और सबसे बड़ी चोट 3,29,578 की मारी गई। यह वह रकम थी जिससे एक मजबूत घेराव तैयार हो जाना चाहिए था।

» **दोबारा लूट:** चार महीने बाद, 26 अक्टूबर 2025 को उसी बाउंड्रीवाल के नाम पर फिर से 1,12,093 निकाल लिए गए।

» दिसंबर का 'डबल शॉट': 26 दिसंबर को एक ही दिन में दो वाउचर (20,450 और 46,573) पास किए गए। कागजों पर दिखाया गया कि पार्क में मिट्टी की पटाई हो रही है और अन्य सौंदर्यीकरण के कार्य चल रहे हैं।

» अंतिम बार 24 फरवरी 2026 को जब पार्क का नामोनिशान तक नहीं था, तब अंतिम किस्त के रूप में 80,240 निकालकर फाइल को कागजों पर 'पूर्ण' (Complete) घोषित कर दिया गया।?जब ग्रामीणों ने सरकारी पोर्टल पर इन भुगतानों को देखा, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। जिस स्थान को अम्बेडकर पार्क के लिए चिह्नित किया गया था, वहां की हकीकत यह है:

» मिट्टी का खेल लगातार जारी है और मिट्टी भराई के नाम पर हजारों रुपये निकाले गए, लेकिन ज़मीन आज भी ऊबड़-खाबड़ और गड्ढों से भरी है।?जनता से विश्वासघात करने और बाबा साहब के नाम पर आवंटित धन की चोरी ने न केवल आर्थिक गबन किया है, बल्कि दलित और पिछड़े समाज की भावनाओं को भी गहरी चोट पहुँचाई है।

अधिकारियों की चुप्पी: संरक्षण या लापरवाही?

» इस पूरे प्रकरण में सबसे बड़ा सवाल ब्लॉक के तकनीकी सहायकों और उच्चाधिकारियों पर उठता है।

» MB (Measurement Book) कैसे भरी गई?

» क्या बिना मौके पर जाए ही अधिकारियों ने फाइलों पर हस्ताक्षर कर दिए?

» क्या सचिव गोल्डी वर्मा और प्रधान नेपाली राज को ऊपर बैठे किसी कद्दावर सफेदपोश का संरक्षण प्राप्त है?

» बिना 'भौतिक सत्यापन' के इतनी बड़ी रकम का भुगतान हो जाना सीधे तौर पर प्रशासन की मिलीभगत की ओर इशारा करता है।

ग्रामीणों ने आवाज उठाई है कि हमे 'बहानेबाजी नहीं, कार्रवाई चाहिए। '?जब ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान से इस बारे में सवाल किया, तो उन्हें हर बार 'तकनीकी खराबी' या 'काम शुरू होने वाला है' जैसे रटे-रटाए जवाब देकर चलता कर दिया गया। लेकिन अब ग्रामीण चुप बैठने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया के माध्यम से जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी से मांग की है कि:?इस 'कागजी पार्क' की विजिलेंस जांच कराई जाए।

दोषी प्रधान और पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। जनता के टैक्स के पैसे की एक-एक पाई की रिकवरी की जाए।

यक्ष प्रश्न: क्या सूबे के मुख्यमंत्री का 'बाबा' वाला बुलडोजर इन भ्रष्टाचार के खिलाड़ियों की अवैध संपत्तियों और उनके मंसूबों पर चलेगा? या फिर बेलहा सिकटिहा की जनता इसी तरह धूल फांकती रहेगी और भ्रष्ट तंत्र मौज उड़ाएगा?

वर्जन:- क्या बोले ग्राम विकास अधिकारी बिजुआ...

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध मे जब ग्राम विकास अधिकारी बिजुआ से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि 'ठीक है मै अभी बाहर हूं आकर तब दिखवाता हूं'। जब सम्बन्धित मामले मे जब डीपीआरओ खीरी विशाल सिंह से जानकारी के लिए सम्पर्क किया गया तो उनके फोन की बेल बजती रही किन्तु फोन नही उठा।

रंजिश ने लिया हिंसक रूप: दो गुटों में बवाल, 14 घायल

तिलहर, शाहजहांपुर। पुरानी रंजिश चलते दो पक्षों में हिंसक विवाद हो गया और देखते ही देखते लाठी डंडे चलने लगे जिनमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। थाना अंतर्गत ग्राम अजमतपुर निवासी वेदराम तथा रामकरन के परिवारों के बाद पुरानी रंजिश चल रही है। गुरुवार को जब दोनों पक्ष आमने-सामने आए तभी गाली गलौज से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया और देखते ही देखते दोनों तरफ से लाठी डंडे चलने लगे जिसमें एक पक्ष से तेजराम, रामकरन, जसकरन, गीता, सुमिता और तेज पाल घायल हुए हैं, जबकि दूसरे पक्ष से राजेश, वेदराम, मुकेश, जितेंद्र, मुकेशवती, जितेंद्र उर्फ मुरारी, सुनीता तथा राजवीर घायल हो गए। वेदराम मैं पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 अप्रैल को उनके घर के बाहर कुछ लोगों ने गाली-गलौज की थी, जिसे ग्रामीणों ने किसी तरह शांत करा दिया था। लेकिन आज जब वह खेत पर जा रहा था तभी आरोपितों ने उन्हें रास्ते में रोककर मारपीट शुरू कर दी। उधर दूसरे पक्ष के रामकरन ने बताया कि वह अपने घर के बाहर बैठे थे तभी विपक्षीगण वहां पर आ गए और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया कोतवाल जुगल किशोर पाल ने बताया कि दोनों पक्षों के विरुद्ध तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

माफिया- सरकार गठजोड़ के आगे घुटनों पर प्रशासन: क्रय केंद्र बने लूट के अड्डे, अन्नदाता से खुली वसूली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर। गेहूं क्रय केंद्रों की सच्चाई अब सिर्फ अव्यवस्था नहीं, बल्कि संगठित लूट का खुला खेल बन चुकी है। जिन केंद्रों पर किसानों को उनकी मेहनत का समर्थन मूल्य मिलना चाहिए, वहां सत्ता संरक्षण में पल रहे माफिया और बिचौलिए खुलेआम कानून को ठेंगा दिखा रहे हैं। बिना रिश्वत और 'सेटिंग' के किसान का गेहूं तौलना तक नामुमकिन बना दिया गया है। सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि यह पूरा भ्रष्टाचार सत्ता पक्ष के दबंगों की छत्रछाया में फल-फूल रहा है। मुख्यमंत्री के सख्त आदेश भी यहां मजाक बन चुके हैं।जमीनी स्तर पर उनकी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। प्रशासन की भूमिका पूरी तरह संदिग्ध और निष्क्रिय नजर आ रही है, मानो उसने जानबूझकर आंखें मूंद ली हों। किसान लगातार सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग कर रहे हैं, ताकि खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जा सके। लेकिन प्रशासन की चुप्पी यह साफ संकेत देती है कि कहीं न कहीं इस 'अंधेरे' को बनाए रखने में ही कुछ लोगों का फायदा है। सवाल सीधा है–अगर सब कुछ साफ है, तो पारदर्शिता से डर क्यों?

जमीनी हकीकत यह भी उजागर कर रही है कि मंडी समिति के कुछ कर्मचारी भी इस पूरे खेल में बराबर के हिस्सेदार बने हुए हैं। 'अपने लोगों' का गेहूं पहले तौला जा रहा है, जबकि आम किसान धूप-बारिश में केंद्रों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। बुधवार क आरएफसी केंद्र प्रभारी का एक किसान से 9 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा जाना इस सड़ांध का सिर्फ एक नमूना है। असली सवाल यह है कि क्या कार्रवाई सिर्फ छोटे कर्मचारियों तक सीमित रखकर पूरे मामले पर पर्दा डाल दिया जाएगा, या फिर उन रसूखदार चेहरों तक भी जांच पहुंचेगी जो इस भ्रष्ट तंत्र के असली संचालक हैं? भारतीय किसान यूनियन यूथ विंग के अध्यक्ष आदित्य प्रताप सिंह लोधी ने साफ चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही क्रय केंद्रों से माफियाओं का कब्जा खत्म नहीं हुआ, सीसीटीवी नहीं लगे और निष्पक्ष खरीद सुनिश्चित नहीं हुई, तो किसान सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेंगे।अब निर्णायक घड़ी है–क्या प्रशासन किसानों के हक में खड़ा होगा, या फिर सत्ता के दबाव में यूं ही मूकदर्शक बनकर अन्नदाता का शोषण देखता रहेगा।

संघ के शताब्दी वर्ष पर 'राष्ट्रधर्म' विशेषांक का वितरण, भाजपा पदाधिकारियों में दिखा उत्साह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला– राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे शताब्दी वर्ष के अवसर पर 'राष्ट्रधर्म' नामक पत्रिका के विशेष अंक का वितरण भारतीय जनता पार्टी के जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों को किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा के शिविर कार्यालय, एटा रोड टूण्डला पर आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने कहा कि 'थकना हमारा स्वभाव नहीं है, हमें निरंतर चलते रहना है।' उन्होंने संघ के 100 वर्षों के गौरवपूर्ण इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सदी तक पूरी गति और निरंतरता के साथ अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना कोई सरल कार्य नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने इसे पूरी निष्ठा और तल्लीनता के साथ निभाया है।

उन्होंने आगे कहा कि संघ ने समय के साथ अपने कार्य की गति को और तेज किया है। उसका मुख्य लक्ष्य भारत को पुनः 'जगतगुरु' के पद पर स्थापित करना है, ताकि देश अपना खोया हुआ वैभव प्राप्त कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा वातावरण बने, जहां 'भारत माता की जय' की गूंज हर दिशा में सुनाई दे और पूरा विश्व आत्मीयता, शांति एवं आनंद के साथ जीवन व्यतीत करे। इस अवसर पर पत्रिका वितरण के दौरान प्रमुख रूप से अनिल चौधरी, दिनेश गुप्ता, आकाश शर्मा, शिव शंकर शर्मा, राघवेंद्र सिंह, प्रमोद बाबू, डॉ. शोभित सिंह, पवन चक, नीलम दिवाकर, रेनू उपाध्याय, ओमेंद्र बघेल, स्नेह लता कुशवाह, विपिन शिवहरे, शीलू सविता, पूरन सिंह लोधी, शैलेंद्र सिंह, राजीव यादव,पवनझा, सुरेंद्र सावंत झा, अजीत कुशवाहा, अजीत जुरैल सहित अन्य वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रभावना से ओतप्रोत वातावरण में हुआ, जहां उपस्थित सभी लोगों ने देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए संकल्प लिया।

ट्रक-बोलेरो भिड़ंत में मासूम की मौत, कई घायल

● माता-पिता को हज के लिए भेज कर लौट रहा था परिवार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर, शाहजहांपुर। गुरुवार को गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने एक बोलेरो में टक्कर मारती जिससे एक मासूम की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। बरेली जनपद के बहेड़ी थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर निवासी दानिश ने बताया कि शाहनवाज अपने पिता अतीक अहमद और मां को सुबह लखनऊ एयरपोर्ट हज के लिए छोड़कर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ लौट रहे थे। दोपहर करीब एक बजे तिलहर कटरा के मध्य ग्राम धनेला के सामने अचानक सामने से गलत दिशा में आए ट्रक ने उनकी बोलेरो में टक्कर मार दी। जिससे चालक शाहनवाज सुमित बोलेरो में सवार अल्तमस, इलमा, शवा, शमा, इरम तथा मासूम जाहरा लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख- पुकार मच गई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक जुगल किशोर पाल तथा दुर्घटना प्रभारी जोगेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को गंभीरावस्था में रेफर कर दिया। परिजन जब निजी एंबुलेंस से उपचार के लिए बरेली जा रहे थे तभी रास्ते में तारिक की डेढ़ वर्षीय पुत्री जाहिरा ने दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया जिसे पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर सुचारू करवाया।

शान्तिभंग मे हैदराबाद पुलिस ने तीन लोगो को किया गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी, थानाध्यक्ष हैदराबाद सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना हैदराबाद पुलिस टीम द्वारा दिनांक 23.04.2026 को शान्ति व्यवस्था भंग करने वाले 02 अभियुक्तगणो 1. फरहाद पुत्र सिकन्दर उम्र करीब 42 वर्ष निवासी ग्राम व थाना हैदराबाद 2.सब्बन पुत्र सिकन्दर उम्र करीब 45 वर्ष निवासी ग्राम व थाना हैदराबाद 3. अमित कुमार पुत्र श्रीकेशन उम्र करीब 25 वर्ष निवासी ग्राम पन्नापुर थाना को गिरफ्तार कर अन्तर्गत धारा 170/135/126 बीएनएसएस में वास्ते विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय गोला के समक्ष भेजा गया, वही गिरफ्तार करने वाली टीम मे मुख्य रूप से उप निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार, आरक्षी प्रेमशंकर व संजीव यादव थाना हैदराबाद खीरी मुख्य रूप से सामिल रहे।

ध्वस्तीकरण आदेश के बावजूद नहीं हटवाया गया अवैध कब्जा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला/लखीमपुर खीरी मामला तहसील गोला के ग्राम पलहनापुर परगना भूड का है जहां पर गाव के ही लगभग 8 लोगों ने नवीन परती की सरकारी जमीन जो सामुदायिक भवन के लिए आरक्षित बताई जाती हैं उक्त जमीन पर उक्त 08 लोगों ने कब्जा कर मकान बनवा लिए थे।जिन पर प्रधान और लेखपाल द्वारा धारा 67 की कार्रवाई की गई थी।जिसमें बेदखली आदेश भी हो चुका है लकिन कानूनगो, लेखपाल मोहन कश्यप और तहसील दार की मिलीभगत के चलते आज तक जमीन खाली नहीं कारवाई गई।

ग्राम प्रधान ने बताया कि राजेंद्र सिंह, बृजेंद्र सिंह, शिव बालक सिंह, गजेंद्र सिंह पुत्रगण हरदयाल सिंह के विरुद्ध बेदखली/ध्वस्तीकरण के आदेश पारित हुए सालों बीतने के बाद भी बेदखली की कार्रवाई नहीं की जा रही है।कानूनगो और लेखपाल की साठ गांठ के चलते आज तक सरकारी जमीनों पर बने मकानों का ध्वस्तीकरण नहीं कराया गया। सरकारी जमीनों पर आज भी अवैध कब्जा बरकार देखा जा सकता है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि का आरोप है कि राजस्व निरीक्षक और लेखपाल मोहन कश्यप पैसा लेकर मामले की लीपापोती में लगे हुए हैं।विपक्षी लोगों के खिलाफ हुए बेदखली आदेश में वर्तमान लेखपाल अवैध कबजेदारों के पक्ष में रिपोर्ट लगाकर पुनः बहस करने का प्रयास कर रहे हैं पारित आदेश के विरुद्ध एसडीएम न्यायिक के न्यायालय में लेखपाल पर पुनः जिरह करने का दबाव कानूनगो द्वारा बनाए जाने के आरोप ग्राम प्रधान ने लगाये हैं। प्रधान ने बताया कानूनगो द्वारा कबजेदारों से मोटी रकम वसूलकर पारित बेदखली आदेश को अपास्त करने का कुचक्र चल रहा है। पूरे प्रकरण की लिखित शिकायत मंडलायुक्त लखनऊ मंडल और नवागत जिलाधिकारी से कर उच्च स्तरीय जांच कमेटी गठित कर जांच कराए जाने की मांग किए जाने की बात प्रधान द्वारा कही गई है।

कांच उद्योग पर आया असर, गैस के ओवर ड्रॉ पर अब करना होगा ज्यादा दर से भुगतान; नई रेट लागू

फिरोजाबाद। मध्य एशिया में ईरान-इजराइल युद्ध के चलते जिले के कांच उद्योग के लिए गैस आपूर्ति की राह और भी कठिन हो गई है। अब उद्यमियों को निर्धारित कोटे से अधिक गैस की खपत (ओवर ड्रॉ) करने पर 128.85 रुपये प्रति घनमीटर की दर से भुगतान करना होगा। इससे पहले उद्यमियों को 124 रुपये की दर से बिल आया था। गैस की रेट बढ़ने का असर चूड़ी और कांच उत्पादन पर पड़ेगा। कांच इकाइयों को उनके अनुबंधित रिगैसीफाइड लिक्विड नेचुरल गैस (आरएलएनजी) गैस कोटे में से केवल 80 प्रतिशत ही खपत करने की हिदायत दी गई थी। गेल ने चेतावनी दी थी कि इससे अधिक गैस का उपयोग करने पर स्पाट आरएलएनजी यानी कमर्शियल श्रेणी की दर से बिल का भुगतान करना होगा। बुधवार सुबह गेल ने उद्यमियों के मेल भेजकर इन नई दरों की आधिकारिक पुष्टि कर दी। इससे उद्यमी चिंतित हैं। बढ़ी हुई दरें एक अप्रैल से खपत के आधार पर लागू होंगीं। उद्यमी राजकुमार मित्तल बताया कि गेल ने नई दरें जारी करने के संबंध में ई-मेल भेजा है।

मानक विहीन बोरिंग कराए जाने और कमीशन खोरी के लगाए जा रहे आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। लघु सिंचाई विभाग इन दिनों जिले में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। मध्य गहरी बोरिंग योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद किसानों ने आवाज उठाई तो विभाग में हड़कंप मच गया।मामला तब तूल पकड़ा जब किसान लगातार घटिया बोरिंग और कमीशनखोरी की शिकायतें लेकर दफ्तरों के चक्कर काटते रहे। आरोप है कि जेई और बीटी की मिलीभगत से मानक विहीन बोरिंग कराई जा रही है। काम के नाम पर किसानों को सिर्फ आश्वासन मिल रहा था।

कुछ किसानों ने अधिकारी से यह भी कहा कि 'साहब, टेस्टिंग-ट्रायल का पैसा किस मद से लिया जाता है? कभी डीजल के नाम पर तो कभी भाड़े के नाम पर हमसे वसूली होती है। साहब, ये लोग ट्रायल-टेस्टिंग समय पर करते ही नहीं हैं।' किसानों का आरोप है कि ट्रायल न होने से बोरिंग फेल हो रही है और बाद में उन्हें ही नुकसान उठाना पड़ता है।किसानों की शिकायतों पर लघु सिंचाई विभाग के कुछ अधिकारियों ने संज्ञान लिया। 22 अप्रैल बुधवार को अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई सीतापुर डिवीजन ने लखीमपुर खीरी के ब्लॉक बेहजम में मध्य गहरी बोरिंग की जांच की। टीम ने पांच बोरिंग चेक कीं, जिनमें से तीन में गंभीर कमियां पाई गई।जांच की भनक लगते ही भ्रष्टाचार में लिप्त जेई और बीटी में हड़कंप मच गया। विकास भवन में भी हलचल तेज है। अवर अभियंता के इर्द-गिर्द जेई की परिक्रमा जारी है। गुपचुप मीटिंग चल रही हैं और उनकी भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं सहायक अभियंता का अता-पता नहीं है।अधिशासी अभियंता ने बताया कि चेकिंग अभियान आगे भी जारी रहेगा। गांव-गांव जाकर बोरिंग की गुणवत्ता परखी जाएगी। जब तक किसानों की दिक्कत दूर नहीं होती, कार्रवाई चलती रहेगी।हालात सिर्फ ब्लॉक बेहजम के नहीं हैं। जिले के ज्यादातर ब्लॉकों से इसी तरह की शिकायतें आ रही हैं। किसान दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं लेकिन फाइलें आगे नहीं बढ़ रही। घटिया बोरिंग, कमीशनखोरी और दलालों की सक्रियता ही अब लघु सिंचाई विभाग की पहचान बन गई है।

विभागीय सूत्रों की मानें तो जांच में कई और बोरिंग फेल होने की आशंका है। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे।

मेधावियों ने लहराया सफलता का परचम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। यूपी बोर्ड परीक्षा परिणामों में बिस्कोहर के छात्र-छात्राओं ने अपनी मेधा का लोहा मनवाते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों ही स्तरों पर विद्यार्थियों ने जिले की टॉप-10 सूची में स्थान बनाया है। छेदीलाल इंटर कॉलेज के छात्र मोहम्मद हासिम ने हाईस्कूल में 94.17 प्रतिशत अंक पाकर जनपद में पांचवां स्थान प्राप्त किया। हासिम ने बताया कि वह नियमित रूप से देर रात और सुबह मिलाकर 8-10 घंटे पढ़ाई करते थे। उनकी इस सफलता पर पिता गुलाम अहमद व परिजनों ने खुशी जताई है। वहीं, इंटरमीडिएट में सर्वोदय इंटर कॉलेज डोकम अमया की छात्रा श्रेया श्रीवास्तव ने 90.8 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले की मेरिट में जगह बनाई।

श्रेया ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और माता-पिता को दिया है। मेधावियों की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में जश्न का माहौल है और लोग उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रहे हैं। जबकि अभिनव श्रीवास्तव 91.83 प्रतिशत, खुशी सोनी 86.20 प्रतिशत, प्रभावती देवी कन्या इंटर कालेज कोहडौरा आकृति श्रीवास्तवा 90.3 प्रतिशत हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

संक्षिप्त खबरें

चार थानों से बरामद 6.561 किलो गांजा, ब्राउन शुगर व अफीम का विनिष्टीकरण

भदोही। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन दहन' अभियान के तहत भदोही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये के अवैध नशे को नष्ट कराया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के नेतृत्व में जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) द्वारा विभिन्न थानों में बरामद मादक पदार्थों का नियमानुसार विनिष्टीकरण किया गया। जानकारी के अनुसार, जनपद के गोपीगंज, औराई, कोईरौना व ऊंज थानों में दर्ज चार अलग-अलग अभियोगों से संबंधित कुल 6.561 किलोग्राम गांजा, ब्राउन शुगर व अफीम को नष्ट कराया गया। इन मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत 54 लाख से अधिक बताई गई है। न्यायालय के आदेश एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप इन अवैध पदार्थों का विनिष्टीकरण प्रयागराज जनपद के हंडिया क्षेत्र स्थित धानूपुर में एक अधिकृत इकाई के इंसिनरेटर के माध्यम से कराया गया। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने बताया कि मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इस तरह के अभियानों के जरिए नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा रहा है। इस कार्रवाई में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल व क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर प्रभात राय सहित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया पोषण पखवाड़ा दिवस

चुनार, मीरजापुर। कैलहट स्थिति वाल विकास परियोजना कार्यालय पर गुरुवार को पोषण पखवाड़ा दिवस धूमधाम से मनाया गया।वाल विकास परियोजना अधिकारी रेनू पांडेय के निर्देश पर कार्यालय पर मुख्य सेविका आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां स्वयं सहायता समूह की महिलाएं शामिल हुए। सीडीपीओ ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान झंडा बैनर स्लोगन के साथ एक समूह में शिवशंकरी धाम कैलहट बाजार होते हुए रैली का समापन कार्यालय पर समाप्त हुआ। रैली के पश्चात उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशन पर पोषण पखवाड़ा दिवस मनाया जा रहा जो पखवाड़ा का लक्ष्य गांव गांव तक कुपोषण मुक्त जच्चा-बच्चा सुनिश्चित करना और जीवन के एक हजार दिनों के महत्व को समझना है । इस अवसर पर 6 माह पूरे कर चुके बच्चों का अन्न प्रासन कराया गया उन्होंने माताओं को स्तनपान के अलावा दाल का पानी मसला हुआ केला और खिचड़ी जैसे पूरक आहार देने की सलाह दी। इस अवसर पर मुख्य सेविका संतोषी सिंह मंदिता तिवारी,दीपा सिंह चंदेल, प्रभा कुमारी सहित सैकड़ों आंगनवाड़ी कार्यकर्ति मौजूद रहीं।

बाइक से जा रहे हैं मां बेटे को ट्रक ने टक्कर मार दी

मिर्जापुर जनपद के अहरौरा थाना क्षेत्र में बुधवार की रात लगभग 8:00 बजे अहरौरा चकिया संपर्क मार्ग स्थित खजगीपुर ग्राम में बाइक से जा रहे हैं मां बेटे को ट्रक ने टक्कर मार दी। ट्रक की चपेट में आने से महिला का घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर अग्रिम कार्रवाई में जुट गए। बताते चले कीप्रभावती उम्र 50 साल, पति शंकर यादव निवासी दादो अपने घर से दवा लेने के लिए अहरौरा नगर की ओर निकली थी तभी रास्ते में ये हादसा हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने चक्का जाम कर मार्ग अवरुद्ध कर दिया , और आए दिन रोड पर हो रहे एक्सीडेंट को लेकर स्थाई समाधान हेतु उच्च अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़ गए। धूरियां और मगन दीवाना पहाड़ पर दर्जनों की संख्या में कटर प्लांट और क्रेशर अनवरत चलता है जिससे पत्थर लोडिंग के लिए सैकड़ो हाईबा और ट्रक दिन-रात फर्राटा भरते रहते हैं जिससे आए दिन कोई ना कोई कुचल कर काल के गाल में समा जाता है। डबल लेन सड़क होने की वजह से खतरे का आशंका हमेशा बना रहता है। खबर लिखे जाने तक मौके पर उच्च अधिकारी नहीं पहुंच पाए थे ,परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

डीएम का आदेश बेअसर! टीसी के नाम पर 'हजार की उगाही', प्राइवेट स्कूल की खुली दबंगई

● फीस-वाहन शुल्क के बाद अब प्रमाण पत्र भी बना कमाई का जरिया, शिकायत की चेतावनी पर बोला प्रबंधन- 'जहां जाना है जाइए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में जिलाधिकारी शैलेष कुमार के सख्त निर्देशों के बावजूद निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम नहीं लग पा रही है। अभिभावकों से मनमानी फीस और वाहन शुल्क वसूलने के बाद अब स्कूल प्रबंधन ने स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) को भी कमाई का जरिया बना लिया है। ताजा मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। नगर के चकसैफ स्थित फकीर अली मेमोरियल पब्लिक स्कूल में टीसी के नाम पर अवैध वसूली का मामला उजागर हुआ है। जानकारी के अनुसार, अभिभावक शौकत अली अपने भांजे की यूकेजी कक्षा की टीसी लेने स्कूल पहुंचे थे। आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने टीसी जारी करने के लिए 1000 रुपये की मांग की।

जब शौकत अली ने इस पर आपत्ति जताई और इसे गलत बताते हुए शिकायत करने की बात कही, तो स्कूल प्रबंधन ने दबंगई भरे लहजे में दो टूक जवाब दे दिया 'जहां शिकायत करनी हो कर दीजिए,एक हजार रुपये देने ही पड़ेंगे, तभी टीसी मिलेगा। 'इस घटना ने साफ कर दिया है कि निजी स्कूल संचालकों में प्रशासनिक आदेशों का कोई भय नहीं रह गया है और अभिभावकों का खुलेआम आर्थिक शोषण किया जा रहा है।

खास बात यह है कि यह वसूली ऐसे प्रमाण पत्र के लिए की जा रही है, जो नियमों के तहत निर्धारित प्रक्रिया में ही जारी किया जाना चाहिए, न कि मनमाने शुल्क पर।

स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि जनपद में कई निजी स्कूल इसी तरह अलग- अलग मदों में अवैध वसूली कर रहे हैं, लेकिन शिकायत के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती, जिससे इनके हौसले लगातार बुलंद हैं। इस मामले में संबंधित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय ने बताया कि टीसी के लिए 1000 रुपये की मांग पूरी तरह गलत है और ऐसा कोई शुल्क निर्धारित नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरे मामले ने एक बार फिर शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। जब जिलाधिकारी के सख्त निर्देशों के बाद भी जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है, तो आखिर जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी कितनी प्रभावी है? फिलहाल, मामला सामने आने के बाद अब सभी की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं।

जेल की सलाखों के बीच चमकी सफलता, बंदी आकाश ने इंटरमीडिएट में पाई कामयाबी

कठिन परिस्थितियों में 59.4 प्रतिशत अंक, शिक्षा बनी सुधार और पुनर्वास का मजबूत माध्यम

भदोही। जिला कारागार ज्ञानपुर-भदोही से एक प्रेरणादायक खबर सामने आई है, जहां निरुद्ध सिद्धदोष बंदी आकाश पुत्र राजपति ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा (विज्ञान वर्ग) में 59.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सीमित संसाधनों और जेल के माहौल के बीच आकाश ने नियमित अध्ययन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की। कारागार में तैनात शिक्षाध्यापक संजय कुमार राय के शैक्षणिक मार्गदर्शन का भी उन्हें भरपूर लाभ मिला, जिसने उनकी पढ़ाई को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कारागार अधीक्षक अभिषेक कुमार सिंह ने इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जेल में निरुद्ध व्यक्तियों के सुधार और पुनर्वास के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने अन्य बंदियों से भी आकाश की इस उपलब्धि से प्रेरणा लेने की अपील की।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम-एसपी का औचक निरीक्षण

● सुरक्षा व पारदर्शिता पर दिया जोर

● छह केंद्रों पर 25 से 27 अप्रैल तक परीक्षा, हर पाली में 2496 अभ्यर्थी होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। होमगार्ड भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी शैलेष कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीएम व एसपी ने होमगार्ड कार्यालय, काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय ज्ञानपुर, जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज ज्ञानपुर और विभूति नारायण इंटर कॉलेज ज्ञानपुर सहित कई केंद्रों का निरीक्षण किया। काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय में अधिकारियों ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा केंद्रों पर सतर्कता, समयपालन और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा शासन की गाइडलाइन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की और सभी कैमरों के सुचारु संचालन के निर्देश दिए। इसके साथ ही परीक्षा कक्षों में सीटिंग प्लान, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी को असुविधा नहीं होनी चाहिए और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न कराई जाए। वहीं, पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद के कुल छह परीक्षा केंद्रों पर 25, 26 और 27 अप्रैल को परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में होगी–प्रथम पाली सुबह 10 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक। प्रत्येक पाली में 2496 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जबकि प्रतिदिन कुल 4992 और तीन दिनों में कुल 14976 अभ्यर्थी परीक्षा में भाग लेंगे। प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी होने का दावा किया है।

साइबर ठगी के शिकार दो पीड़ितों को राहत, 42 हजार से अधिक की धनराशि कराई गई वापस

● साइबर सेल व हेल्पडेस्क की त्वरित कार्रवाई, एसपी के निर्देश पर मिली सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में साइबर ठगी के मामलों में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में साइबर सेल व साइबर हेल्पडेस्क ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में पीड़ितों के खाते में कुल 42,222 रुपये की धनराशि वापस कराई है।

पहले मामले में थाना सुरियावां क्षेत्र निवासी रमेश कुमार पाल गूगल पे के माध्यम से पैसा ट्रांसफर करते समय ठगी का शिकार हो गए थे। कस्टमर केयर के नाम पर ठगों ने उनसे 36,271 रुपये की ठगी कर ली थी। पीड़ित द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के बाद साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धनराशि को ट्रेस कर होल्ड कराया और न्यायालय के आदेश पर 32,222 रुपये वापस दिलाए।

वहीं दूसरे मामले में थाना गोपीगंज क्षेत्र निवासी खुशनूर के साथ फोन पे के माध्यम से 10,000 रुपये की ठगी हुई थी। साइबर हेल्पडेस्क गोपीगंज ने तत्परता दिखाते हुए एनसीआरपी पोर्टल के जरिए कार्रवाई कर पूरी धनराशि वापस कराई।

धनराशि वापस मिलने पर दोनों पीड़ितों ने भदोही पुलिस का आभार जताते हुए सराहना की है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने कहा कि साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए टीम को सतर्क रहने और हर शिकायत पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि साइबर ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। किसी अंजान कॉल, लिंक या ऐप पर भरोसा न करें और बैंक संबंधी जानकारी किसी से साझा न करें।

तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्य आरम्भ

चुनार, मीरजापुर। नगर के पूर्व मध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को 23 से 25 अप्रैल तक चलने वाले तीन दिवसीय जनगणना प्रशिक्षण का कार्य का आरंभ हुआ। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्य में कुल 89 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। जिसे दो भागों में 50 और 39 की संख्या मैं विभाजित किया गया है। जिसमें 25 वार्ड में कुल 71 प्रशिक्षु प्रगणक और शेष सुपरवाइजर होंगे। इस अवसर पर अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद चुनार विजय कुमार यादव,सहायक अध्यापक सुधीर सिंह, नगर पालिका कर्मचारी सहित प्रशिक्षु उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण करने एडीएम मिर्जापुर अजय कुमार सिंह,एसडीएम चुनार राजेश कुमार वर्मा व तहसीलदार चुनार इवेंद्र कुमार पहुंचे।

शिक्षा के आकाश पर चमका महमूदाबाद का सितारा

● प्रकाश ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की बेटियों ने रचा स्वर्णिम इतिहास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महमूदाबाद- सीतापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर की पावन धरा पर स्थित महमूदाबाद ने आज शिक्षा के क्षेत्र में वह कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसकी गूँज पूरे प्रदेश के कोने-कोने में सुनाई दे रही है। प्रकाश ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की प्रतिष्ठित शाखा, बाबूराम सावित्री देवी इंटर कॉलेज, बिलोली बाजार ने न केवल सफलता के झंडे गाड़े हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश की मेरिट सूची को अपने नाम कर एक नया इतिहास लिख दिया है। प्रदेश की मेधा सूची में 'प्रकाश' कॉलेजेज का दबदबा इस बार कायम रहा, इस वर्ष के परीक्षा परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, तो सफलता कदम चूमती है। विद्यालय की छात्राओं ने अपनी मेधा से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की साख में चार चाँद लगा दिए हैं हाई स्कूल की छात्रा कशिश वर्मा ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय देते हुए 98.67% अंक अर्जित किए और समूचे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर यह दिखा दिया कि महमूदाबाद की मिट्टी में कितनी ऊर्जा है। उनकी यह उपलब्धि उनकी अटूट एकाग्रता और दिन-रात के कठिन परिश्रम का प्रतिफल है। इंटरमीडिएट की छात्रा शिखा वर्मा ने बारहवीं की कठिन परीक्षा में 97.80% अंकों के साथ प्रदेश की शीर्ष वरीयता सूची में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराया है। शिखा की इस सफलता ने उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते उनके कदमों को नई उड़ान दी है। हाई स्कूल की छात्रा अर्पिता ने मेधावियों की इस कड़ी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया। अर्पिता की इस उपलब्धि ने विद्यालय के गौरव को त्रिकोणीय मजबूती प्रदान की है।

साधना और संकल्प के संगम प्रकाश ग्रुप आफ कलेजज की विशेषता रही है कि प्रकाश ग्रुप अब केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि सफलता की प्रयोगशाला' बन चुका है। यहाँ विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि अनुशासन, नैतिकता और प्रतिस्पर्धी माहौल भी प्रदान किया जाता है। विद्यालय के उन्नत पुस्तकालय, अनुभवी शिक्षकों का व्यक्तिगत मार्गदर्शन और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों ने ही आज इन छात्राओं को इस शिखर पर पहुँचाया है। शिक्षकों के अनुसार, ये छात्राएं केवल पढ़ती नहीं थीं, बल्कि उन्होंने अपनी विषयों पर ऐसी पकड़ बनाई कि उत्तरपुस्तिकाएँ स्वयं उनकी विद्वत्ता की गवाही देने लगीं। इन बेटियों ने न केवल अपने माता-पिता का मस्तक ऊँचा किया है, बल्कि उन रूढ़ियों को भी तोड़ा है जो ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों की प्रतिभा को कम आंकती थीं। जैसे ही परीक्षा परिणाम घोषित हुए, पूरे महमूदाबाद क्षेत्र में हर्ष और उल्लास का वातावरण छा गया। विद्यालय परिसर में आतिशबाजी और मिठाइयों के साथ इन 'शिक्षा-रत्नों' का स्वागत किया गया।

विद्यालय प्रबंधन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहाः यह केवल छात्राओं की जीत नहीं है, बल्कि यह जीत है उस विश्वास की जो अभिभावकों ने हम पर जताया। यह जीत है हमारे गुरुजनों के उस समर्पण की जो उन्होंने बिना थके विद्यार्थियों को तराशने में दिखाया। कशिश, शिखा और अर्पिता आने वाली कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा की मशाल बनेंगी। प्रकाश ग्रुप ऑफ कॉलेजेज ने एक बार फिर यह उद्घोष कर दिया है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और निरंतर अभ्यास ही वह कुंजी है, जिससे सफलता के बंद द्वार खोले जा सकते हैं। आज महमूदाबाद का नाम उत्तर प्रदेश के शैक्षिक मानचित्र पर सबसे चमकीले बिंदु के रूप में उभर कर आया है।

भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में महिला जन आक्रोश पर प्रेसवार्ता का आयोजन हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी भाजपा जिला कार्यालय के सभागार कक्ष में भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज जी की अध्यक्षता में महिला जन आक्रोश पर प्रेसवार्ता का आयोजन हुआ । जिसमें बतौर मुख्य अतिथि/मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री उ0प्र0 सरकार नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' जी रहे। मंत्री जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि 16 और 17 अप्रैल को संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों का विरोध कर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके ने देश की आधी आबादी के साथ विश्वासघात किया है और अपने महिला-विरोधी मानसिकता को पूरी तरह उजागर कर दया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने स्पष्ट कहा कि नीति-निर्माण में महिलाओं को भागीदारी देना कोई उपकार नहीं, बल्कि उनका स्वाभाविक अधिकार है। जिन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर में बाधा डाली है, उन्हें आने वाले चुनावों में महिलाओं के कड़े आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमत शाह ने विपक्ष के झूठ को बेनकाब करते हुए स्पष्ट किया कि परिसीमन से किसी भी राज्य को नुकसान नहीं होगा; बल्कि दक्षिण भारत का आनुपातिक प्रतिनिधित्व सुरक्षित रहेगा और बढ़ेगा। समाजवादी पार्टी जैसे विपक्षी दल कोटा के भीतर धर्म- आधारित आरक्षण की असंवैधानिक मांग उठाकर प्रक्रिया को टालने की कोशश कर रहे हैं, जो तुष्टकरण और ध्यान भटकाने का एक तकनीकी बहाना मात्र है। भारतीय जनता पार्टी महिला सशक्तिकरण और लोकतंत्र को मजबूत करने के लए प्रतिबद्ध है और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने हेतु इन महिला-विरोधी ताकतों के खलाफ दृढ़ता से लड़ाई लड़ेगी । 16 और 17 अप्रैल को संसद में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक पर हुई चर्चा देश के लोकतांत्रिक भविष्य और महिलाओं की भागीदारी से जुड़ा एक ऐतिहासिक अवसर था । लेकिन इन दो दिनों में केवल एक विधेयक ही सदन में नहीं गिरा, बल्कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके देश की आधी आबादी की नजरों में हमेशा के लिए गिर गए। भारतीय जनता पार्टी 16 और 17 अप्रैल को संसद में पूरे देश ने जो शर्मनाक, अलोकतांत्रिक और महिला-विरोधी आचरण विपक्षी गठबंधन का देखा, उसकी कड़ी निंदा करती है। इन दलों ने केवल संवैधानक संशोधन या परिसीमन से जुड़े विधेयकों का विरोध नहीं किया, बल्कि भारत की करोड़ों माताओं, बहनों और बेटियों के साथ विश्वासघात किया है। इस पूरे घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया है कि जब भी निर्णय-निर्माण में महिलाओं को समान भागीदारी देने की बात आती है, ये दल राजनीतिक बहानों और देरी की दीवारें खड़ी कर देते हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा दशकों तक महलाओं को संसद और विधानसभाओं से दूर रखने की साजिश इन दो दिनों की बहस में एक बार फिर उजागर हो गई। ये दल लोकतंत्र के रक्षक होने का दिखावा करते हैं, लेकन वास्तव में संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ और तुष्टिकरण के कारण महिलाओं को उनके अधकारों से वंचित कर लोकतंत्र की मूल भावना को कमजोर कर रहे हैं। आगे उन्होंने यह भी कहा कि जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाया गया, तब इन विपक्षी दलों ने चुनावों के दबाव में उसका समर्थन किया, लेकिन जब वास्तव में महिलाओं को अधिकार देने का समय आया, तो उनकी महिला-विरोधी सोच खुलकर सामने आ गई। महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित करने की इस साजिश में समाजवादी पार्टी ने भी धर्म आधारित आरक्षण की असंवैधानक मांग उठाकर खतरनाक कदम उठाया है, जबकि भारत का संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण को स्वीकार नहीं करता । टीएमसी की भी पोल खुल गई है; जो पार्टी अपने राज्य में महिलाओं की आवाज को हिंसा के जरिए दबाती है, वही संसद में लोकतंत्र की बात कर रही थी । विपक्ष यह नजरअंदाज कर रहा है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का क्रियान्वयन सीधे परिसीमन से जुड़ा है; परसीमन में देरी का मतलब महिलाओं के आरक्षण में देरी है। इसलिए इन विधेयकों का वरोध करना वास्तव में महिलाओं को उनके अधकारों से वंचित करने का प्रयास है। विपक्ष को लगता है कि वह तकनीकी बहानों से जनता को भ्रमित कर सकता है, लेकन आज की महिलाएं सब समझती हैं। यह केवल एक विधेयक का विरोध नहीं था, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी जी के प्रति विपक्ष की हताशा का प्रदर्शन था।

जनपद में दुःखद सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों के प्रति श्रद्धांजलि शोक संवेदना प्रकट किया, उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं कल रात हुए दुःखद और भयावह सड़क हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के प्रति आत्मीय संवेदना और गहन शोक प्रकट करता हूँ! इस बेहद दुःखद समय में हमारी सरकार पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है! माननीय मुख्यमंत्री जी ने आर्थिक सहायता की घोषणा की है! हमने जिलाधिकारी महोदय से वार्ता करके हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं!

उक्त प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा, मझवां विधायक शुचिस्मिता मौर्या, छानबे विधायक रिंकी कोल, नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम की संयोजक जिला उपाध्यक्ष सुनीता शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष आभा सिंह पटेल, जिला मंत्री संध्या पटेल, पूनम चौरसिया के साथ पत्रकार बंधु उपस्थित रहे। समस्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी पंडित भावेश शर्मा ने दिया।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक की मौत

चुनार, मीरजापुर। शुक्रवार को सुबह रेलवे जंक्शन पर अपलाइन पर मालगाड़ी के चपेट में आ जाने से एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर चुनार पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना की जानकारी कोतवाल विजय शंकर सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान मनीष कुमार पुत्र हरीश कुमार के रूप में हुई है।वह बिहार के गोपालगंज जनपद के सिधौलिया थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव का निवासी है। मनीष दानापुर बेंगलुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस से यात्रा कर रहा था।

दीपक पटेल के नेतृत्व में चला प्रातःकालीन विशेष चेकिंग अभियान, कटियामारों में छाई दहशत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर– विद्युत चोरी रोकने एवं बढ़े हुए लोड के मद्देनज़र मॉर्निंग रेड अभियान के तहत गुरुवार को विद्युत विभाग द्वारा गर्मी के मौसम में बढ़ते विद्युत भार (लोड) एवं विद्युत चोरी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु उपखंड अधिकारी दीपक पटेल एवं अवर अभियंता प्रमोद कुमार के साथ प्रातःकालीन (मॉर्निंग) विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। यह अभियान उपखंड क्षेत्र तेलियागंज, पक्की सराय, डंकिनगंज, पंसारी टोला, पैरिया टोला, हरना की गली, दुर्गा देवी व बड़ी माता आदि के अंतर्गत विभिन्न संवेदनशील एवं चिन्हित क्षेत्रों में संचालित किया गया। गर्मी के कारण विद्युत की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे वितरण तंत्र पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा यह विशेष कार्रवाई की गई, ताकि अनधिकृत विद्युत उपयोग एवं ओवरलोडिंग को रोका जा सके और आम उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की संयुक्त टीम द्वारा सघन जांच की गई। जांच के दौरान कई स्थानों पर विद्युत चोरी/अनियमित उपभोग के मामले पकड़े गए। संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध विद्युत अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराने एवं जुर्माना निर्धारित करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस दौरान उपखंड अधिकारी दीपक पटेल ने बताया कि विद्युत चोरी एवं अनधिकृत लोड बढ़ाना न केवल राजस्व की हानि करता है, बल्कि ट्रांसफार्मर एवं लाइन पर अतिरिक्त भार डालकर आपूर्ति व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। उन्होंने जनसामान्य से अपील किया कि वे स्वीकृत लोड के अनुसार ही विद्युत का उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता से बचें। अन्यथा विद्युत विभाग द्वारा आगे भी इस प्रकार के औचक निरीक्षण एवं चेकिंग अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

ड्रमंडगंज सड़क हादसे पर पालिका में शोक सभा का आयोजन

● नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी एवं सभासदों ने दो मिनट का मौन रखकर व्यक्त की शोक संवेदना

मीरजापुर। बीते रात ड्रमंगगंज पर हुए सड़क हादसे में हुई कुल ग्यारह मौतों पर नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी, सभासदो, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पालिका में हुए शोक सभा में दो मिनट का मौन रखकर मृतक आत्माओं के शांति के लिए प्रार्थना की।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कि बीते रात हुई यह घटना बहुत हृदय विदारक है।इस घटना में एक ही परिवार के नौ लोग समेत कुल ग्यारह लोगों की मृत्यु हो गई है। इस घटना से परिवार को बड़ी क्षति पहुंची है। इस घटना के छोटे बच्चों सहित कई लोगों ने अपनी जान गंवा दी।इस विभत्स घटना से हम सभी स्तब्ध है और आहत है।इस घटना में जान गंवाने वाले उन परिवार वालों के स्वजनों के प्रति नगर पालिका परिवार शोक संवेदना व्यक्त करता है।मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस तरह की घटना मीरजापुर में दोबारा न हो और इसके साथ ही ईश्वर से उन दिवंगत आत्माओं के शांति और पीड़ित परिवार को इस दुःख को सहने को शक्ति देने के लिए प्रार्थना करता हूं। इस मौके पर सभासद विजय प्रजापति, राम यादव,नीरज गुप्ता, अमित मिश्रा, शरद सरोज,सीएसआई मनोज सेठ, लिपिक, संजय कुशवाहा, आरआई राजित यादव, अश्वनी गुप्ता, कन्हैया गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त खबरें

वृद्ध ने गोली मारकर की आत्महत्या,पुलिस जांच मे जुटी

नैनी,प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र के चटकहना,लवायन खुर्द निवासी एक वृद्ध द्वारा अपने रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या किए जाने की जानकारी प्रकाश में आई है। घटना की जानकारी होने पर पुलिस पहुंची जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। यह घटना डेज मेडिकल तिराहा यूनाइटेड पुलिस चौकी के पास स्थित एक कंपनी के गेट पर हुई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक रमेश मिश्रा(65) पुत्र राम निरंजन मिश्रा पूर्व में उक्त कंपनी में काम करता था वह अपना पुराना बकाया पैसा मांगने कंपनी गया था न मिलने पर गेट पर पहुंच कर अपने रिवॉल्वर से गोली मार ली जिससे मौके पर ही मौत हो गई।सूचना पर पुलिस पहुंची जांच पड़ताल शुरू की फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक रमेश मिश्रा के तीन बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा अनुराग मिश्रा और दो बेटियां शामिल हैं। सभी बच्चों की शादी हो चुकी है। घटना को लेकर तमाम चर्चाएं है। घटना में कंपनी मालिक की भूमिका जांच का विषय है।औद्योगिक थाना प्रभारी कमलेश पटेल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच-पड़ताल कर रही है।

नैनी में माँ शारदा मूर्ति स्थापना हेतु महिलाओं नेभव्य कलश यात्रा निकाली

नैनी,प्रयागराज। नैनी क्षेत्र में माँ शारदा की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक यात्रा में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे उत्साह के साथ शामिल हुईं। डीजे की धुन पर महिलाएं नृत्य करती नजर आईं, जिससे पूरे माहौल में भक्तिमय उल्लास देखने को मिला।यात्रा के दौरान भगवान शिव की आकर्षक झांकी, काली तांडव सहित कई अन्य मनमोहक झांकियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही और वातावरण जयकारों से गूंजता रहा।इस आयोजन में राहुल जायसवाल (गोलू) एवं संतोष सिंह का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में बिल्लू जायसवाल, सुन्दरम चौरसिया, अंकित जायसवाल, आशीष मोदकवाल, अमित मोदकवाल, कुंवर जी जायसवाल, शनी जायसवाल, नाटे गुप्ता, बबलू जायसवाल पुंटी गुप्ता, और तेजस चौरसिया सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।वहीं स्वागतकर्ता के रूप में पार्षद राकेश जायसवाल भी कार्यक्रम में मौजूद रहे और उन्होंने श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। पूरे आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय लोगों का सराहनीय योगदान रहा।

पेड़ के नीचे मिली युवती की लाश, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप दो संदिग्ध हिरासत में

फुलपुर,प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत संदलपुर (मलेथुआ) गांव में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 21 वर्षीय युवती का शव उसके घर के पास पेड़ के नीचे संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। मृतका की पहचान रेखा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। परिजनों ने इस मामले में हत्या की आशंका जताते हुए पड़ोस में रहने वाले लाल बहादुर पटेल और उनके दो पुत्रों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिवार का कहना है कि मकान को लेकर चल रहे पुराने विवाद के कारण ही इस वारदात को अंजाम दिया गया है। इस संबंध में परिजनों ने पुलिस को लिखित तहरीर भी सौंप दी है। सूचना मिलते ही फूलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों और फील्ड यूनिट टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर जल्द ही मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सिर्फ दो मुकदमों से किसी को गुंडा नहीं कहा जा सकता- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश रद्द किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि केवल एक या दो आपराधिक मामलों के आधार पर किसी व्यक्ति को 'गुंडा' घोषित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि ऐसा करना व्यक्ति और उसके परिवार की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है। जस्टिस संदीप जैन की एकल पीठ ने यह टिप्पणी याचिका पर सुनवाई के दौरान की, जिसमें छह महीने के बाहरीकरण आदेश को चुनौती दी गई। यह आदेश बुलंदशहर के एडिशनल जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) द्वारा पारित किया गया, जिसे मेरठ मंडल के आयुक्त ने भी बरकरार रखा था। प्रशासन ने याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज दो आपराधिक मामलों के आधार पर उसे आदतन अपराधी बताते हुए समाज के लिए खतरा माना था। यह भी कहा गया कि उसकी गतिविधियों से इलाके में भय का माहौल बन गया, जिससे लोग उसके खिलाफ गवाही देने से कतराते हैं। हालांकि, हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि आदतन अपराधी साबित करने के लिए केवल कुछ अलग-थलग घटनाएं पर्याप्त नहीं हैं। अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश गुंडा नियंत्रण अधिनियम, 1970 के तहत कार्रवाई के लिए यह दिखाना जरूरी है कि व्यक्ति लगातार अपराधों में लिप्त रहा हो। अदालत ने अपने पूर्व फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि एक या दो मामलों से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि व्यक्ति आदतन अपराधी है। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि घटनाओं के बीच लंबा अंतर हो तो आदतन होने का तत्व और भी कमजोर हो जाता है। इन तथ्यों को देखते हुए अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता को केवल दो मामलों के आधार पर गुंडा घोषित करना उचित नहीं है। इसलिए उसके खिलाफ की गई पूरी कार्यवाही को अवैध ठहराते हुए रद्द कर दिया गया।।

हनुमंत कथा में आशीर्वाद के बीच भाजपा नेता ने उठाया उपेक्षा का मुद्दा

नैनी,प्रयागराज। अरैल क्षेत्र में आयोजित हनुमंत कथा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां प्रसिद्ध कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखा गया।इसी दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता घनश्याम जायसवाल ने एक पत्र सौंपते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता हैं, लेकिन वर्तमान में पुराने और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है, जबकि हाल ही में दल बदलकर आए लोगों को अधिक महत्व दिया जा रहा है।श्री जायसवाल ने अपने पत्र के माध्यम से यह भी सवाल उठाया कि उनकी अर्जी पर कब विचार किया जाएगा और उन्हें पार्टी में जिम्मेदारी कब सौंपी जाएगी। उन्होंने पार्टी नेतृत्व से पुराने कार्यकर्ताओं के सम्मान और उनके योगदान को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने की अपील की।

नैनी पुलिस ने किया चोरी का खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हये चोरी की घटना का सफल अनावरण कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की बाईक सहित अन्य सामान भी बरामद किया। 22 अप्रैल 2026 को वादी कुलदीप पाण्डेय,निवासी तेन्दुआवन, नैनी ने थाना नैनी में सूचना दी कि अज्ञात चोर द्वारा उनकी मोटरसाइकिल (सुपर स्प्लेंडर, रजिस्ट्रेशन संख्या P70DM4277) चोरी कर ली गई। साथ ही बाइक की डिग्गी में रखे बैग से सैमसंग F54 मोबाइल फोन, पावर बैंक, नेकबैंड व अन्य सामान भी चोरी हो गया। इस संबंध में थाना नैनी पर मुकदमा संख्या 209/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना के आधार पर गुरूवार को टीएसएल कंपनी रोड से अभियुक्त राजकुमार कोल को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की घटना स्वीकार करते हुए बताया कि उसने मोटरसाइकिल कल्लू स्वीट हाउस के सामने से चोरी की थी। राजकुमार कोल (32 वर्ष), पुत्र भाईलाल, निवासी बन्ना पाती, थाना हनुमना, जनपद मऊगंज (मध्य प्रदेश) बाइक और मोबाइल फोन बरामद किया गया। विवेचना के दौरान मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी भी की गई है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गाजीपुर में लड़की की हत्या पर बवाल, सपा डेलिगेशन पर पथराव

● कांग्रेस बोली- सीबीआई जाँच हो

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- यूपी के गाजीपुर में 16 साल की लड़की की मौत पर बवाल हो गया है। इस मामले में पीड़ित परिवार से मिलने के लिए समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल के गांव पहुंचने पर एक समूह ने रोका और पत्थरबाजी कर दी। इसमें कई नेता घायल हो गए। इधर, कांग्रेस ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मांग की है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट जज की निगरानी में एक स्पेशल सीबीआई टीम से जाँच कराई जाए। पार्टी ने कहा है कि कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने जाएगा। गाजीपुर के कटरिया गांव में 15 अप्रैल को गंगा नदी में 16 साल की लड़की का शव मिला। पुलिस ने शुरू में इसे आत्महत्या या डूबने का मामला बताया, लेकिन परिवार ने बलात्कार और हत्या का आरोप लगाया। पीड़िता के पिता ने थाने में रिपोर्ट लिखाई। पुलिस ने जांच की और एक आरोपी हरिओम पांडेय को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। दूसरे आरोपी के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया। परिवार का कहना है कि पुलिस ने शुरू में बयान बदलने का दबाव डाला। घटना के बाद गांव में तनाव बना हुआ है। सोशल मीडिया पर जातीय टिप्पणियां भी हुईं, जिससे माहौल और बिगड़ गया। समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को पीड़ित परिवार से मिलने कटरिया गांव पहुंचा। इसमें पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा, जंगीपुर से सपा विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव, रीना यादव और बिंदुबाला बिंद शामिल थे। एक समूह ने उन्हें गांव में घुसने नहीं दिया। सपा कार्यकर्ता वहीं धरने पर बैठ गए। दोनों पक्षों में पहले बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे झगड़े में बदल गई। फिर पत्थरबाजी हो गई। इसमें पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा के सिर पर गंभीर चोट लगी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अन्य सपा नेताओं को भी चोटें आईं। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने की कोशिश की। इससे पहले 20 अप्रैल को सपा ने गाजीपुर में बड़ा प्रदर्शन किया था। सरजू पांडे पार्क में धरना-प्रदर्शन हुआ। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि हत्यारों पर पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हो, विसरा जांच कराई जाए, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और आर्थिक मदद दी जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि करंडा थानाध्यक्ष को बर्खास्त किया जाए। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले पर सरकार पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा कि विश्वकर्मा समाज की बेटी के साथ बलात्कार और हत्या हुई। पिता ने रिपोर्ट लिखाई तो उन पर बयान बदलने का दबाव बनाया गया। जब समाज के लोग आरोपी के गांव गए तो उनके साथ धक्का-मुक्की हुई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव के समय दलितों-पिछड़ों को अपना भाई बताते हैं, लेकिन चुनाव के बाद सब भूल जाते हैं। कांग्रेस ने मांग की कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज की निगरानी में स्पेशल सीबीआई टीम बने, जांच की रिपोर्ट 30 दिनों में सबमिट हो और दोषियों को सख्त सजा दी जाए।

NCLT आदेश पर हाईकोर्ट की रोक, इलाहाबाद में दाखिल मामलों की जांच अब वहीं होगी

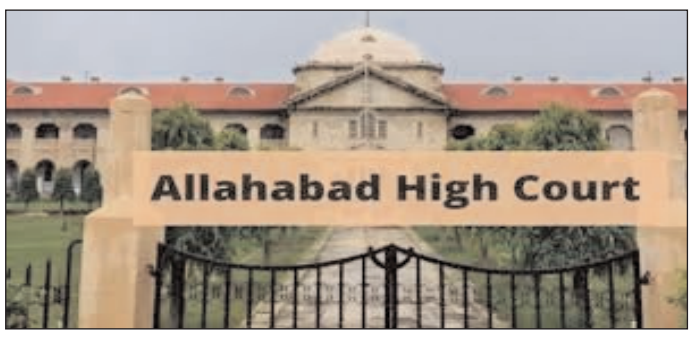

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने NCLT के प्रधान पीठ नई दिल्ली के उस आदेश पर आंशिक रोक लगाई, जिसमें इलाहाबाद पीठ में दाखिल याचिकाओं और आवेदनों की संयुक्त जांच का निर्देश दिया गया था। जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने केंद्र सरकार के वकील द्वारा निर्देश लेने के लिए चार सप्ताह का समय मांगे जाने के बीच यह स्पष्ट किया कि इलाहाबाद में दाखिल याचिकाओं की जांच केवल वहीं की रजिस्ट्री द्वारा की जाएगी। यह मामला कंपनी लॉ बार एसोसिएशन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिका में 27 फरवरी, 2026 को जारी उस सार्वजनिक सूचना को चुनौती दी गई, जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (NCLT) की प्रधान पीठ नई दिल्ली के रजिस्ट्रार ने निर्देश दिया कि इलाहाबाद पीठ में दाखिल मामलों की जांच संयुक्त रूप से की जाएगी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि इस आदेश के कारण भौतिक रूप से दस्तावेज इलाहाबाद में दाखिल किए जा रहे थे, जबकि ऑनलाइन फाइलिंग नई दिल्ली की प्रधान पीठ में हो रही थी। इसके चलते फरवरी से ही प्रधान पीठ की रजिस्ट्री द्वारा फाइलों में बार-बार आपत्तियां लगाई जा रही थीं और खामियों को दूर नहीं किया जा रहा था। यह भी दलील दी गई कि इस व्यवस्था में केवल इलाहाबाद पीठ को ही निशाना बनाया गया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने प्रतिवादी पक्ष से सवाल किया कि जब याचिकाएं इलाहाबाद में दाखिल हो रही हैं, तो उनकी जांच किसी अन्य पीठ द्वारा क्यों की जानी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई बाद में निर्धारित की जाएगी।।

बंपर वोटिंग ने तोड़ा 10 साल पुराना रिकॉर्ड, 82% से पार हुआ मतदान

तमिलनाडु चुनाव में मतदान प्रतिशत पर सबकी नजर है और मतदान के बाद जो तस्वीर सामने आई, वह काफी उत्साहजनक मानी जा रही है। राज्य में शाम पांच बजे तक करीब बयासी दशमलव चौबीस प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो एक नया रिकॉर्ड बताया जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मतदान की प्रक्रिया अभी भी जारी है क्योंकि कई स्थानों पर मतदाताओं को टोकन जारी किए गए हैं। बता दें कि कुल अड़तीस जिलों में से तीस जिलों में अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया है, जो राज्य में बढ़ती चुनावी भागीदारी को दर्शाता है। गौरतलब है कि इससे पहले वर्ष 2011 में परिसीमन के बाद लगभग 78 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था, जिसे इस बार पीछे छोड़ दिया गया। इस बार सिर्फ आठ जिलों को छोड़कर बाकी सभी जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है, जो एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। मौजूद जानकारी के अनुसार, राज्य के पश्चिमी हिस्सों में मतदान प्रतिशत अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक रहा है। करूर जिले में सबसे ज्यादा करीब नवासी प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो पूरे राज्य में सबसे ऊंचा स्तर बताया जा रहा है। राजधानी चेन्नई में भी मतदान को लेकर अच्छा रुझान देखने को मिला है। यहां कुल सोलह विधानसभा क्षेत्रों में से बारह में अस्सी प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ है, जबकि पूरे जिले में कुल मतदान लगभग तिरासी दशमलव चवालीस प्रतिशत दर्ज किया गया है।

अतिक्रमण पर प्रयागराज नगर निगम का अभियान, 100 से अधिक दुकानें हटाई

प्रयागराज। नगर निगम ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए गुरुवार को बड़ा अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जंक्शन के पास गेट नंबर 1 से लेकर मुख्य चौराहे तक सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से संचालित हो रही लगभग 100 से अधिक दुकानों को हटाया गया। साथ ही कई दुकानों को नगर निगम द्वारा कब्जे में भी लिया गया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दुकानदार अपने-अपने सामान को जल्दबाजी में समेटते नजर आए। कई लोगों ने विरोध जताने की कोशिश भी की, लेकिन प्रशासनिक सख्ती के चलते अभियान जारी रहा। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने को लेकर पहले भी कई बार नोटिस और चेतावनी दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद दुकानदारों ने अवैध कब्जा नहीं हटाया। मजबूरन प्रशासन को यह कड़ी कार्रवाई करनी पड़ी। अधिकारियों ने साफ कहा कि जब्त की गई दुकानों और सामान को नियमों के तहत ही वापस किया जाएगा

विवाहिता की संदिग्ध मौत, फंदे पर लटका मिला शव

● मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

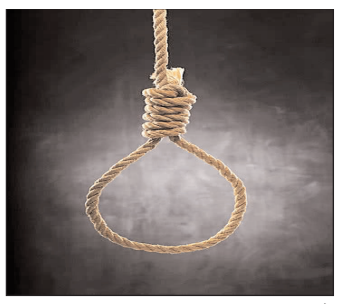

प्रयागराज। जनपद के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र अंतर्गत मनौरी गांव में गुरुवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। विवाहिता का शव उसके घर में फांसी के फंदे से लटका मिला, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी बेटी की हत्या कर शव को फंदे पर लटका दिया गया, ताकि घटना को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। परिजनों का आरोप है कि विवाहिता को लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है और घटनास्थल से साक्ष्य भी जुटाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने थारू समुदाय को दी राहत, कहा- वन अधिकार अधिनियम मौजूदा अधिकारों को मान्यता देता है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि अधिकारी वन अधिकार अधिनियम, 2006 के लागू होने से पहले जारी किए गए अदालती आदेशों पर आँख मूंदकर भरोसा करके जंगल में रहने वालों के मौजूदा कानूनी अधिकारों को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। जस्टिस शेखर बी. सराफ और जस्टिस अवधेश कुमार चौधरी की बेंच ने इस तरह लखीमपुर की ज़िला स्तरीय समिति द्वारा 2021 में पारित आदेश रद्द किया। इस आदेश में समिति ने 'थारू' समुदाय के 107 सदस्यों के वन अधिकारों - विशेष रूप से अपनी आजीविका के लिए छोटे वन उत्पादों को इकट्ठा करने और उनका उपयोग करने के अधिकार - के दावों को अंतिम रूप देने से इनकार किया था। संक्षेप में कहें तो अपने आदेश में अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) नियम, 2007 के तहत गठित समिति ने याचिकाकर्ताओं के दावों को खारिज करने के लिए, वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत वर्ष 2000 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित एक अंतरिम आदेश पर भरोसा किया था। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 विशेष रूप से अनुसूचित जनजातियों और पारंपरिक वन निवासियों के लाभ के लिए बनाया गया। उन्होंने दलील दी कि अधिनियम की धारा 3 के तहत उनके अधिकारों में गाँव की सीमाओं के भीतर या बाहर पारंपरिक रूप से इकट्ठा किए जाने वाले छोटे वन उत्पादों का स्वामित्व, उन तक पहुंच और उनका उपयोग शामिल है।

इस संबंध में उन्होंने जनजातीय मामलों के मंत्रालय के 2013 के सर्कुलर का हवाला दिया, जिसमें यह स्पष्ट किया गया कि 2006 का अधिनियम, जो बाद में बना कानून है, पिछली तारीख के सभी अदालती फैसलों या आदेशों को रद्द करता है। बेंच ने उनके रुख में औचित्य पाया और कहा कि 2006 के अधिनियम का उद्देश्य जंगल में रहने वाली इन अनुसूचित जनजातियों को जंगल और वन भूमि पर उनके कब्ज़े को मान्यता देना और उन्हें सौंपना है, साथ ही उनकी आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अदालत ने इस बात पर ज़ोर दिया कि अधिनियम की धारा 4 की शुरुआत 'नॉन-ऑब्स्टैन्टे' (किसी अन्य कानून के होते हुए भी प्रभावी) खंड से होती है। इसका अर्थ है कि केंद्र सरकार इन अधिकारों को मान्यता देती है और उन्हें सौंपती है, भले ही उस समय लागू किसी अन्य कानून में इसके विपरीत कुछ भी कहा गया हो। इस संबंध में कोर्ट ने यह साफ़ किया कि इस एक्ट के लागू होने से विधायिका ने इन जंगल में रहने वालों के लिए कोई नए अधिकार नहीं बनाए; बल्कि इसने इन लोगों के पहले से मौजूद अधिकारों और कब्ज़े को मान्यता दी थी, जो अलग-अलग कारणों से पारंपरिक रूप से जंगल में अपने रहने की इस जगह तक ही सीमित थे। इस पृष्ठभूमि में कोर्ट ने विवादित आदेश में कमी पाई। बेंच ने कहा कि इस आदेश में 2006 के एक्ट के संबंधित प्रावधानों को ध्यान में नहीं रखा गया। इसमें सिर्फ़ सुप्रीम कोर्ट के उस अंतरिम आदेश पर विचार किया गया, जो 2000 में यानी एक्ट के लागू होने से पहले पारित किया गया। इसी के मद्देनज़र, विवादित आदेश रद्द किया गया। साथ ही अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि वे संबंधित व्यक्तियों को सुनवाई का अवसर दें।

विश्व पृथ्वी दिवस पर नेवादा समोगर में वृक्षारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। गुरुवार विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर प्रयागराज नगर निगम द्वारा वार्ड संख्या 33, लवयान स्थित नेवादा समोगर क्षेत्र में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने पार्षदों, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ मिलकर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान महापौर ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित करते हुए क्षेत्र को हराभरा बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण, घटते वन क्षेत्र एवं बदलते जलवायु संतुलन के बीच वृक्षारोपण ही एक प्रभावी उपाय है, जिससे प्रकृति का संतुलन बनाए रखा जा सकता है।महापौर गणेश केसरवानी ने कहा, 'विश्व पृथ्वी दिवस हमें यह विचार करने का अवसर देता है कि हम आने वाली पीढ़ियों को कैसा पर्यावरण सौंपना चाहते हैं। ' उन्होंने नगर निगम द्वारा शहर को हरित एवं स्वच्छ बनाने हेतु चलाए जा रहे अभियानों में जनसहभागिता को अत्यंत आवश्यक बताया।इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पार्षद धार्मिश प्रताप सिंह मंचो सिंह, मयंक यादव, संजय पासवान, राजन शुक्ला, संजय श्रीवास्तव, मुकेश शुक्ला, राकेश पटेल, दिवाकर सिंह, रामलखन विश्वकर्मा, सुनील प्रजापति, विश्वजीत पाठक, उपेंद्र यादव, सतेंद्र सिंह, हिमालय सोनकर, हरीश केसरवानी, प्रदीप तिवारी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हाईस्कूल में कशिश-अंशिका और इंटर में शिखा ने किया टॉप, CM Yogi ने दी बधाई

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) ने आज, 23 अप्रैल को शाम 4 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कक्षा 10वीं और 12वीं के 2026 के परिणाम घोषित कर दिए हैं। छात्र अब upmsp.edu.in और upresults.nic.in पर अपना रोल नंबर और जन्मतिथि दर्ज करके अपने स्कोर देख सकते हैं, या DigiLocker माध्यम से अपनी डिजिटल मार्कशीट प्राप्त कर सकते हैं। डिजिटल मार्कशीट अनंतिम होगी, मूल प्रतियां संबंधित विद्यालयों द्वारा बाद में जारी की जाएंगी।

25000 करोड़ के महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक घोटाले में रोहित पवार समेत सभी आरोपी बरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- मुंबई में MPs/MLAs कोर्ट ने महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक (MSCB) से जुड़े 25000 करोड़ रुपए के घोटाले में बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग केस में NCP विधायक रोहित पवार समेत सभी आरोपियों को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश महेश जाधव ने अपने फैसले में कहा कि मूल अपराध के अभाव में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला टिक ही नहीं सकता. उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब किसी सक्षम अदालत द्वारा मूल अपराध में क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली जाती है, तो उसे बरी माना जाता है। दरअसल, ईडी का यह मामला अगस्त 2019 में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज FIR से जुड़ा था. इसमें आरोप था कि MSCB के तत्कालीन अधिकारियों और निदेशकों ने नियमों का पालन किए बिना सहकारी चीनी मिलों को बेहद कम कीमतों पर बेच दिया। हालांकि, हाल ही में MPs/MLAs कोर्ट ने इस FIR में EOW द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था। इसी आधार पर आरोपियों ने ईडी केस से भी राहत की मांग की थी. फैसले में सुप्रीम कोर्ट के एक महत्वपूर्ण निर्णय का हवाला देते हुए जज ने अहम बात कही है। उन्होंने कहा कि PMLA के तहत कोई भी कार्रवाई तभी संभव है, जब कोई मूल अपराध मौजूद हो. PMLA का हर केस किसी पूर्व अपराध पर आधारित होता है. श्वष्ठ ने अदालत में इन याचिकाओं का विरोध किया. एजेंसी ने कहा कि 2021 में दाखिल रिट याचिका अभी बॉम्बे हाई कोर्ट में लंबित है। ईडी ने अदालत से यह भी

आग्रह किया था कि वह मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तथ्यों के आधार पर ही बरी करने के आवेदन पर फैसला करे. हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट किया कि यदि हाई कोर्ट ED के पक्ष में कोई आदेश देता है, तो वो कार्यवाही को फिर से शुरू कर सकती है। यह घोटाला सहकारी बैंकों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए सहकारी चीनी मिलों, कताई मिलों और अन्य संस्थाओं को दिए गए ऋण से जुड़ा था।

सोरांव तहसील परिसर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

प्रयागराज, सोरांव। सोरांव तहसील परिसर में गुरुवार को अचानक शॉर्ट सर्किट के चलते आग लग गई, जिससे पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की घटना से तहसील में मौजूद कर्मचारी, अधिवक्ता और आमजन में हड़कंप की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तहसील परिसर के एक कार्यालय में अचानक बिजली के तारों में स्पार्किंग हुई, जिसके बाद आग तेजी से फैलने लगी। देखते ही देखते वहां रखे बिजली के उपकरण धू-धू कर जलने लगे और पूरे कमरे में धुआं भर गया।

बड़ा हादसा टला- समय रहते आग पर काबू पा लेने से एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि इस घटना में कई बिजली के उपकरण जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए, जिससे नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। तहसील प्रशासन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए शॉर्ट सर्किट के कारणों की जांच के निर्देश दिए हैं। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के लिए बिजली व्यवस्था की जांच और सुधार के निर्देश भी दिए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

मैट्रिक परीक्षा 2026 में लातेहार का जलवा: पूरे राज्य में 5वां स्थान, शिक्षा में उभरती नई पहचान

DISTRICT_CODE	DISTRICT_NAME	GRAND TOTAL APP	GRAND TOTAL PASS	GRAND TOTAL PASS %
JH12	GUMLA	13760	13667	99.32%
JH41	DUMKA	14609	14467	99.02%
JH44	PAKUR	7971	7857	98.56%
JH51	EAST SINGHBHUM	21181	20762	98.02%
JH33	LATEHAR	11577	11219	96.90%
JH25	BOKARO	22721	21912	96.43%
JH43	SAHEBGANJ	14132	13599	96.22%
JH31	PALAMU	33884	32534	96.01%
JH13	LOHARDAGA	6978	6689	95.85%
JH23	DHANBAD	26943	25824	95.84%
JH46	JAMTARA	9174	8772	95.61%
JH53	SERAIKELA KHARSAWAN	11652	11112	95.36%
JH42	DEOGHAR	20062	19116	95.28%
JH21	HAZARIBAGH	25048	23772	94.90%
JH11	RANCHI	32549	30841	94.75%
JH27	RAMGARH	11199	10606	94.70%
JH52	WEST SINGHBHUM	15394	14579	94.70%
JH22	GIRIDIH	40698	38461	94.50%

लातेहार, झारखंडः- झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा घोषित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2026 के जिला-वार परिणाम में लातेहार जिले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गई है। कभी शैक्षणिक चुनौतियों के लिए पहचाने जाने वाले लातेहार ने आज अपने मेहनती विद्यार्थियों, समर्पित शिक्षकों और जागरूक अभिभावकों के सहयोग से एक नई पहचान बनाई है। यह परिणाम केवल अंक नहीं, बल्कि जिले में शिक्षा के बदलते स्वरूप और सकारात्मक माहौल का प्रमाण है। इस उपलब्धि पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि लातेहार अब शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की लगन ने यह मुकाम दिलाया है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि आने वाले समय में लातेहार शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन करेगा तथा राज्य ही नहीं, देश में भी अपनी अलग पहचान बनाएगा। अंत में सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया कि उनकी मेहनत ही जिले की असली ताकत है और उन्हें निरंतर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

अम्बेडकर भवन में सांसद ने दिव्यांग जनों के बीच 938 उपकरणों का किया वितरण- जदयू जिला अध्यक्ष, प्रमोद कुमार पटेल

गोपालगंजः माननीय सांसद सह राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉश आलोक कुमार सुमन के अनवरत् प्रयास के फलस्वरुप जिले में चौथी बार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा एडीप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत दिव्यांग जनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सरकारी उपक्रमएलिम्को द्वारा सहायक यंत्र एवं उपकरण वितरण शिविर गोपालगंज अनुमंडल के अंबेडकर भवन में आयोजित हुआ एवं

चयनित लाभार्थियों के बीच उपकरण वितरण किया गया द्य जिसमें लाभुकों एवं उपकरण की संख्या 938, लागत राशि 63 लाख 49 हजार 29 रुपया है, का वितरण किया गयाद्य इस अवसर पर, जिला पदाधिकारी पवन कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी अनिल कुमार ,सहायक प्रबंधक एलिम्को सुरेन्द्र सिंह, जूनियर प्रबंधक मनीष कुमार पाण्डेय, रोहित कुमार जी, जद(यू.) जिला अध्यक्ष प्रमोद कुमार पटेल सांसद प्रतिनिधि, रामाशीष सिंह अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ प्रदेश महा सचिव योगेंद्र राम, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रो० टी० एन० सिंह, गोपालगंज प्रखंड अध्यक्ष धर्मराज सिंह, थावे प्रखंड अध्यक्ष बुलेट सिंह, अरविंद कुशवाहा, उमाशंकर शर्मा एवं P&O ऑफिसर की पूरी टीम उपकरण वितरण में शामिल थी।

बीआइटी सिंदरी के पूर्व छात्र चितरंजन कुमार बने ईसीएल के नए तकनीकी निदेशक

धनबाद। कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) को नया निदेशक (तकनीकी) मिल गया है। लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) ने बुधवार को हुई बैठक में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के मगध-संघमित्रा क्षेत्र के जीएम चितरंजन कुमार के नाम की अनुशंसा की है पीईएसबी की अनुशंसा के बाद फाइल अब प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) के पास जाएगी। एसीसी की हरी झंडी मिलते ही चितरंजन कुमार ईसीएल के निदेशक (तकनीकी) का पदभार ग्रहण कर लेंगे। इस पद पर रहते हुए वे कंपनी के उत्पादन, सुरक्षा, नई तकनीक और विस्तार परियोजनाओं के प्रभारी होंगे। चितरंजन कुमार ने चयन होने के बाद दैनिक जागरण को बताया कि बीआइटी सिंदरी धनबाद के छात्र रहे है। 1991 में पास करने के बाद 1992 में कोल इंडिया में योगदान देने के बाद पहली पोस्टिंग राजमहल एरिया में किया गया था।लंबे समय काम करने के बाद बीसीसीएल में लंबे समय तक काम किया है। बरोरा, ब्लाक टू, सिजुआ एरिया के जीएम पद पर काम कर चुके है। दिल्ली में हुए साक्षात्कार में अपने से 11 वरिष्ठ अधिकारियों को पीछे छोड़ उन्होंने पद हासिल किया।

वेतन भुगतान नहीं होने पर शिक्षकों का काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हज़ारीबाग, झारखंडः- झारखंड में वेतन भुगतान में हो रही देरी के विरोध में झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ सहित विभिन्न शिक्षक एवं कर्मचारी संगठनों ने काला बिल्ला लगाकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए शीघ्र वेतन भुगतान की मांग उठाई। झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मो. जहांगीर अंसारी ने कहा कि सहायक आचार्यों की नियुक्ति हुए लगभग 9 महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक उन्हें वेतन का भुगतान नहीं किया गया है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की स्थिति मरणासन्न हो चुकी है। वे न तो अपने परिवार का भरण-पोषण कर पा रहे हैं और न ही बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से करवा पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अप्रैल माह समाप्ति की ओर है, ऐसे में शिक्षकों के सामने बच्चों के नए सत्र के लिए ड्रेस, किताब, कॉपी और नामांकन जैसी समस्याएं खड़ी हो गई हैं। हालत यह है कि राशन दुकानदार भी अब उधार देने से कतरा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और दयनीय हो गई है। श्री अंसारी ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि हाल ही में विभिन्न ट्रेजरी से घोटाले की घटनाएं सामने आने के बाद सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन स्थगित कर दिया गया है। यह ईमानदारी से काम कर रहे कर्मचारियों के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की गलती का खामियाजा पूरे राज्य के लगभग दो लाख शिक्षक और कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने यह भी बताया कि कई शिक्षक विभिन्न ईएमआई के दबाव में हैं। कई लोगों ने गृह निर्माण, शिक्षा और वाहन ऋण लिया है, और अब बैंक व फाइनेंसर उनसे वसूली के लिए दबाव बना रहे हैं।संघ ने सरकार से मांग की है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शिक्षकों और कर्मचारियों का बकाया वेतन शीघ्र भुगतान किया जाए, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विरोध प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष मो. जहांगीर अंसारी के अलावा महासचिव

दिलीप कुमार सिन्हा, डी. रोहित, कुंज बिहारी, स्वदेश कुमार ओझा, प्रभात कुमार ओझा, ललन कुमार ओझा, पंकज कुमार ओझा, इशरत जहां, मुसर्रत जहां, तबस्सुम हाशमी, साजरा फिरदौस, मो. मोजाहिर, एहतेशाम अरशद, मो. नसीम, मो. एहसान मंजर सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक शामिल हुए। सभी ने काला बिल्ला लगाकर अपना विरोध दर्ज कराया।

सादगीपूर्ण समारोह में याद किए गए वीर कुंवर सिंह, लिया गया उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प

करों, देवघर, झारखंडः- करों प्रखंड के करोंग्राम स्थित धर्मराज चौक पर गुरुवार को वीर कुंवर सिंह स्मारक समिति के तत्वावधान में शौर्य दिवस सादे समारोह के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीर कुंवर सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसमें उपस्थित लोगों ने उनके साहस, देशभक्ति और आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अवकाश प्राप्त प्रोफेसर परिमल सिंह, संतोष सिंह, विश्वनाथ, इंदरजीत सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने वीर कुंवर सिंह के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। समारोह का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करना और महान स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

डीएवी बरही में विलियम शेक्सपियर जयंती पर इंगलिश लैंग्वेज डे का हुआ भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- गुरुवार को डीएवी पब्लिक स्कूल बरही परिसर में महान अंग्रेज़ी नाटककार विलियम शेक्सपियर के जन्मदिवस के अवसर इंग्लिश लैंग्वेज डे का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य एवं अंग्रेजी संकाय के शिक्षकों के द्वारा विलियम शेक्सपियर के चित्र पे पुष्प माल्यार्पण किये गए। जिसके बाद अंग्रेजी विभागध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार जे द्वारा शेक्सपियर के जीवन एवं साहित्य पर विचार प्रस्तुत किए गये।

इस अवसर पर स्कूल के छात्रों ने शेक्सपियर की प्रसिद्ध रचनाओं जैसे हेमलेट, मकबेथ, एज यू लाइक इट आदि के अंशों पर चर्चा करते हुए मर्चेंट ऑफ वेनिस के कोर्ट दृश्य का मंचन किया। विद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग द्वारा भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अंग्रेजी विभाग की तरफ से शेक्सपियर कॉर्नर के तहत सेल्फी प्वाइंट बनाया गया जहां बच्चों ने अपना-अपना सेल्फी लिया। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि विलियम शेक्सपियर के साहित्य में मानवीय भावनाओं का अद्भुत चित्रण मिलता है और उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शेक्सपियर की रचनाओं से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। अंग्रेजी विभागध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। पुरे कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका शिखा कुमारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम कों सफल बसनाने में फूलमती कुमारी, अर्चना शर्मा, नवजीत वत्स, नीतीश कुमार का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अमर सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह का हजारीबाग में मना विजयोत्सव

● **विरता, साहस और स्वाभिमान के प्रतीक थे बाबू कुंवर सिंह : मनीष जायसवाल**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग शहर के सर्किट हाउस के नजदीक स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह का विजयोत्सव गुरुवार को हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित कर उनकी हजारीबाग परिसदन के समक्ष अवस्थित वीर कुंवर सिंह चौक पर अवस्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और उनके 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए बलिदान को याद किया गया। इस समारोह में जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, समाज के प्रबुद्धजनों और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया। सबों ने बारी- बारी से बाबू साहब के चित्र और प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनका गुणगान किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि बाबू साहब की कुबानीं सदियों तक याद रखी जाएगी। मुख्य रूप से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र कसांसद मनीष जायसवाल ने भी यहां पहुंचकर बाबू वीर कुंवर सिंह को याद किया और श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। सांसद मनीष जायसवाल ने मौके पर कहा कि बाबू कुंवर सिंह देश के लिए अपने

प्राणों को न्योक्षावर किया था। उनकी देश के लिए दी गई कुर्बानी शदियों तक याद रखी जाएगी।

बाबू साहब विरता, साहस और स्वाभिमान के प्रतीक थे। प्रो. सुनील सिंह ने कहा कि ऐसे योद्धा को कभी भुलाया नहीं जा सकता। समाजसेवी शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि उन्होंने 80 के उम्र में भी अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए थे। मौके पर मुख्य रूप से दहेज उन्मूलन सह उत्थान सवर्ण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीडी सिंह, बिनोद सिंह, भगवान सिंह, शत्रुघ्न सिंह, अर्जुन सिंह, संजय सिंह, मंगल सिंह, पंकज सिंह, दीपक सिंह, डॉ मिथलेश कुमार, अनूप सिंहा, बिनोद सिंह, जितनाथ सिंह, नथु प्रसाद सिंह, संजय सिंहा, आरडी सिंह, मनोज कुमार सरोज, भोला सिंह, आशीष सिंह, बबलू सिंह, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, मनोज सिंह, अमित सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रांची की दीवारों पर बदल रहा रंग, सोहराई के साथ पर्यावरण संदेशों से सजेगा शहर

रांची। राजधानी की पहचान बन चुकी पारंपरिक सोहराई पेंटिंग के साथ अब शहर की दीवारें नए रंग और नए संदेशों से सजेंगी। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत रांची नगर निगम ने शहर की प्रमुख दीवारों पर नई थीम आधारित पेंटिंग का काम मोरहाबादी क्षेत्र में शुरू कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य न सिर्फ शहर को आकर्षक बनाना है, बल्कि लोगों के बीच प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, अब तक राजधानी की दीवारों पर मुख्य रूप से सोहराई और अन्य पारंपरिक चित्रकला देखने को मिलती रही है, जो झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती है। हालांकि बदलते समय के साथ अब इन दीवारों को मैसेजिंग वाल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई है, जहां कला के माध्यम से लोगों तक जरूरी सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश पहुंचाए जाएंगे। **प्रदूषण से बचाव पर फोकस** इस अभियान के तहत बनाई जा रही पेंटिंग में वायु प्रदूषण से बचाव, हरियाली बढ़ाने, प्लास्टिक मुक्त जीवन, जल संरक्षण और स्वच्छता जैसे विषयों को प्रमुखता दी जा रही है। दीवारों पर ऐसे चित्र और स्लोगन उकेरे जा रहे हैं, जो आम लोगों को सीधे तौर पर जोड़ सकें और उनके व्यवहार में बदलाव ला सकें। नगर निगम का मानना है कि सिर्फ नियम बनाना ही पर्याप्त नहीं होता, बल्कि लोगों की भागीदारी और जागरूकता भी जरूरी है।

झारखंड बोर्ड मैट्रिक परीक्षा 2026 का परिणाम जारी, 95.27 प्रतिशत विद्यार्थी सफल

● **राज्य के चार छात्रों ने 99.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से हासिल किया पहला स्थान**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखंडः- झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने मैट्रिक परीक्षा 2026 का परिणाम जारी कर दिया है। इस वर्ष परीक्षा में कुल 4,22,109 छात्र-छात्राएं शामिल हुए थे, जिनमें से 4,02,178 परीक्षार्थी सफल घोषित किए गए हैं। इस प्रकार इस बार कुल पास प्रतिशत 95.27 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर माना जा रहा है। परिणाम घोषित होते ही राज्यभर के छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

प्रथम श्रेणी में सर्वाधिक विद्यार्थियों ने पाई सफलताः झारखंड बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष प्रथम श्रेणी में सर्वाधिक विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है। कुल 2,26,957 विद्यार्थियों ने फर्स्ट डिवीजन हासिल किया। वहीं 1,60,673 छात्र-छात्राएं द्वितीय श्रेणी में सफल हुए, जबकि 14,548 परीक्षार्थियों ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की। इस बार का परीक्षा परिणाम छात्रों के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है। 95.27 प्रतिशत का कुल पास प्रतिशत यह संकेत देता है कि राज्य में शिक्षा के स्तर में लगातार सुधार हो रहा है।

बिना पूर्व सूचना के जारी हुआ परिणामः मैट्रिक परीक्षा परिणाम को लेकर छात्रों के बीच कोई पूर्व सूचना नहीं थी। ऐसे में जैसे ही परिणाम घोषित हुआ, सोशल मीडिया, स्कूल परिसरों और साइबर कैफे में हलचल तेज हो गई। छात्र-छात्राएं अपने रिजल्ट जानने के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर जुट गए।

राज्य में चार छात्रों ने साझा किया पहला स्थानः इस बार मेरिट लिस्ट में कांटे की टक्कर देखने को मिली। राज्य के चार छात्रों ने 99.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया। स्टेट टॉपर्स की सूची में सेंट अलोयसियस हाई स्कूल, रांची के सन्नी कुमार वर्मा, इंदिरा गांधी बालिका हाई स्कूल, हजारीबाग की प्रियांशु कुमारी, एसएस हाई स्कूल, सिमडेगा की शिवांगी कुमारी तथा प्रेमचंद हाई स्कूल, मेसरा के प्रेम कुमार साहू शामिल हैं। इन विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने विद्यालय बल्कि पूरे राज्य का नाम रोशन किया है।

दूसरे और तीसरे स्थान पर भी कई छात्रों का कब्जाः 99.20 प्रतिशत अंकों के साथ चार छात्रों ने दूसरा स्थान प्राप्त

किया। इनमें सेंट पैट्रिक हाई स्कूल, गुमला के दिव्यांशु और खिलेश, तथा हजारीबाग के इंदिरा गांधी बालिका हाई स्कूल की दो छात्राएं शामिल हैं। वहीं 98.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर चार विद्यार्थियों ने तीसरा स्थान हासिल किया। इनमें सेंट जॉन हाई स्कूल नवाटांड़ के महताब अंसारी, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी के प्रीत राज, तथा इंदिरा गांधी बालिका हाई स्कूल हजारीबाग की अमीषा कुमारी और दीप्ति रानी शामिल हैं।

हजारीबाग का स्कूल बना चर्चा का केंद्रः इंदिरा गांधी बालिका हाई स्कूल, हजारीबाग की छात्राओं के शानदार प्रदर्शन ने पूरे राज्य का ध्यान अपनी ओर खींचा है। एक ही विद्यालय की कई छात्राओं के मेरिट सूची में शामिल होने से यह स्कूल चर्चा का केंद्र बना हुआ है। राज्य सरकार, शिक्षा विभाग और विद्यालय प्रबंधन ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

4 हजारीबाग के संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम में होगी सीमा देसाई डे-नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट

● **बड़े महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में मेजबानी को तैयार सांसद मनीष जायसवाल का शहर**

एचडीसीए की कार्यकारणी की हुई बैठक, अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप मैदान में सुविधा बढ़ाने पर हुआ मंथन, लिए गए कई निर्णय

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग का संजय सिंह क्रिकेट स्टेडियम एक बार फिर बड़े टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है, जिससे जिले में खेल के प्रति एक नया उत्साह देखा जा रहा है। गुरुवार को हजारीबाग जिला क्रिकेट संघ (एचडीसीए) के अध्यक्ष सह सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में संघ की कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक स्टेडियम के पवेलियन सभागार में संपन्न हुई। इस बैठक में स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए कई दूरगामी निर्णय लिए गए। मैदान के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन नए प्रैक्टिस पिच बनाने, ग्राउंड संख्या दो का निर्माण करने और मुख्य मैदान की बेहतर ढंग से लेवलिंग कराने पर सहमति बनी। इसके साथ ही खिलाड़ियों के आधुनिक प्रशिक्षण के लिए बोलिंग मशीन खरीदने, ग्राउंड परिसर में डीप बोरिंग व वॉटर टैंक की व्यवस्था करने और स्टेडियम की दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग के जरिए इसके सौंदर्यीकरण का फैसला लिया गया। आम जनमानस और खेल प्रेमियों की सुविधा के लिए यहाँ ओपन जिम बनाने और वॉकिंग ट्रैक पर लाइट लगाने का भी निर्णय लिया गया है।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में बीसीसीआई के कूच बेहार टूर्नामेंट के सफल आयोजन के बाद यह मैदान राष्ट्रीय फलक पर अपनी पहचान बना चुका है, जहाँ केरल और झारखंड की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला था। अब झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) द्वारा आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित सीमा देसाई टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार इसी मैदान पर डे-नाइट फॉर्मेट में किया जाएगा। 29 अप्रैल से 3 मई 2026 तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में झारखंड की श्रेष्ठ 60 महिला क्रिकेटरों को चार अलग-अलग टीमों में बांटकर उनके बीच मैच कराए जाएंगे। खास बात यह है कि इसी टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर झारखंड की सीनियर महिला क्रिकेट टीम का अंतिम चयन किया जाएगा। इस अवसर पर एचडीसीए अध्यक्ष

मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग का यह स्टेडियम राज्य की महिला क्रिकेटरों के स्वागत और आतिथ्य सत्कार के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि संघ की कोशिश खिलाड़ियों को एक उच्च गुणवत्ता वाला मैदान और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग क्रिकेट के आधारभूत ढांचे के मामले में निरंतर प्रगति कर रहा है। सांसद मनीष जायसवाल ने जिले के तमाम क्रिकेट प्रेमियों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में स्टेडियम पहुंचकर महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें। मौके पर विशेषरूप से संघ के सचिव बंटी तिवारी, प्रमोद कुमार, आशीष चौधरी, अनिल अग्रवाल, अब्दुल मन्नान वारसी, मनोहर सिंह, रणजीत सिंह, विमलेश दुबे, जय प्रकाश, सुबोध आकाश, करण जायसवाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लागडुम हाट के निकट निर्मित कूप ध्वस्त होने के कगार पर- ग्रामीण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- पाकुड़िया प्रखण्ड अन्तर्गत लागडुम पंचायत के ग्राम लागडुम हाट के निकट 15वीं वित्त आयोग 23/24 निधि से निर्मित पेयजल कूप ध्वस्त होने की स्थिति में देखा गया। इस योजना की प्राक्कलित राशि 1,42,000 रुपये (एक लाख बयालिस हजार रुपये) बताई जा रही है। बताया जाता है कि हाट के निकट पेयजल कूप का निर्माण सदियों पूर्व किया गया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार उक्त पेयजल कूप का निर्माण पाकुड़िया प्रखण्ड व महेशपुर प्रखण्ड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से हाट आए लोगों की पेयजल सुविधा हेतु लागडुम के प्रसिद्ध कृषक व ग्राम प्रधान के सौजन्य से किया गया था। प्राप्त जानकारी के आधार पर बताया जा रहा है कि कूप का जल स्वच्छ एवं शीतल मीठापन लिए रहने के कारण ग्रामीण भी इस कूप का जल पीने में उपयोग करते रहे हैं। कहा जाता है कि पाकुड़िया प्रखण्ड का साप्ताहिक लागडुम हाट प्रसिद्ध है और इस हाट में सदियों से बड़े पैमाने पर दूर-दराज के छोटे-बड़े

व्यापारी बैलगाड़ी, घोड़ा और साइकिलों से अपना सामान बिक्री के लिए आते रहे हैं। इसका मुख्य कारण यहां के प्रधान परिवार की बहुत ही सुन्दर हाट संचालन व्यवस्था रही है। इन दिनों भी इस लागडुम हाट में दूर के व्यापारी आते हैं और हाट की व्यवस्था अभी भी वैसी ही बनी हुई है। बहरहाल उक्त प्रसिद्ध पेयजल कूप की मरम्मत में बड़े पैमाने पर प्राक्कलन की अनदेखी करते हुए घटिया कार्य किए जाने से कूप ध्वस्त होता दिख रहा है जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों ने कूप स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की मांग पदाधिकारियों से की है ताकि योजनाओं में गुणवत्ता बरकरार रह सके।

जमशेदपुर में घरेलू विवाद के बाद युवक ने घर में लगाई आग, पूरा मकान जलकर राख

जमशेदपुर। परसुडीह थाना क्षेत्र के गोलपहाड़ी में घरेलू विवाद से आक्रोशित एक युवक ने अपने ही घर में आग लगा दी, जिससे पूरा मकान और उसमें रखा सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार, गोलपहाड़ी निवासी राजा सिंह का अपनी पत्नी के साथ पिछले तीन दिनों से विवाद चल रहा था। **गुस्से में घर में लगाई आग** इसी बीच गुरुवार को गुस्से में आकर उसने घर में आग लगा दी। आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के दौरान घर में मौजूद सभी सदस्य समय रहते बाहर निकल गए, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना दमकल विभाग को दी, जिसके बाद पहुंची टीम ने आग बुझाने का कार्य किया। राजा सिंह नशे का आदी है। फिलहाल घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल रहा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नक्सली हिंसा से तबाह स्कूल बना सफलता की मिसाल, प्रीति ने किया पलामू जिले में टॉप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तरहसी (पलामू)। कभी नक्सली हिंसा और विस्फोट की चपेट में आकर मलबे में तब्दील हुआ मनातू प्रखंड का पीएम श्री अपग्रेड प्लस टू हाई स्कूल, चक आज शिक्षा और सफलता की नई कहानी लिख रहा है। जिस विद्यालय को कभी भय और दहशत फैलाकर शिक्षा की रोशनी बुझाने की कोशिश की गई थी, वही आज प्रतिभा और परिश्रम का केंद्र बन चुका है।

प्रीति को मिले 97.80 प्रतिशत अंक इसी विद्यालय की छात्रा प्रीति कुमारी ने 489 अंक प्राप्त कर 97.80 प्रतिशत के साथ जिले में टॉप कर न सिर्फ स्कूल, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से इलाके में हर्ष और गर्व का माहौल है।

पिता चलाते हैं मेकअप की दुकान रहड़िया चक निवासी प्रीति के पिता संजय मालाकार एक छोटी सी श्रृंगार दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद प्रीति ने अपनी मेहनत और लगन से कभी अपने सपनों को कमजोर नहीं पड़ने दिया।

क्या बोले स्कूल के प्रिंसिपल? विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनय शुक्ला ने बताया कि यहां घंटी-बाय-घंटी कक्षाएं संचालित की जाती हैं और कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। शिक्षकों के समर्पण और सतत प्रयासों का ही परिणाम है कि आज यहां के छात्र बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कभी जिस स्कूल परिसर में सन्नाटा और भय का माहौल रहता था, आज वहीं बच्चों की हंसी, पढ़ाई और सफलता की गूंज सुनाई देती है। प्रीति कुमारी की यह उपलब्धि केवल एक छात्रा की सफलता नहीं, बल्कि उस बदलाव की प्रतीक है जिसमें शिक्षा ने भय पर विजय प्राप्त की है।

बरही में जाम और चोरदाहा घाटी में दुर्घटनाओं पर विधायक गंभीर, एसपी हज़ारीबाग को लिखा पत्र

बरही चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने और मौत की घाटी चोरदाहा दनुआ में दुर्घटनाओं पर रोक के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही अनुमंडल की दो प्रमुख जनसमस्याओं को लेकर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर शीघ्र समाधान की मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि क्षेत्र की आम जनता लंबे समय से इन समस्याओं से जूझ रही है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। विधायक मनोज यादव ने पत्र के माध्यम से बताया कि बरही चौराहा में प्रतिदिन लगने वाले जाम से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर सुबह और शाम के समय स्थिति और भी विकट हो जाती है, जिससे स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों तथा आम राहगीरों को अनावश्यक विलंब का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने चौराहे पर अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके और लोगों को राहत मिल सके। इसके साथ ही विधायक श्री यादव ने चौपारण थाना क्षेत्र के बिहार सीमा से सटे चोरदाहा दनुआ घाटी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया है। यह स्थान मौत की घाटी के नाम से कुख्यात हो चुका है, जहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि इस क्षेत्र में लगभग प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक घायल हो चुके हैं।

विधायक ने पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया है कि वे स्वयं स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लें और दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है। विधायक मनोज कुमार यादव के इस पहल से क्षेत्र की जनता को उम्मीद है कि पुलिस प्रशासन जल्द ही इन दोनों गंभीर समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए ठोस कदम उठाएगा, जिससे लोगों को राहत मिल सकेगी।

संक्षिप्त खबरें

महाविद्यालय गेट पर मारपीट करने में 4 युवकों पर एफआईआर दर्ज

कोंच(जालौन)- बुधवार की दोपहर महाविद्यालय गेट के बाहर दो छात्रों को दौड़ा-दौड़ा कर लात घूंसो और बेल्टों से पीटने वाले चार युवकों के विरुद्ध पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार करने की बात कह रही है। बुधवार की दोपहर में नगर के मथुरा प्रसाद महाविद्यालय में बीएसी के दो छात्र परीक्षा देकर जैसे ही बाहर आए, तभी बाहर खड़े 10-12 युवकों ने उन पर हमला बोल दिया था और बेल्ट व लात घूंसो से दोनों छात्रों को दौड़ा-दौड़ा कर बुरी तरफ पीटा था जिससे मौके पर खुली अराजकता फैल गई थी। मारपीट के शिकार छात्रों में से एक छात्र अपनी जान बचाकर सामने स्थित एक मेडिकल स्टोर में घुस गया था लेकिन हमलावर युवकों पर दबंगई इस कदर हावी थी कि उस छात्र को मेडिकल स्टोर से बाहर खींचकर उसकी फिर से पिटाई की। पिटाई में दोनों छात्र गम्भीर रूप से घायल हो गए थे जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया था। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं गुरुवार को नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम सलैया खुर्द निवासी पीड़ित छात्र अभिजीत सिंह की तहरीर पर पुलिस ने हमलावर युवकों रामू, अनुज, देवी व भाईजी के विरुद्ध मारपीट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शैलेष बने धर्मादा रक्षिणी सभा के नामित सदस्य

कोंच(जालौन)- गल्ला व्यापारियों द्वारा संचालित नगर की सबसे बड़ी धार्मिक संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा कोंच का नामित सदस्य समाजसेवी शैलेष कुमार सोनी को मनोनीत किया गया है। संस्था द्वारा बीती 24 अगस्त 2024 को एक प्रस्ताव पारित कर शैलेष का समिति में नामित सदस्य पद के लिए सर्वसम्मति से नाम तय कर अनुमोदन के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा था। वहीं जिलाधिकारी द्वारा गत 15 अप्रैल को धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर संस्तुति कर दी गई। शैलेष सोनी के धर्मादा के नामित सदस्य मनोनीत होते ही उनके समर्थकों एवं शुभचिंतकों में खुशी की लहर देखी जा रही है। लोगों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया और मुंह मीठा कराया। गल्ला व्यापारियों का कहना है कि नव मनोनीत नामित सदस्य शैलेष संस्था की प्रगति के लिए कार्य करेंगे, ऐसी अपेक्षा है।

दीक्षांत परेड हेतु भव्य एवं अनुशासित पूर्वाभ्यास सम्पन्न

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश-पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में पुलिस लाइन चुर्क, जनपद सोनभद्र के परेड ग्राउंड में दिनांक 23.04.2026 को आगामी दीक्षांत परेड समारोह (Passing Out Parade) के सफल एवं गरिमामयी आयोजन के दृष्टिगत भव्य पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) सम्पन्न कराया गया।प्रशिक्षणाधीन रिक्रूट आरक्षियों द्वारा अद्वितीय अनुशासन, समर्पण एवं उत्साह का परिचय देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड की सलामी ग्रहण कर परेड का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। तत्पश्चात मार्च पास्ट में रिक्रूट्स ने बैंड की मधुर धुन पर कदम से कदम मिलाते हुए आकर्षक एवं प्रभावशाली तालमेल का प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जो उनकी कड़ी प्रशिक्षण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष उदाहरण रहा। निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को संबोधित करते हुए उनके उत्साह, अनुशासन एवं समर्पण की सराहना की गई तथा उन्हें भविष्य में कर्तव्यनिष्ठ, सजग एवं जनसेवा के प्रति समर्पित पुलिसकर्मी बनने के लिए प्रेरित किया गया। आगामी मुख्य समारोह को त्रुटिहीन, भव्य एवं गरिमामयी बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को परेड ग्राउंड की समुचित व्यवस्था, अतिथियों के सुव्यवस्थित बैठने, यातायात एवं सुरक्षा प्रबंधन, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रूणवाल, क्षेत्राधिकारी यातायात चारु द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर, प्रतिसार निरीक्षक सोनभद्र मो0 नदीम, आरटीसी प्रभारी एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बिजली संकट से सिंचाई न होने पर किसानों ने एसडीएम को सुनाया दुखड़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- तहसील के ग्रामीण क्षेत्र में इन दिनों व्याप्त बिजली संकट को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष की अगुवाई में करीब आधा दर्जन अलग-अलग गांवों के किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर विद्युत आपूर्ति की गंभीर समस्या के बाबत उन्हें बताया। किसानों का कहना है कि इस समय मूंग सहित अन्य फसलों की सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है जिससे फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई हैं। एसडीएम ज्योति सिंह को सौंपे अपने ज्ञापन में किसानों ने बताया कि उन्होंने अपने-अपने खेतों पर निजी नलकूप कनेक्शन ले रखा है लेकिन उन्हें बेहद कम और अनियमित बिजली मिल रही है। कई बार विद्युत विभाग से शिकायत और आपूर्ति बढ़ाने की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बुंदेलखंड पैकेज के तहत ग्रामीण इलाकों में निजी नलकूप हेतु पर्याप्त बिजली आपूर्ति के निर्देश शासन द्वारा दिए गए हैं लेकिन सिर्फ कागजों में ही यह योजना चल रही है, जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। इसके अलावा ज्ञापन में किसानों ने बताया कि क्षेत्र की विद्युत लाइनें काफी जर्जर हो चुकी हैं जिनमें आए दिन फॉल्ट होते रहते हैं। इससे सिंचाई का काम बार-बार बाधित होता है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की है कि प्रतिदिन कम से कम 18 घंटे निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और जर्जर लाइनों व तारों को तत्काल बदला जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वह सभी उपजिलाधिकारी कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में भाकियू तहसील अध्यक्ष चतुर सिंह पटेल सहित अतर सिंह, प्रमोद कुमार, अभिषेक पटेल पडरी, सतीश पटेल, नमोनारायण, गोपाल, सुभाष, राहुल, रानू यादव, शत्रुधन पटेल, नीरज पटेल, देवेंद्र निरंजन आदि किसान शामिल रहे।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल

चलित एलपीजी गैस शवदाह मशीन से हुआ अंतिम संस्कार

ललितपुर। अनंत सेवा समूह द्वारा शहर के इलाइट मुक्तिधाम में चलित एलपीजी गैस शवदाह मशीन के माध्यम से राजपूत कालोनी के प्रियंशु सोनी पुत्र भगवती शरण सोनी का अंतिम संस्कार पूर्ण सनातन विधि-विधान के साथ संपन्न कराया गया। इस सेवा कार्य का संचालन संस्था वरिष्ठ सदस्य दीपक सोनी एवं शिवचरन सोनी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान संस्था सदस्य मुन्ना सोनी, डा.प्रबल सक्सेना, संजीव खरे, नीरज सोनी, कमलकांत सोनी, सुलभ गुप्ता, विकास श्रीवास्तव, आयुष जड़िया तथा मुख्य सचिव प्रशांत श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। मुख्य सचिव प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि एलपीजी गैस आधारित इस शवदाह प्रणाली के उपयोग से एक परिवार द्वारा एक पेड़ कटने से बचाया जा सकता है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने बताया कि इस मशीन के माध्यम से मात्र 90 से 100 मिनट में शवदाह प्रक्रिया पूर्ण हो जाती है तथा इसमें न धुआं निकलता है और न ही दुर्गंध उत्पन्न होती है। उन्होंने आगे बताया कि केवल प्राकृतिक एलपीजी गैस के दो व्यावसायिक सिलेंडरों से एक शवदाह संपन्न हो जाता है।

होमगार्ड्स लिखित परीक्षा-2025: सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर कड़ी नजर, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने किया परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -जनपद सोनभद्र में दिनांक 25, 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली होमगार्ड्स लिखित परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में दिनांक 23.04.2026 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा । निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा कक्षों, सामग्री भंडारण स्थलों (स्ट्रॉन्ग रूम) तथा सम्पूर्ण परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा से संबंधित सामग्री की सुरक्षा एवं गोपनीयता में किसी भी प्रकार की लापरवाही कदापि स्वीकार नहीं की जाएगी।

इसके साथ ही परीक्षा केन्द्रों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता का भी परीक्षण किया गया। सभी कैमरों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की सुचारु आवाजाही, प्रवेश/निकास व्यवस्था, तलाशी प्रक्रिया, बाहरी व्यक्तियों की रोकथाम, यातायात प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए, ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गयी हैं, तथा सम्पूर्ण व्यवस्था पर सतत निगरानी रखी जाएगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सोनभद्र अनिल कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हीट वेव को देखते हुए सोनभद्र विकास समिति सोनभद्र एवं चाइल्ड राइट्स एंड यू ने चलाया जागरूकता अभियान

●जिले में बढ़ते हुये तापमान को देखते हुये लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु किया गया जागरूक- साधना सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - गुरुवार दिनांक 23-04-2026 को सोनभद्र विकास समिति सोनभद्र एवं चाइल्ड राइट्स एंड यू के सहयोग से संस्था कार्य क्षेत्र के ग्राम मऊकला, केरवा,अमौली,भुराईन, नन्दना और पटेहरा मे हीटवेब लू से बचाव के लिये चलाया गया विशेष अभियान। जिसमे सोनभद्र विकास समिति के सचिव राजेश चौबे ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार माह अप्रैल व जून के दिनों में अधिक तापमान रहने की संभावना है तथा हीट वेव चलने की संभावना है। ऐसे में 'हीटवेब (लू) से बचाव के लिए संबंधित एहतियातें बरती जायें तथा सुरक्षात्मक उपायों को अपनाया जाने की बात कही।

संस्था कोआर्डिनेटर ने बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि लू (तापघात) से बचाव हेतु नागरिकों से अपील की गई है कि लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव एवं उपचार के लिए जारी एडवायजरी में दिये गये सुझावों का पालन करे और लू (तापघात) के लक्षण दिखाई देते ही निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। बचाव के उपाय करें। ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं।गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व केफिन के सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में दोपहर 12 से शाम 04 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं, बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ह्.ऋ्रस्. का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है।साथ ही अन्य बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए।

जागरुकता अभियान मे सोनभद्र विकास समिति से काउंसलर साधना सिंह, सामाजिक कार्यकर्त्ता रेखा, रिना शर्मा, रीमा, सुनीता, अमरजीत, आगनवाड़ी कार्यकत्री, आशा और संस्था कोआर्डिनेटर सहित बड़ी संख्या में समुदाय के लोग उपस्थित रहीं।

महिला परिषद द्वारा सार्वजनिक प्याऊ शुरू

महरौनी। भीषण गर्मी को देखते हुए अखिल भारतीय महिला परिषद की सुरसुंदरी शाखा ने सार्वजनिक प्याऊ का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य राहगीरों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराकर राहत पहुंचाना है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में संभागीय अध्यक्ष रश्मि मलैया, प्रांतीय चेयरपर्सन सपना सिंघई, मीनल गुढा रही । शाखा अध्यक्ष ममता सराफ ने इसे सेवा और पुण्य का कार्य बताते हुए समाजहित में निरंतर ऐसे प्रयास जारी रखने की बात कही। प्याऊ के शुभारंभ के साथ ही जल वितरण शुरू किया गया और इसे पूरे ग्रीष्मकाल तक संचालित करने का निर्णय लिया गया।इस मौके पर सुनीता चौधरी,छाया सिंघई,सुरभि सिंघई,मंजू,लवली शास्त्री,राखी सिंघई,आरती बुखारिया, अंजली,सपना पड़वा,सुमि सिंघई ,प्रमोद सिंघई, डॉ शतेद्र मलैया, जिनेश मलैया, संजीव सिंघई, विजय सिंघई, वीरेंद्र सतभैया, रानू सिंघई, रजनीश सिलौनया आदि गणमान्य नागरिक एवं अखिल भारतीय महिला परिषद की सदस्या उपस्थित रही।

पराली जलाने पर कड़ी कार्रवाई, बिना एसएमएस सिस्टम के हार्वेस्टर मिले तो होगा सीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने जनपद के समस्त कम्बाइन हार्वेस्टर संचालको को कहा है कि वर्तमान फसल कटाई सत्र रबी-2025-26 में बिना एसएमएमएस अथवा फसल अवशेष प्रबंधन के कृषि यंत्रो के उपयोग के गेहूँ फसल कटाई करते हुए पाये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही तथा सीज करने के निर्देश दिये गये है।उन्होने जनपद के किसानो से अनुरोध किया है कि गेहूँ फसल की कटाई का कार्य कम्बाइन हार्वेस्टर के माध्यम से बिना एसएमएमएस अथवा फसल अवशेष प्रबंधन के कृषि यंत्रो के उपयोग के न कराये तथा यह भी सावधानी बरते कि किसी तरह से फसल अथवा फसल अवशेष में आगजनी की घटना न होने पाये, जिससे जन एवं धन हानि से बचा जा सकें तथा पशुओ के लिए चारे की भी व्यवस्था हो जाय।फसल अवशेष को जलाने से रोकने हेतु जनपद में उप जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में सचल दस्ते गठित किये गये है, जिनके द्वारा उक्त की निरन्तर निगरानी की जा रही है। यदि कृषक/व्यक्ति फसल अवशेष/अन्य कृषि अपशिष्टो को जलाते हुए पाया जाता है अथवा सेटलाइट के माध्यम से घटना प्रकाश में आती है तो दोषी व्यक्ति एवं संबधित कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

उन्होने जनपद के समस्त कृषक बंधुओ एवं कम्बाइन हार्वेस्टर संचालको/मालिको से अनुरोध किया है कि वे दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करे, जिससे पर्यावरणीय क्षति से बचा जा सके तथा पशुओ के लिए चारे की भी व्यवस्था की जा सके। इसके अतिरिक्त किसान भाई गौशाला में भी पशुओ के लिए चारे का दान करने का कष्ट करे तथा फसल अवशेष/गेहूँ की पराली न जलाये।

घोरावल पुलिस को मिली कामयाबी, 06 बोरी चोरी का गल्ला के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -जनपद सोनभद्र में चोरी की घटनाओं की रोकथाम एवं संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक(ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण तथा थाना घोरावल के नेतृत्व में दिनांक 22.04.2026 को थाना घोरावल पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान सिलवर-भरौली मार्ग पर मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से कुल 06 बोरी गल्ला (जिसमें 03 बोरी सरसों कुल मात्रा 65.04 किग्रा एवं 03 बोरी गेहूँ कुल मात्रा 87.22 किग्रा) बरामद किया गया। पूछताछ में अभियुक्त अंशू उर्फ बादशाह पुत्र रामप्रसाद, उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी ग्राम भरौली थाना घोरावल जनपद सोनभद्र व प्रीतम उर्फ छोटे पुत्र रामसूरत, उम्र करीब 20 वर्ष, निवासी ग्राम भरौली थाना घोरावल जनपद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि उक्त सामान चोरी का है, जिसे बेचकर प्राप्त धनराशि से वे अपने शौक पूरे करते थे। बरामद माल को विधिक प्रक्रिया के तहत सील सर्वमुहर किया गया। इस संबंध में थाना घोरावल पर मु0अ0सं0 83/2026 धारा 305(ए), 317(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 त्रिभूवन राय, चौकी प्रभारी कस्बा घोरावल थाना घोरावल, सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

महिला ने तीन लोगों पर मारपीट करने का लगाया आरोप

कोंच(जालौन)- प्लॉट पर निर्माण कार्य के दौरान एक महिला ने तीन लोगों पर गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी महिला मोहिनी पत्नी सोनू ने पुलिस को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि गत रोज बुधवार की देर शाम करीब 7 बजे वह कोंच में कैलिया बाईपास स्थित अपने प्लॉट पर काम करा रही थी। इसी दौरान मौके पर एक व्यक्ति अपने दो बेटों के साथ आया और गाली गलौज करने लगा। उसने जब विरोध किया तो उक्त तीनों ने मिलकर उसे एवं भाई सहित एक सहयोगी के साथ मारपीट की जिससे भाई सहित सहयोगी व्यक्ति घायल हो गए। इतना ही नहीं उक्त तीनों ने निर्माण कार्य कर रहे कारीगरों और मजदूरों को भी हड़काया, और फिर उक्त तीनों जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। मामले को लेकर महिला ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

राज्य मंत्री ने किया वृक्षारोपण जन अभियान की समीक्षा, दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश - राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन पर्यावरण जन्तु उघान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना ने गुरुवार को सर्किट हाउस सभागार में वन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा जनपद में संचालित योजनाओं एवं वृक्षारोपण कार्यो की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान राज्य मंत्री (समाज कल्याण) संजीव कुमार गौड, विधायक सदर भूपेश चौबे एवं विधायक घोरावल डॉ. अनिल कुमार मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता ने सड़कों के निर्माण पटवध बसुआरी मार्ग, मंग्लेश्वर महादेव मन्दिर मार्ग, तिलहर मार्ग व बिजली के खम्भें गाड़ने में आ रही वन विभाग से सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में मंत्री को अवगत कराये, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि धार्मिक स्थलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण में यदि कोई समस्या हो, तो संबंधित कार्यदायी संस्था से आवेदन प्राप्त कर प्रवेश पोर्टल के माध्यम से उसका शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। वन विभाग सम्बन्धित कार्यदायी सस्था जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति में बैठक कर ली जाये और जो भी समस्यायें आ रही है उसका निराकरण अतिशीघ्र कराया जाये। बैठक के दौरान राज्य मंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत किए गए । वृक्षारोपण की समीक्षा करते हुए कहा कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं निगरानी अनिवार्य रूप से की जाए और सभी अधिकारी स्थलीय निरीक्षण करें, अन्यथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। आगे उन्होंने कहा कि वृक्षा रोपण जन अभियान के अन्तर्गत कम से कम 3 फीट ऊंचाई के पौधे लगाये तथा महुआ, चिरौंजी एवं फलदार प्रजातियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। मंत्री जी ने कहा कि महुआ विक्रेताओं के विरुद्ध अनावश्यक कार्रवाई न की जाए। प्रदूषण नियंत्रण विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होने कहा कि सड़कों पर फ्लाई ऐश न फैलने देने तथा प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई की जाये, और उन्होंने कहा कि नियमित रूप से कम्पनियों का निरीक्षण किया जाये, पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने पर बल दिया। राज्य मंत्री ने सर्किट हाउस परिसर में वृक्षा रोपण जन अभियान के तहत पौध रोपण भी किया। इस मौके पर सुशान्त शर्मा मुख्य वन संरक्षक मीरजापुर मण्डल, आशुतोष जायसवाल डी0एफ0ओ0 रावर्टसगंज, कमल कुमार डी0एफ0ओ0 रेनूकूट, दीलीप कुमार तिवारी डी0एफ0ओ0 ओबरा, तपश मिहिर डी0एफ0ओ0 कैमूर वन जीव प्रभाग उपस्थित रहें।

महाप्रबंधक मुख्य चिकित्साधिकारी ने दिया बालिकाओं को स्वस्थ बेटी, सशक्त भारत मिशन पर विशेष जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/ सोनभद्र - डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर में धन्वंतरि चिकित्सालय की मुख्य चिकित्साधिकारी महाप्रबंधक मोनीषा कुलश्रेष्ठ का प्राचार्य राजकुमार ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। महाप्रबंधक मुख्य चिकित्साधिकारी ने विद्यालय के कक्षा नौवीं से बारहवीं तक की छात्राओं को संबोधित करते हुए अपने व्याख्यान में जीवन जीने की शैली पर विशेष जोर दिया । उन्होंने बताया कि किसी भी तरह का मानसिक दबाव नहीं लेना चाहिए। हमेशा खुश रहने की कला विकसित करनी चाहिए। छोटी छोटी उपलब्धियों में खुशी ढुंढनी चाहिए। खुश रहने के लिए सकारात्मक सोच, नकारात्मकता से दूरी, नियमित व्यायाम, ध्यान आदि करनी चाहिए। उन्होंने सभी बालिकाओं से कहा कि स्वस्थ शरीर में हीं स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। उन्होंने बताया कि जब बेटियां स्वस्थ होगी; तभी भारत सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ बेटी हीं सशक्त परिवार की नींव है और सशक्त परिवार ही विकसित भारत का आधार है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने छात्राओं से कहा कि हमेशा सही रास्ता का चयन करें। सही ग़लत की समझदारी अति आवश्यक है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि माता-पिता एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के सहयोग से सही मार्ग का चयन करें और जीवन को बेहतर बनाएं। उन्होंने बालिकाओं को दैनिक जीवन में होने वाली नैसर्गिक परिवर्तनों एवं कठिनाइयों के प्रति सजग करते हुए परामर्श दिया कि समयानुसार महिला चिकित्सक से सलाह लें। उन्होंने बताया कि छात्राओं को कुछ कौशल में महारत हासिल करनी चाहिए। कौशल विकास से आप में आत्मविश्वास बढ़ेगा। अंत में प्राचार्य राजकुमार ने सहृदय धन्यवाद देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। प्राचार्य ने बताया कि आपने अपने व्यस्ततम कार्यक्रम से डीएवी की छात्राओं के लिए समय निकाला, इसके लिए विद्यालय परिवार कृतज्ञता व्यक्त करता है। मुझे विश्वास है कि विद्यालय की छात्राएं आपके बताए मार्ग पर चलकर जीवन में बेहतरीन सफलता हासिल करेंगी। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षक विजय तिवारी, समता सिंह, रंजना सिंह, शगुफ्ता शबनम, सर्वेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में बेटियों ने लहराया परचम

अमिता भारती 88.33% व रिया 88.6% के साथ बनीं स्कूल टॉपर, प्रबंधक ने दी बधाई

लंभुआ, सुल्तानपुर। स्वामी विवेकानन्द इंटर कॉलेज गोपालपुर मधैया ने यूपी बोर्ड 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट दोनों का परीक्षा परिणाम 99% रहा। हाईस्कूल में अमिता भारती ने

88.33% अंक पाकर पहला स्थान हासिल किया। मधू वर्मा 88.16% के साथ दूसरे व प्रांजल तिवारी 87.16% के साथ तीसरे स्थान पर रहे। टॉप-5 में चार छात्राएं शामिल हैं। इंटरमीडिएट में रिया यादव 88.6% अंकों के साथ कॉलेज टॉपर बनीं। नम्रता 83.60% के साथ दूसरे व ऋषभ कुमार 83% के साथ तीसरे स्थान पर रहे। टॉप-5 में तीन छात्राएं हैं। प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने दोनों परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर छात्र-छात्राओं, अभिभावकों व शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। यूपी बोर्ड ने 23 अप्रैल को परिणाम घोषित किया था।

स्मार्ट मीटर और बिजली कटौती के विरोध में सपा व कांग्रेस का संयुक्त प्रदर्शन

●यूथ बिग्रेड और यूथ कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले में बढ़ती विद्युत समस्याओं, तेज गति से चल रहे स्मार्ट मीटर और अघोषित बिजली कटौती के विरोध में आज समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड और यूथ कांग्रेस ने संयुक्त रूप से जोरदार प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष इंजी. हृदेश यादव मुखिया और यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकित यादव के संयुक्त नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट चौराहे पर जमकर नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता प्रदेश सरकार का प्रतीकात्मक पुतला दहन करने की तैयारी में थे, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने पुतला छीन लिया, जिससे कुछ देर के लिए हलचल की स्थिति बनी रही। बताया जाता है कि जिलाध्यक्ष के हाथ में माचिस होने के कारण पुलिस पूरी तरह सतर्क नजर आई और स्थिति को नियंत्रित किया।

इस दौरान जिलाध्यक्ष इंजी. हृदेश यादव मुखिया ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार किसानों को समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। साथ ही लगातार हो रही बिजली कटौती से आम जनता और किसान दोनों परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के जरिए मध्यम एवं गरीब वर्ग के लोगों का मानसिक और आर्थिक शोषण किया जा रहा है। प्रदर्शन में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष अंकित यादव, सपा अधिवक्ता सभा जिलाध्यक्ष एड. महेंद्र यादव, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव (शांतिनगर), प्रदेश सदस्य बिटटू यादव, किसान कांग्रेस प्रदेश सचिव सुनील अहिरवार, जिला सचिव रॉबिन यादव, पंकज भज्जू, चंद्रपाल जिजयावन, शेखर यादव, सोनू शुक्ला, नगर उपाध्यक्ष राजेश झा, अनिल अहिरवार, आनंद यादव (भरतपुरा), प्रसन्न यादव (महरौनी) सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और स्मार्ट मीटर की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

प्रचंड गर्मी को देखते हुए स्कूलों का समय बदला

कानपुर। उ0प्र0 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के आदेशानुसार द्वारा लू-प्रकोप से राहत एवं बचाव किये जाने हेतु प्रदत्त निर्देश के क्रम में जनपद कानपुर नगर में बढ़ते तापमान तथा लू-प्रकोप के दृष्टिगत प्री प्राइमरी से कक्षा 12 तक समस्त बोर्ड के सरकारी/ अशासकीय सहायता प्राप्त /वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों जिला सुरक्षा समिति द्वारा यातायात व्यवस्था के सुगम संचालन हेतु निर्धारित 81 विद्यालयों की समयावधि को छोड़कर के संचालन का समय अग्रिम आदेश तक प्रातः 7:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक निर्धारित किया जाता है। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि उक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

होमगार्ड परीक्षा से संबंधित कांफ्रेंस में एडीजी आलोक सिंह ने विस्तार से बताया

कानपुर। मुख्य सचिव, उ0प्र0 व पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उ0प्र0 होमगार्डस के पदों पर एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने हेतु परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं सत्यापन प्रक्रिया को व्यवस्थित रखने, नकल एवं अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने, यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने तथा सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर परीक्षा को शांतिपूर्ण व निर्विघ्न संपन्न कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा जोन के समस्त जनपदों में परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु की गई तैयारियों, सुरक्षा प्रबंधों एवं समन्वयात्मक कार्यवाहियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रस्तुत की गई।

कल्याणपुर में 53 वर्षीय महिला की हत्या, पुलिस ने पूछताछ के लिए तीन को हिरासत में लिया

कानपुर। कल्याणपुर आवास-विकास में आज एक 53 वर्षीय महिला की हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद हत्यारे भाग निकले। पुलिस ने कुछ साक्ष्यों के आधार पर तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है और उनसे कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एस एम कासिम आबिदी ने बताया कि 'आज दोपहर लगभग 2:00 बजे थाना कल्याणपुर पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि आवास विकास क्षेत्र में 53 वर्षीय महिला निर्मला सिंह की हत्या हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तथा उच्चाधिकारियों द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। फील्ड यूनिट द्वारा मौके से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है एवं सीसीटीवी फुटेज का गहनता से परीक्षण किया जा रहा है। संदेह के आधार पर तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर उनसे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए हैं, जिनके आधार पर विभिन्न टीमें लगातार कार्य कर रही हैं। शीघ्र ही घटना का सफल अनावरण किया जाएगा।

एडीसीपी यातायात कपिल देव सिंह द्वारा अमिलिया कट का भौतिक निरीक्षण

कानपुर। आज दिनांक 23.04.2026 को एडीसीपी यातायात कपिल देव सिंह द्वारा घटनास्थल अमिलिया कट, थाना चौबेपुर का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीड़ित परिजनों एवं ग्रामवासियों से वार्ता कर घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक चौबेपुर एवं क्रिटिकल कॉरिडोर टीम के सदस्य उपस्थित रहे। महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए तथा मौके पर यातायात को सुगम व सुरक्षित बनाए रखने हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

शिवली पुलिस ने कसा साइबर ठगों पर शिकंजा, दो पीड़ितों को वापस कराई धनराशि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां देहात की थाना शिवली पुलिस साइबर अपराधियों के शिकार पीड़ित लोगों की हर संभव सहायता करने में भी अग्रणी चल रही है ,जिसके क्रम में थाने के साइबर हेल्प डेस्क द्वारा कार्यवाही करते हुए महिला समेत दो शिकायतकर्ता के खाते में कुल धनराशि 23,208/- वापस कराई गई। जिसे पाकर पीड़ितों के चेहरे खिल उठे। जिसके लिए इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह और अतिरिक्त इंस्पेक्टर शीलेन्द्र यादव से पुलिस की कार्यवाही से मिली धन वापसी में सफलता का प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए हर तरह के अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की हर संभव सहायता में अग्रणी शिवली पुलिस के जनहित में महत्वपूर्ण इस कार्य की जमकर सराहना करते हुए आभार भी व्यक्त किया। कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ नेतृत्व कुशलता के धनी इंस्पेक्टर अमरेन्द्र बहादुर सिंह के मुताबिक आवेदक मुनेश कुमार यादव पुत्र रामबाबू यादव निवासी ग्राम संग्रामपुर थाना शिवली जनपद कानपुर देहात को साइबर ठगो द्वारा एयरपोर्ट मे सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी दिलाने का झांसा देकर आवेदक से 23720/- रूपये ट्रांसफर करवाकर साइबर ठगी की गयी थी ,जिसकी शिकायत आवेदक द्वारा साइबर हेल्प डेस्क शिवली पर शिकायत की गयी थी।

इसी बीच कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक, आलोक सिंह ,कानपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक, हरीशचन्द्र के कुशल मार्गदर्शन में एवं कानपुर देहात की पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्रध्दा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देशन मे अपराध निवारण की दिशा में साइबर क्राइम से सम्बन्धित घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, शिकायतकर्ता मुनेश कुमार यादव पुत्र रामबाबू यादव निवासी ग्राम संग्रामपुर थाना शिवली से साइबर ठगों द्वारा एयरपोर्ट में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगे गए 23720/- रूपये के मामले में त्वरित जांच एवं कार्यवाही करते हुए थाना शिवली पुलिस (साइबर सेल हेल्प डेस्क) द्वारा शिकायतकर्ता की कटी हुयी धनराशि में से 23,208/- रूपये को आवेदक के खाते में वापस कराने में सफलता प्राप्त की गई। साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के रूप मे यह महत्वपूर्ण सफलता शिवली के इंस्पेक्टर अमरेन्द्र बहादुर सिंह की अगुवाई में सोमवीर सिंह और महिला कांस्टेबल प्रीति सोनकर की टीम को मिली। अवगत कराते चलें कि शिवली के कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह की अगुवाई में कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में जिस तरह का प्रभावी अभियान लगातार जारी है। उसके फलस्वरूप हत्या और लूट जैसी संगीन वारदातों समेत ऐसी कोई घटना शेष नहीं बची है ,जिसका सटीक खुलासा करते हुए सभी अपराधियों को जेल का रास्ता दिखाने में सफलता न प्राप्त की गई हो। यही नहीं इसी वजह से पत्रकारिता की आड़ में हर तरह के अपराध में लिप्त लोगों के साथ नेता रुपी सफेद पोश दलाल भी दहशत के साये में लिपटे हुए बताये जा रहे हैं। मतलब अब वे पहले की तरह थाने जाकर अपना उल्लू सीधा करने में भी पूरी तरह से विफल साबित हो रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस पर बढ़ा हुआ विश्वास शिवली क्षेत्र की जनता को भारी राहत प्रदान करने वाला भी माना जा रहा है।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था को जबरन थोपने के विरोध में जिला कांग्रेस का प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में गुरुवार को स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस कार्यालय से पैदल मार्च करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम बिजली उपभोक्ताओं ने सहभागिता की।इस दौरान राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) का उल्लंघन करते हुए जबरन स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने का विरोध दर्ज कराया गया तथा इस योजना को पूर्णतः समाप्त करने की मांग की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर व्यवस्था प्रदेश की आम जनता पर जबरन थोपी जा रही है, जो उपभोक्ताओं के अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को प्रीपेड और पोस्टपेड मीटर के बीच चयन का अधिकार होना चाहिए, लेकिन सरकार और विद्युत विभाग इस अधिकार की अनदेखी कर रहे हैं।

कांग्रेस सेवादल के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेम शंकर द्विवेदी व जिला उपाध्यक्ष विजय शंकर त्रिपाठी ने कहा कि बिना सहमति के लाखों उपभोक्ताओं के मीटर बदले जा रहे हैं और प्रीपेड प्रणाली थोपने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे आम जनता में भारी आक्रोश है। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी निर्णय का पुरजोर विरोध करती है और जब तक यह योजना वापस नहीं ली जाती, तब तक संघर्ष जारी रहेगा।ज्ञापन में प्रमुख रूप से स्मार्ट प्रीपेड मीटर योजना को समाप्त करने, जबरन लगाए गए मीटरों को हटाने, पारंपरिक पोस्टपेड मीटर पुनः स्थापित करने तथा गठित तकनीकी समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की गई।कार्यक्रम के अंत मे नगर अध्यक्ष मो.इस्तियाक ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही सरकार द्वारा इस विषय पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो कांग्रेस पार्टी एवं आम जनता मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक जनआंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी,कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला, जिला प्रवक्ता सुरेश कुमार मिश्रा,जिला उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह प्रिंशु, मनरेगा प्रभारी रवि भूषण सिन्हा, जिला महासचिव चंद्रनाथ शुक्ला, जिला सचिव प्रदीप द्विवेदी, जिला सचिव विजय प्रताप त्रिपाठी, जिला सचिव केके शुक्ला,कांग्रेस सेवा दल के जिला महासचिव भवानी शंकर दुबे,चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ दीपक शुक्ला, पिछड़ा वर्ग विभाग के जिला अध्यक्ष राजेंद्र वर्मा, रियाज सिटी, सदर ब्लॉक अध्यक्ष मो.वसीम, कार्यालय सचिव रियाज नगर सचिव अरबाज आलम नगर कार्यालय सचिव मोहम्मद फरीद, आलम, देवमणि पाण्डेय, नूर आलम, रामधन यादव, बिलाल अंसारी, मोहम्मद राहुल मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

कचहरी परिसर में हादसा, तीसरी मंजिल से गिरकर अधिवक्ता की मौत, हादसा या आत्महत्या

कानपुर। आज यहां कचहरी परिसर में एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक अधिवक्ता तीसरी मंजिल से गिर गए, जिसके बाद उनकी मौत की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद कचहरी परिसर में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घटना की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि आज दिनांक 23.04.26 को कचहरी परिसर में एक अधिवक्ता नाम प्रियांशू द्वारा 5वीं मंजिल से कूद कर आत्महत्या कर ली गयी है, पुलिस बल एवं अधिकारीगण मौके पर मौजूद हैं, सीसीटीवी फुटेज चेक किये गये हैं। मृतक के सुसाइड नोट एवं वाट्सऐप स्टेटस का गहन अवलोकन किया जा रहा है। शव को पोस्टमॉर्टम हेतु भेजा जा रहा है। अन्य आवश्यक कार्यवाही प्रचलित है। उन्होंने बताया कि सुसाइड नोट दो पेज का है जिसका अवलोकन किया जा रहा है, जो भी तथ्य निकलकर सामने आएंगे, प्रेस से साझा किए जाएंगे।

डीएम की अध्यक्षता में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की जनपद स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की स्थापना और विस्तार को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि जनपद में बीपीसीएल द्वारा गैस पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है, सिटी गैस स्टेशन की स्थापना पूरे बसावन (मानधाता) में होनी है। बैठक में भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) के टैरेटरी मैनेजर शैलेश कुमार ने बताया कि शासन द्वारा जनपद प्रतापगढ़, अमेठी व रायबरेली में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्किंग का कार्य किया जा रहा है, जिसमें घरो को पीएनजी कनेक्शन से जोड़ा जाना है। जनपद प्रतापगढ़ में 27 किमी0 तक पाइपलाइन बिछा दी गयी तथा 3 किमी0 पाइपलाइन बिछाने का कार्य अवशेष है जिसे जल्द से जल्द कर लिया जायेगा। डीएम ने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान पूर्व की भांति जमीनों का समतलीकरण/मरम्मत कर दिया जाये।

बैठक के दौरान सीजीडी नेटवर्क की स्थापना और विस्तार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और बाधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परियोजना से जुड़े कार्यों में आ रही कठिनाइयों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि परियोजना समय पर पूरी हो सके। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत विभिन्न विभागों द्वारा जारी की जाने वाली स्वीकृतियों और अनापत्तियों की नियमित निगरानी की जाए। किसी भी बाधा को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। यदि किसी समस्या का समाधान जनपद स्तरीय समिति के स्तर पर संभव न हो, तो संबंधित प्रस्ताव को स्पष्ट मंतव्य और संस्तुति सहित राज्य स्तरीय समिति को विचारार्थ भेजा जाएगा। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद स्तरीय समिति की बैठक प्रत्येक माह कम से कम एक बार अनिवार्य रूप से आयोजित की जाए, ताकि कार्यों की सतत समीक्षा और प्रगति सुनिश्चित हो सके। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने और जनहित को सर्वोपरि रखते हुए योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में उपजिलाधिकारी सदर अनुष्का शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक बृजनन्दन राय, जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी सहित अन्य सदस्य व भारत पेट्रोलियम के एई प्रथमेश उपस्थित रहे।

प्रयागराज एक्सप्रेस के यात्री की जेब से 17 हजार रुपये पार

ललितपुर। प्रयागराज एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे एक बुजुर्ग यात्री के साथ इंदौर रेलवे स्टेशन पर चोरी की वारदात सामने आई है। टिकट लेते समय किसी अज्ञात व्यक्ति ने यात्री की जेब से 17 हजार रुपये नकद पार कर दिए। इस मामले में जीआरपी ललितपुर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। ललितपुर के ग्राम जिजयावन निवासी 60 वर्षीय सुल्तान सिंह अपनी यात्रा के दौरान प्रयागराज एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 14115) के जनरल कोच में सवार थे। घटना 22 अप्रैल 2026 को सुबह 11.35 बजे की है, जब वह इंदौर रेलवे स्टेशन पर टिकट घर के पास मौजूद थे। सुल्तान सिंह ने अपनी शिकायत में बताया कि इंदौर रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते समय किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके पजामे की जेब में रखे 17 हजार रुपये चोरी कर लिए। घटना की सूचना मिलने के बाद जीआरपी ललितपुर में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इस मामले की विवेचना उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह द्वारा की जा रही है।

नगर निगम की 'अजब' नीतिः ठीक-ठाक नाली का नवनिर्माण, जर्जर को भगवान भरोसे छोड़ा

● कानपुर नगर निगम के अधिकारियों पर लगा भ्रष्टाचार और जन-प्रतिनिधि की अनदेखी का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। स्मार्ट सिटी की राह पर चल रहे कानपुर में नगर निगम के कारनामे विकास की नई परिभाषा गढ़ रहे हैं। गोविन्द नगर क्षेत्र में नगर निगम ने भ्रष्टाचार और सरकारी धन की बर्बादी का एक ऐसा नमूना पेश किया है, जिसे देख क्षेत्रीय जनता दंग है। जहाँ एक ओर जर्जर नाली के कारण लोग चोटिल हो रहे हैं और घरों की नींव खतरे में है, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों ने अपनी जेबें भरने के लिए एक 'भली-चंगी' नाली को तोड़कर दोबारा बनवा दिया।

क्या है पूरा मामला?

गोविन्द नगर दक्षिण के नंदलाल चौराहा से चावला मार्केट चौराहा तक जाने वाली ब्लाक-8 पट्टी की नाली पिछले कई वर्षों से अत्यंत जर्जर है। नाली धंसने के कारण न केवल जलभराव होता है, बल्कि ई-रिक्शा और दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे हैं। क्षेत्रीय व्यापारियों और निवासियों ने इसकी दर्जनों बार शिकायत की। हद तो तब हो गई जब क्षेत्रीय विधायक महेश त्रिवेदी के अनुशंसा पत्र को भी अधिकारियों ने कूड़े के ढेर में डाल दिया।

अधिकारियों ने दी 'आश्वासन की घुट्टी'

क्षेत्रीय निवासी प्रकाश वीर आर्य द्वारा दूरभाष पर की गई शिकायत के जवाब में नगर निगम के अधिशासी अभियंता और अवर अभियंता ने लिखित रूप से आश्वासन दिया था कि विद्यार्थी मार्केट पट्टी (जो पहले से ठीक थी) का काम खत्म होते ही ब्लाक-8 वाली जर्जर पट्टी का निर्माण शुरू होगा। लेकिन विडंबना देखिए, विद्यार्थी मार्केट का काम खत्म हुए तीन महीने बीत गए, मगर जर्जर नाली की तरफ विभाग ने मुड़कर भी नहीं देखा।

भ्रष्टाचार की बू या लापरवाही?

व्यापारियों का सीधा आरोप है कि नगर निगम ने कमीशनखोरी के चक्कर में उस पट्टी की नाली बनवा दी जिसे मरम्मत की जरूरत ही नहीं थी। 'बनी-बनाई नाली को दोबारा बनाना सरकारी पैसे की खुली डकैती है,' यह कहना है क्षेत्रीय व्यापारियों का। उनका आरोप है कि अधिकारियों ने जानबूझकर मुश्किल काम (जर्जर नाली) को छोड़ दिया और आसान काम (मजबूत नाली) दिखाकर बजट ठिकाने लगा दिया। क्षेत्रीय जनता का कहना है कि यदि अगले एक सप्ताह के भीतर ब्लाक-8 पट्टी की नाली का निर्माण शुरू नहीं हुआ, तो वे नगर निगम मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करेंगे और इस भ्रष्टाचार की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री पोर्टल और एंटी-करप्शन ब्यूरो में करेंगे।

पुलिस टीम द्वारा 4.5 लाख की गुम ज्वैलरी बरामद कराई गई

कानपुर। दिनांक 22.4.2026 को मो0 जीशान पुत्र सुल्तान अहमद नि0 संडीला जनपद हरदोई जो अपनी पत्नी के साथ अपने ससुराल रावतपुर से बिठूर होकर जा रहे थे समय करीब 20:00 बजे सिंगपुर के पास मुख्य रोड पर अपनी कार का दरवाजा पानी लेने के लिए खोला उसी दौरान उनका ज्वैलरी से भरा हुआ बैग जिसकी कीमत लगभग 4.50 लाख नीचे गिर गया। दम्पत्ति को 50 किमी आगे जाने के बाद जब ज्लैवरी व अन्य सामान के गिर जाने के सम्बन्ध मे जानकारी हुई तो पुनः वापस आये व थाना बिठूर पर अपने बैग के खो जाने की सूचना दी - जिस सूचना पर थाना स्थानीय पर टीम गठित की गई जिनके द्वारा 12 घंटे के अंदर सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से खोये हुए बैग को सम्पूर्ण ज्वैलरी व अन्य कीमती सामान के साथ आज दिनांक 23.04.26 को बरामद कर सूचनाकर्ता मो0 जीशान व उनकी पत्नी मरियम के सुपुर्द किया गया। स्थानीय पुलिस की उपरोक्त कार्यवाही की उपरोक्त पति पत्नी व क्षेत्र की जनता द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा व सराहना की गई।

हाइवे सुरक्षा के लिए टास्क फोर्स का होगा गठन, हाइवे अतिक्रमण पर चलेगा अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क हादसों को कम करने के लिए ठोस कार्ययोजना पर चर्चा हुई। डीएम ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय राजमार्गो के किनारे हुए अवैध अतिक्रमण को चिन्हित कर अभियान चलाते हुए हटाया जाए और सड़क सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में जनपद स्तर पर जिला हाईवे सुरक्षा टास्क फोर्स के गठन की जानकारी दी गई। इस टास्क फोर्स के माध्यम से हाईवे किनारे अतिक्रमण चिन्हित कर हटाए जाएंगे और भूमि उपयोग नियंत्रण की नियमित समीक्षा होगी। डीएम ने कहा कि टास्क फोर्स की कार्यवाही की समीक्षा प्रत्येक माह में दो बार उनकी अध्यक्षता में की जाएगी। डीएम ने ट्रक ले-बाय एवं वे-साइड सुविधाओं के विकास पर जोर देते हुए कहा कि इससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और अनियोजित पार्किंग पर नियंत्रण होगा। सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यो को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में 'राहवीर (गुड सेमेरिटन) योजना' की जानकारी देते हुए बताया गया कि सड़क दुर्घटना के बाद पहले एक घंटे यानी गोल्डन ऑवर में घायल को चिन्हित अस्पताल में निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाता है। उपचार का पूरा खर्च शासन द्वारा वहन किया जाता है। जनपद में 137 अस्पतालों का सत्यापन किया जा रहा है, जहां यह सुविधा उपलब्ध होगी। घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को किसी प्रकार की कानूनी प्रक्रिया में नहीं उलझाया जाएगा और वह अपनी पहचान गोपनीय भी रख सकता है। जिलाधिकारी ने क्रैश प्रोन स्थलों की समीक्षा में पाया कि सेव लाइफ फाउंडेशन द्वारा जनपद में 264 दुर्घटना संभावित स्थान चिन्हित किए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और सिंचाई विभाग के क्षेत्र शामिल हैं। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के 167 स्थलों पर सुधार कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। पीडब्ल्यूडी के 83 स्थलों में से 26 पर कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष 57 स्थलों के लिए 91.36 लाख रुपये का आगणन स्वीकृति हेतु प्रेषित किया गया है। राष्ट्रीय मार्ग खंड के पांच में से चार स्थलों पर कार्य पूर्ण है और एक पर कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। नगर निगम के 10 चिन्हित स्थलों पर आवश्यक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है और शीघ्र ही सुधार कार्य शुरू किए जाएंगे। डीएम ने निर्देश दिया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ शेष क्रैश प्रोन स्थलों पर कार्य शीघ्र पूर्ण करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके।

कल्याणपुर में युवक की हत्या का खुलासा, 24 घंटे में तीन आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व हुए विवाद में घायल युवक की इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर ही तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि दो पक्षों के बीच हुए झगड़े में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई थी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कल्याणपुर पुलिस ने जांच तेज की और आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी। इसी क्रम में पुलिस टीम ने तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं और अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

जनगणना-2027: पहले चरण के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

● डीएम ने प्रगणकों-सुपरवाइजरों को दिए अहम निर्देश, स्वगणना पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना' के तहत जनपद में तीन दिवसीय प्रगणक एवं सुपरवाइजर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। सीएमएस इंटर कॉलेज में आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में किया गया। प्रशिक्षण के पहले दिन जिलाधिकारी ने उपस्थित प्रगणकों एवं सुपरवाइजर्स को जनगणना के महत्व, उसकी प्रक्रिया तथा दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की आधारशिला होती है, इसलिए सभी कार्मिक अपने कार्य को पूरी जिम्मेदारी और सावधानी के साथ संपन्न करें। डीएम ने बताया कि इस बार जनगणना में स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा भी दी गई है, जो 7 मई से 21 मई 2026 तक चलेगी। इस दौरान नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने सभी संबंधित कार्मिकों को आमजन में इसके प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को उनके कार्यक्षेत्र के नजदीक ही हाउस लिस्टिंग ब्लॉक आवंटित किए जाएं, ताकि कार्य समयबद्ध और सुचारू रूप से पूरा हो सके। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना प्रपत्रों, डेटा संकलन की विधि, डिजिटल माध्यमों के उपयोग एवं सत्यापन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। साथ ही उनकी समझ को परखने के लिए अभ्यास सत्र भी आयोजित किए गए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अलग-अलग चरणों में विभिन्न बैचों के लिए आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का समय प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित किया गया है। वहीं, तहसील उतरौला और तुलसीपुर के प्रगणक एवं सुपरवाइजर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशिक्षण से जुड़े रहे। कार्यक्रम में एसडीएम बलरामपुर हेमंत गुप्ता सहित अन्य अधिकारी, प्रशिक्षकगण एवं जनगणना से जुड़े कार्मिक मौजूद रहे।

डीएम एवं एसपी ने होमगार्ड्स एनरोलमेंट परीक्षा के परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी एवं पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने होमगार्ड्स एनरोलमेंट परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी, शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में राजकीय इण्टर कालेज, केपी हिन्दु इण्टर कालेज, डीएवी इण्टर कालेज व तिलक इण्टर कालेज परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया गया। इस दौरान विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जाए तथा सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाय।उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनियमितता न होने देने के निर्देश भी दिए।जनपद में होमगार्ड भर्ती परीक्षा 25, 26 एवं 27 अप्रैल को 14 परीक्षा केन्द्रों पर दो पालियों में आयोजित की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बंगाल चुनाव में केजरीवाल की एंट्री, ममता के लिए 26-27 अप्रैल को करेंगे प्रचार

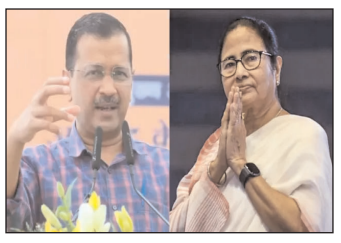

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बंगाल चुनाव में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए समर्थन मांगने के वास्ते 26 और 27 अप्रैल को चुनाव प्रचार करेंगे। आप सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आप सूत्र ने बताया कि केजरीवाल बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के निमंत्रण पर राज्य का दौरा करेंगे और उनके लिए जनता से समर्थन मांगेंगे।

जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों में केजरीवाल लेंगे हिस्सा

बताया गया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री दूसरे चरण के लिए तृणमूल के चुनाव प्रचार अभियान के तहत जनसभाओं और जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा ले सकते हैं। केजरीवाल ने बुधवार को कहा था कि उन्होंने ममता बनर्जी से फोन पर बात की है और उन्हें अपना पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा था कि ममता दीदी से फोन पर बात हुई। मैंने उनके प्रति पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त किया। वह सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक है। बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण में गुरुवार को 152 सीट पर मतदान संपन्न हो गया जबकि 29 अप्रैल को दूसरे चरण में शेष सीट पर मतदान होगा। चुनाव के नतीजे चार मई को आएंगे।

IRS बेटी हत्याकांडः चोरी के पैसे से सर्वेंट क्वार्टर में कॉल गर्ल लाता था राहुल, जांच में चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली। वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी की होनहार बेटी की बेरहमी से हत्या और दुष्कर्म के मामले में दिल्ली पुलिस को हैरान करने वाली जानकारी मिली है। राहुल को भली-भांति पता था कि लड़की के माता-पिता सुबह जिम जाते हैं और वह बिल्डिंग के हर रास्ते व तलों से वाकिफ था। पुलिस जांच में सामने आया है कि कम उम्र में ऑनलाइन ''तीन पत्ती'' गेम के जरिए पैसा कमाने वाले राहुल को लड़कियों और जुए की लत लग चुकी थी। आईआरएस अधिकारी के घर में नौकरी करने के दौरान चोरी के पैसे इकट्ठा करने के बाद राहुल अक्सर अपने सर्वेंट क्वार्टर में कॉलगर्ल ले आता था। अलवर में विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म करने के दौरान उसने महिला को दांतों से काट लिया था और जान से मारने की धमकी दी थी। **क्या है पूरा मामला?** 22 अप्रैल की सुबह जब यूपीएससी की तैयारी करने वाली छात्रा अपने रूफ-टॉप स्टडी रूम में पढ़ाई कर रही थी, तभी राहुल वहां दाखिल हो गया था। उसने दुष्कर्म की नीयत से लड़की का गला दबाकर उसे काबू करने की कोशिश की। विरोध करने पर पास रखे लैंप व भारी वस्तु से उसके सिर पर वार कर घायल कर दिया गया। बेहोशी की हालत में आरोपित ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया और फिर लूटपाट के इरादे से उसे सीढ़ियों से घसीटते हुए एक तल नीचे यानी तीसरी मंजिल पर लेकर आ गया। उस तल पर एक कमरे में लॉकर मौजूद है।

स्टेशन मास्टर अब कहलाएंगे स्टेशन प्रबंधक, रेलवे बोर्ड ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन पर तैनात स्टेशन सुपरिंटेंडेंट/स्टेशन मास्टर का पदनाम बदल गया है। अब इनका पदनाम स्टेशन प्रबंधक होगा। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन ने रेलवे बोर्ड के इस कदम का स्वागत किया है। उसका कहना है कि यूनियन के लंबे संघर्ष के बाद यह पदनाम बदला गया है। ट्रेन में तैनात गार्ड का पदनाम वर्ष 2022 में बदलकर ट्रेन प्रबंधक कर दिया गया था। उसके बाद अब स्टेशन सुपरिंटेंडेंट का पदनाम भी बदला गया है। 22 अप्रैल को जारी आदेश के अनुसार, ग्रेड पे 4600 (लेवल-7) वाले सहायक स्टेशन प्रबंधक और ग्रेड पे 4800 (लेवल-8) वाले स्टेशन प्रबंधक के रूप में जाने जाएंगे। पदनाम बदले गए हैं, लेकिन उनके दायित्वों और वेतनमान में कोई बदलाव नहीं किया गया है। **ऐतिहासिक बदलाव** ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन के महासचिव मनोज गुप्ता ने कहा है कि स्टेशन मास्टर्स संवर्ग के लिए यह मान-सम्मान से जुड़ा एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय है। संगठन पिछले सात वर्षों से लगातार इसके लिए संघर्ष कर रहा था। इससे पहले भी संगठन के संघर्ष के कारण ही कैडर रिस्ट्रक्चरिंग, सिले हुए ड्रेस की जगह वर्दी भत्ता, असिस्टेंट स्टेशन मास्टर पद को हटाना, प्रारंभिक भर्ती में ग्रेड पे 4200 सुनिश्चित कराना, भर्ती के तुरंत बाद यात्रा के लिए फर्स्ट क्लास पास की सुविधा और रात्रि भत्ता का भुगतान फिर से शुरू कराने जैसे कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त हो सके हैं।

नकाब लगाकर हमला, कैसे होर्मुज में भारतीय जहाज ईरान ने किया कब्जा

● बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब 8:00 बजे जब एपा मिनी डेज़ नाम का यह कंटेनरशिप हॉर्न स्टेट को पार करने की कोशिश कर रहा था। तभी अचानक ईरान की आईआरजीसी ने इस जहाज को निशाना बनाया। पहले चेतावनी दी गई और फिर फायरिंग शुरू हो गई। समुंदर के बीच गोलियों की आवाज जहाज पर 21 लोगों के लिए वह पल किसी डरावने सपने से कम नहीं था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय तनाव के बीच ईरान ने भारत आ रहे एक कंटेनर जहाज को रोक लिया। इतना ही नहीं फायरिंग के बाद इस जहाज को अपने कब्जे में भी ईरान ने ले लिया और इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस जहाज पर भारत का एक नागरिक मौजूद है। एक नाटकीय फुटेज जारी किया है। इस फुटेज में कथित तौर पर दिखाया गया है कि कैसे नकाबपोश कमांडो ने जहाज़ों का पीछा किया, उन पर चढ़ गए और आखिरकार उन्हें ज़ब्त कर लिया। हॉलीवुड की किसी एक्शन थ्रिलर फिल्म जैसा लगने वाला यह प्रोपेगैंडा वीडियो, अमेरिकी मरीन द्वारा दो ईरानी झंडे वाले मालवाहक जहाज़ों पर चढ़कर उन्हें ज़ब्त करने के कुछ दिनों बाद आया है। उन जहाज़ों ने होर्मुज़ में लगी नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश की थी।

बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब 8:00 बजे जब एपा मिनी डेज़ नाम का यह कंटेनरशिप हॉर्न स्टेट को पार करने की कोशिश कर रहा था। तभी अचानक ईरान की आईआरजीसी ने इस जहाज को निशाना बनाया। पहले चेतावनी दी गई और फिर फायरिंग शुरू हो गई। समुंदर के बीच गोलियों की आवाज जहाज पर 21 लोगों के लिए वह पल किसी डरावने सपने से कम नहीं था। वॉइस कैप्टन संजय महान ने अपने वीडियो में बताया कि जैसे ही फायरिंग शुरू हुई सभी क्रू मेंबर तुरंत जहाज के अंदर चले गए और खुद को सुरक्षित करने की कोशिश की। अब आपको बताते हैं इस जहाज के बारे में। इस कंटेनरशिप का नाम है एपा मिनोडेस। यह लाइबेरिया के झंडे वाला एक कमर्शियल कारगो जहाज है। यह जहाज सऊदी अरब से भारत के गुजरात स्थित मुंद्रा पोर्ट की ओर आ रहा था।

यानी यह एक सामान्य व्यापारिक यात्रा थी। लेकिन अचानक यह अंतरराष्ट्रीय विवाद का हिस्सा बन गई। जहाज पर कुल 21 लोग सवार हैं और इनमें वॉइस कैप्टन संजय महर भारत से हैं। बाकी क्रू मेंबर फिलीपींस, यूक्रेन और श्रीलंका के नागरिक हैं। यानी यह एक मल्टीनेशनल क्रू है जो अब ईरान के कब्जे में है। हालांकि अभी तक किसी के घायल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन हालात तनावपूर्ण बताए जा रहे हैं।

ईरान के सैनिकों ने भारतीय जहाज़ पर कब्ज़ा कैसे किया?

इस नाटकीय वीडियो में ईरानी सैनिक स्पीडबोट्स में सवार होकर मालवाहक जहाज़ों की ओर बढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो ट्रंप के उन बार-बार किए गए दावों के बिल्कुल विपरीत है, जिनमें उन्होंने कहा था कि युद्ध के दौरान ईरानी नौसेना पूरी तरह से तबाह हो गई थी। हालाँकि, अमेरिकी अधिकारियों ने दावा किया है कि इन जहाज़ों पर कब्ज़ा करने के पीछे ईरान का 'मच्छर बेड़ा' था यानी छोटी, तेज़ रफ़्तार वाली और जिनका पता लगाना मुश्किल होता है, ऐसी नावें जिन्हें शक्तिशाली आईआरजीसी द्वारा संचालित किया जाता है। इसके बाद वीडियो में नकाब पहने ईरानी सैनिक, जिनके पास राइफलें हैं, एक सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़ते और एमएससी फ्रांसेस्का पर सवार होते दिखाई देते हैं।

एपामिनोंडास पर सवार, नकाबपोश कमांडो राइफलों के साथ तलाशी लेते और इंजन रूम में दाखिल होते नज़र आते हैं। फिर विज़ुअल्स में सैनिकों को जहाज़ के ऊपरी डेक पर चढ़ते हुए दिखाया गया है। भारत की ओर जा रहे जहाज़ एपामिनोंडास के 'ब्रिज' (केंद्रीय कमांड सेंटर) को तब नुकसान पहुँचा, जब ईरानी सैनिकों ने अपनी स्पीडबोट से गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके। हालाँकि, जहाज़ के क्रू को कोई चोट नहीं आई। एमएससी फ्रांसेस्का, जो ईरान के तट से लगभग छह मील दूर था, उस पर भी ज़ोरदार गोलीबारी हुई।

श्रीभूमि जिले के सिंगलाछड़ा बाजार की सड़क बनी जलभराव का केंद्र, लोगों में आक्रोश

● ड्रेनेज व्यवस्था के अभाव में सड़क पर जमा गंदा पानी, जनजीवन प्रभावित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमिः श्रीभूमि जिले के आनिपुर टी गार्डन से मागुराछड़ा टी एस्टेट तक जाने वाली पीडब्ल्यूडी सड़क (कालाछड़ा व सिंगलाछड़ा बाजार मार्ग) की दयनीय स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। जिले के रामकृष्ण नगर विधानसभा क्षेत्र के सिंगलाछड़ा बाजार में यह सड़क अब सड़क न रहकर गंदे पानी के तालाब में तब्दील हो गई है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि उचित नाला (ड्रेनेज) व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर हर दिन पानी जमा रहता है। स्थिति यह है कि बाजार के पास स्थित मंदिर परिसर तक जलभराव की चपेट में है, जिससे धार्मिक गतिविधियों में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। इस समस्या का सबसे अधिक असर आम लोगों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। स्कूली बच्चों को पानी से भरी सड़क पार कर विद्यालय जाना पड़ रहा है, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। वहीं, बाजार के दुकानदारों को भी रोजाना आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

गंदे पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। साथ ही दुर्गंध से स्थानीय लोगों का जीवन दूभर हो गया है। स्थानीय लोगों ने लोक निर्माण विभाग (PWD) और जनप्रतिनिधियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सवाल उठाया है कि केवल सड़क निर्माण को ही विकास मान लेना क्या उचित है, जब जल निकासी की कोई व्यवस्था ही नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि जल्द से जल्द पक्का नाला निर्माण कार्य शुरू किया जाए और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग उठाई गई है। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे इस मुद्दे को उच्च अधिकारियों, सूचना के अधिकार (RTI) के माध्यम से उठाने को बाध्य होंगे।

श्रीभूमि जिले में दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन का 'फ्लैग स्टेशन' में उन्नयन अब भी अधूरा

● कागज़ों तक सीमित विकास, यात्रियों में बढ़ता आक्रोश।

● प्रधानमंत्री व रेल मंत्री और स्थानीय सांसद से हस्तक्षेप की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि : श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा रेलवे स्टेशन को 'हॉल्ट स्टेशन' से 'फ्लैग स्टेशन' में उन्नत करने की घोषणा अब तक जमीन पर लागू नहीं हो पाई है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों में गहरा असंतोष देखा जा रहा है। गत 4 जुलाई 2025 को रेल राज्य मंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक लिखित निर्देश में आश्वासन दिया गया था कि वादे के अनुरूप स्टेशन का दर्जा बढ़ाया जाएगा और आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही एक आधिकारिक दस्तावेज भी जारी किया गया था। हालांकि, स्थानीय सांसद कृपानाथ माल्लाह द्वारा लंबे समय से इस स्टेशन के विकास के लिए प्रयास किए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस काम शुरू नहीं हुआ है, ऐसा स्थानीय लोगों का आरोप है। यात्रियों के अनुसार, फुट ओवरब्रिज, शौचालय, पेयजल सुविधा, प्रतीक्षालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास का काम अब तक शुरू नहीं हुआ है। आवश्यक ढांचे के अभाव में यात्रियों को असुविधा और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने सरकार से जल्द से जल्द वादों को पूरा करने और निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और स्थानीय सांसद कृपानाथ माल्लाह से इस मुद्दे में हस्तक्षेप करने की अपील की है।

दिल्ली में खुलेंगे दो टू एक्सीलेंस सेंटर, 100 स्टार्टअप्स को मिलेगा सपोर्ट और 1000 युवाओं को नौकरी

» लगभग 100 स्टार्टअप्स को मिलेगा समर्थन, 7000+ प्रशिक्षण

» प्रत्येक केंद्र को 20 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए दो-टू उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय किया है। दिल्ली के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री डॉ. पंकज सिंह का कहना है कि इससे लगभग 100 स्टार्टअप्स को समर्थन मिलेगा। इन केंद्रों में सात हजार से अधिक लोगों को प्रशिक्षण मिलेगा और एक हजार से अधिक नौकरियां सृजित होंगी। उन्होंने कहा कि नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एआई में निवेश किया जाएगा। प्रत्येक केंद्र को 20 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के साथ विकसित किया जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा 40:40:20 योगदान मॉडल पर यह आधारित होगा। इन केंद्रों से नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही तकनीक से नागरिकों के जीवन में सार्थक सुधार लाने में मदद मिलेगी।

प्रलयंकारी कालबैशाखी तूफान से जिले के दुल्लभछड़ा में भारी नुकसान

● हॉस्पिटल रोड पर प्रशांत भट्टाचार्य के घर सहित कई स्थान प्रभावित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में गत 22 अप्रैल (बुधवार रात): अचानक आए प्रलयंकारी कालबैशाखी तूफान ने दुल्लभछड़ा के हॉस्पिटल रोड सहित आसपास के विस्तृत इलाकों में भारी तबाही मचाई। तेज़ हवाओं, बिजली कड़कने और चमक के कारण पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तूफान की तीव्रता से कई घरों की छतें उड़ गईं, बड़े-बड़े पेड़ उखड़ गए और बिजली लाइनों को भारी नुकसान पहुंचा। इसके चलते पूरी रात दुल्लभछड़ा क्षेत्र अंधेरे में डूबा रहा और हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक नुकसान हॉस्पिटल रोड

निवासी प्रशांत भट्टाचार्य के घर को हुआ। पास का एक विशाल सिरिश का पेड़ टूटकर उसकी शाखाएं पक्की छत पर जा गिरीं। तेज़ आवाज़ से परिवार के सदस्य घबरा गए। छत के लोहे के पांच खंभे मुड़कर टूट गए, जिससे घर की संरचना को गंभीर क्षति पहुंची।

इसके अलावा, घर की पीने के पानी की पाइपलाइन टूट गई और बिजली कनेक्शन भी बाधित हो गया। छत पर रखे फूलों के गमले सहित कई सामान नष्ट हो गए। परिवार के अनुसार, प्रारंभिक नुकसान का अनुमान लगभग 35 हजार रुपये से अधिक है। वहीं, हॉस्पिटल रोड की मुख्य बिजली लाइन टूटकर सड़क पर गिर गई, जिससे खतरनाक स्थिति पैदा हो गई। साथ ही सत्संग के पास एक मिल की टिन की छत तेज़ हवा में उड़कर सड़क पर आ गिरी, जिससे लोगों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। बिजली विभाग ने बताया कि क्षतिग्रस्त लाइनों की मरम्मत कर जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने के लिए कर्मचारी युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों के लिए सरकारी सहायता की मांग की है। तूफान के बाद स्थिति को सामान्य करने के लिए स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं।

2 घंटे 14 मिनट की डिजास्टर ओटीटी पर आते ही हुई हिट, टॉप ट्रेंडिंग में बनी हुई 2025 की फिसड्डी फिल्म

● ओटीटी पर आते ही छाई फ्लॉप फिल्म

● 2025 में बॉक्स ऑफिस पर रही फेल

● इस एक्टर की मूवी ने किया कमाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अक्सर देखा जाता है कि कई फिल्में ऐसी होती हैं तो सिनेमाघरों में अच्छा रिस्पॉन्स हासिल नहीं कर पाती हैं और बाद में ओटीटी पर आकर कमाल दिखाती हैं। मौजूदा समय में भी एक ऐसी फिल्म है, जिसे बीते साल कमर्शियल तौर पर बिल्कुल भी सफलता नहीं मिली थी। लेकिन फिलहाल ओटीटी पर ये मूवी पूरा कमाल दिखा रही है। 2 घंटे 14 मिनट की एक्शन थ्रिलर फिल्म मौजूदा समय में ओटीटी पर आते ही हिट हो गई है और टॉप ट्रेंडिंग मूवीज की लिस्ट में शामिल हो चुकी है। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी मूवी के बारे में चर्चा की जा रही है।

ओटीटी पर छाई ये फ्लॉप फिल्म

जिस फिल्म के बारे में इस लेख में बात की जा रही है, उसे पिछले साल 2025 में फरवरी के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। फिल्म का बॉक्स ऑफिस क्लैश सुपरस्टार आमिर खान के बेटे जुनैद खान की मूवी लवयापा के साथ हुआ था।

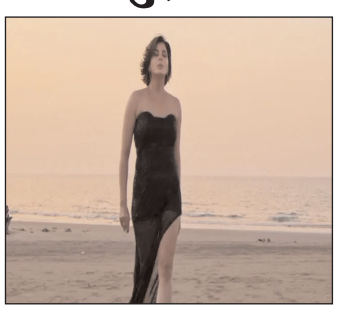

बेशक ये फ्लॉप फिल्म लवयापा से कमाई करने में आगे रही, लेकिन ओवरऑल इसे फ्लॉप करार दिया गया था। दरअसल यहां चर्चा हिमेश रेशमिया स्टारर बैडएस रवि कुमार की जा रही है। बीते वीकेंड पर हिमेश की बैडएस रवि कुमार को एक साल के लंबे इंतजार के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया है। फिल्म बेशक कमर्शियल तौर पर फिसड्डी रही। लेकिन ओटीटी पर आते ही इसकी किस्मत पूरी तरह से बदल गई है और अब ये मूवी जियो हॉटस्टार पर मस्ट वॉच बन चुकी है।

फिलहाल बैडएस रवि कुमार टॉप-5 मूवीज में ट्रेंड कर रही है और चौथे स्थान पर बरकरार है। इससे ये साफ जाहिर होता है कि हिमेश रेशमिया की बैडएस रवि कुमार ओटीटी पर ऑडियंस की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और लोग इसे धड़ल्ले से देखे रहे हैं।

इन सीरीज और मूवीज से आगे है बैडएस रवि कुमार

मौजूदा समय में बैडएस रवि कुमार ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जिन फिल्म और वेब सीरीज से आगे चल रही हैं, उनमें- चिरैया (वेब सीरीज), संगमरमर (वेब सीरीज), काट्टन (वेब सीरीज), किस किसको प्यार करूं 2 (मूवी) जैसे कई थ्रिलर के नाम शामिल हैं। इससे ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि हिमेश की मूवी को लेकर फैंस में काफी क्रेज बना हुआ है। र जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल करने के लिए कर्मचारी युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवारों के लिए सरकारी सहायता की मांग की है। तूफान के बाद स्थिति को सामान्य करने के लिए स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं।

ओलंपिक 2028 में नाइटराइडर्स के मैदान में होंगे क्रिकेट मुकाबले, आईसीसी सीईओ ने कहा- 'यह इतिहास का महत्वपूर्ण क्षण'

● ओलंपिक 2028 के क्रिकेट मैच आईपीएल फ्रेंचाइजी के मैदान पर खेले जाएंगे

● पोमोना शहर में मैदान का गुरुवार को शिलान्यास किया गया

● आईसीसी के सीईओ ने कहा कि यह इतिहास का महत्वपूर्ण क्षण हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लॉस एंजिलिस। 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट मुकाबले लॉस एंजिलिस नाइट राइडर्स के घरेलू मैदान पर आयोजित किए जाएंगे। अमेरिका के लॉस एंजिलिस के निकट स्थित पोमोना शहर में इस मैदान का गुरुवार को शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजोग गुप्ता ने कहा कि यह इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है। क्योंकि आज हम जिस चीज की नींव रख रहे हैं, वह सिर्फ एक क्रिकेट मैदान नहीं है, बल्कि एक ऐसा वादा जिसे पूरा करने में

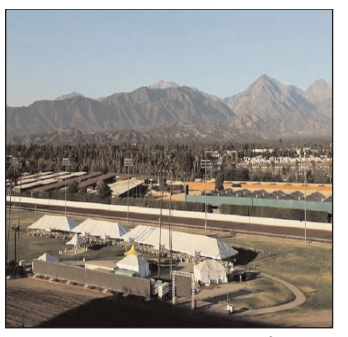

128 साल लगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने क्रिकेट को लॉस एंजिलिस खेलों में शामिल करने की मंजूरी दी है। गुप्ता ने कहा कि इससे इस खेल के बढ़ते प्रभाव का पता चलता है। दुनिया का दूसरा सबसे लोकप्रिय खेल इतने लंबे समय से ओलंपिक मंच से गायब रहा। संजोग गुप्ता ने कहा कि ओलंपिक में उन खेलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिन्हें अरबों लोग पसंद करते हैं। पोमोना स्थित क्रिकेट स्थल की विरासत इसे क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है।

नोएडा में 10वीं में देवेश कुमार और 12वीं में हिमांशी शर्मा ने किया जिला टॉप

ग्रेटर नोएडा। इंटरमीडिएट में 91.20 प्रतिशत अंकों के साथ जिला टॉप करने वाली केसीएस बालिका इंटर कालेज सूरजपुर की छात्रा हिमांशी शर्मा एक साधारण किसान की बेटी है। उनके 500 में से 456 अंक आए हैं। हिमांशी के गणित में 97, भौतिक विज्ञान में 93, अंग्रेजी में 94, हिंदी में 90 व रसायन विज्ञान में 82 अंक हैं। उन्होंने योजना बनाकर बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी की। प्रतिदिन नियमित रूप से पांच से छह घंटों तक पढ़ाई की। साथ ही गणित व भौतिक विज्ञान पर पकड़ मजबूत बनाने के लिए कोचिंग का सहारा लिया। हिमांशी के पिता उमेश कुमार शर्मा किसान हैं, जबकि मां निर्मेश शर्मा गृहणी है। वहीं, 10वीं में टॉप करने वाले देवेश कुमार को 94.33 प्रतिशत अंक मिले। हिमांशी ने बताया कि वह चार भाई-बहन हैं। पिता ने तमाम मुसीबतों के बाद भी उन्हें पढ़ाई में सहयोग किया। दो-दो विषयों की कोचिंग कराई और उनकी हर जरूरतों को पूरा करते रहें। हिमांशी अब बीएससी (गणित) से स्नातक की पढ़ाई करेगी।

न एसी न डीसी निगम साउथ जोन रहा ठप, शिकायत लेकर फरियादी परेशान

● शाहदरा साउथ जोन में उपायुक्त-सहायक उपायुक्त अनुपस्थित।

● प्रशासनिक कार्य ठप, शिकायतकर्ता समाधान को भटके।

● जनसमस्याओं के समाधान हेतु तत्काल अधिकारी तैनाती की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। नगर निगम के शाहदरा साउथ जोन में इन दिनों प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती नजर आ रही है। बृहस्पतिवार को जोन कार्यालय पहुंचे फरियादी अपनी शिकायतों के समाधान के लिए भटकते रहे, क्योंकि वहां न तो उपायुक्त मौजूद थे और न ही सहायक उपायुक्त। दोनों प्रमुख पदों के खाली रहने से आम लोगों को अपनी समस्याओं को लेकर इधर-उधर भटकना पड़ा।

उपायुक्त डब्ल्यूपी सिंह 10 दिन के अवकाश पर

जानकारी के अनुसार, जोन के उपायुक्त

डब्ल्यूपी सिंह 10 दिन के अवकाश पर हैं। वहीं सहायक उपायुक्त आदित्य सिंह अपने मूल कैडर में वापस लौट गए हैं। अवकाश पर जाते समय उपायुक्त ने कार्यभार सहायक उपायुक्त को सौंपा था, लेकिन उनके भी कैडर में वापस जाने से जोन का कामकाज अधर में लटक गया है। शिकायत लेकर पहुंचे लोगों ने बताया कि घंटों इंतजार के बावजूद उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।

निगम कार्यालय पहुंचे अमित कुमार ने कहा कि पहले से ही क्षेत्र में सफाई, अवैध अतिक्रमण और आवारा पशुओं से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। ऐसे में अधिकारियों की अनुपस्थिति हालात को और गंभीर बना सकती है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि जिम्मेदार अधिकारियों के बिना शिकायतों का समय पर समाधान संभव नहीं है। इस स्थिति को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं कि जब जोन में शीर्ष अधिकारी ही मौजूद नहीं हैं, तो जनता की समस्याओं का समाधान किसके भरोसे होगा। लोगों ने जल्द से जल्द वैकल्पिक व्यवस्था कर अधिकारियों की तैनाती की मांग की है, ताकि जनसमस्याओं का समाधान सुनिश्चित हो सके।

सिलापथार के दो युवकों ने बॉडी बिल्डिंग में चमके राष्ट्रीय स्तर पर

असम धेमाजी। भारतीय बॉडी बिल्डिंग एंड फिटनेस फेडरेशन (आईबीएफआईएफ) ने गत 13 अप्रैल में बिहार के बुद्धगया में आयोजित मिस्टर बॉडी बिल्डिंग एंड फिटनेस चैंपियनशिप में सिलापथार के दो युवाओं संतोष यादव और मानक डेका ने बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। सिलापथार के स्वर्गीय शंकर यादव के पुत्र संतोष यादव ने पुरुषों के 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वही सिलापथार बाम गांव के ज्योतिष डेका के पुत्र मानक डेका ने इसी प्रतियोगिता के पुरुषों के 85 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने में सक्षम हुए। सिलापथार के दो युवकों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में जीत हासिल के खबर से इलाके में खुशी के माहौल है। दोनों युवा अपनी उपलब्धियों से उत्साहित हैं और आने वाले दिनों में इंटरनेशनल लेवल के कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने के लिए खुद को तैयार में लगे हुए हैं।